केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

16 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

मालवा हेराल्ड

सुविचार

तौहीन ना करो नीम को कड़वा कहकर, जिंदगी के तजुर्बे नीम से भी कड़वे होते है...

वर्ष : 16 अंक : 315 | उज्जैन, सोमवार 27 अप्रैल 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-1 रुपए

न्यूज ब्रीफ

पीएम किसान सम्मान निधि बढ़ाकर 9 हजार रुपये करेंगे, बंगाल में पीएम मोदी का बड़ा ऐलान

नई दिल्ली/ जीएनएस। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल में दूसरे चरण के मतदान से पहले बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने कहा है कि अगर राज्य में भाजपा की सरकार बनती है तो किसानों को दी जाने वाली पीएम किसान सम्मान निधि को बढ़ाकर नौ हजार रुपये कर दिया जाएगा। अभी देशभर में पीएम किसान सम्मान निधि के तहत सालाना छह हजार रुपये दिए जाते हैं। हर चार महीने में दो हजार रुपये बैंक खाते में ट्रांसफर किए जाते हैं। बनगांव में रैली को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने महिलाओं के लिए भी कई वादे किए। उन्होंने कहा, लखपति अभियान के तहत बंगाल की 75 लाख बहनों को यहां बनने वाली भाजपा सरकार मदद देगी, ताकि वे लखपति दीदी बनें और हर साल एक लाख रुपये से अधिक कमा सकें। बंगाल की बेटियां अपने मन का रोजगार करें, इसके लिए उन्हें 20 लाख रुपये तक का मुद्रा लोन मिलेगा। बैंक गारंटी मांगता है, बहनों के पास यह गारंटी कहां से होगी, इसलिए आपके भाई ने तय किया है कि मेरी बहनों की बैंक गारंटी आपका भाई मोदी देगा। पीएम मोदी ने आगे कहा, बंगाल भाजपा ने बहनों के लिए एक बहुत बड़ी घोषणा की है। हर साल बहनों को 36 हजार रुपये मिलेंगे। पांच साल सरकार रहेगी, तो 180,000 रुपये मिलेगा। इसी तरह, बेटियों की पढ़ाई के लिए 50 हजार रुपये दिए जाएंगे। पीएम आवास योजना के घर गरीब परिवार की बहनों के नाम होता है। पक्का घर बनाने के लिए डेढ़ लाख रुपये दिए जाएंगे। बंगाल भाजपा सरकार पीएम किसान सम्मान निधि को भी बढ़ाकर नौ हजार रुपये करेगी। उन्होंने आगे कहा कि मैं जानता हूं कि बहनों को बिजली बिल की भी बहुत चिंता होती है। आपका बिजली बिल जीरो हो, इसके लिए परिवार को सोलर प्लांट लगाने के लिए हर परिवार को मोदी सरकार 80 हजार रुपये देगी। आप मोदी की एक और गारंटी लिख लीजिए, भाजपा सरकार की पहली कैबिनेट बैठक में ही आयुष्मान योजना लागू होने पर फैसला होगा। पांच लाख रुपये तक मुफ्त इलाज की सुविधा मिलेगी।

मणिपुर में फिर भड़की हिंसा, 3 लोगों की मौत; इसबार नागा और कुकी की लड़ाई

मणिपुर/ जीएनएस। उखरुल जिले में शुक्रवार को एक बार फिर हिंसा भड़क उठी। दो अलग-अलग गोलीबारी की घटनाओं में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई, जिससे राज्य में तनाव और गहरा गया है। गौरतलब है कि मणिपुर पहले से ही मैतेई और कुकी समुदायों के बीच जातीय संघर्ष से जूझ रहा है। अब उखरुल में नगा और कुकी समुदायों के बीच हिंसा की खबर सामने आ रही है। पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, शुक्रवार तड़के उखरुल जिले के सीनाकेइथेई गांव के पास तांगखुल नगा और कुकी समुदाय के सशस्त्र समूहों के बीच भीषण गोलीबारी शुरू हुई। इस हिंसक झड़प ने जिले के शांतिपूर्ण माहौल को पूरी तरह बिगाड़ दिया है। इस झड़प में 29 वर्षीय तांगखुल युवक होरशोकमी जमांग की मौत हो गई। वह कामजोंग जिले के चाट्रिक खुलेन गांव का निवासी था। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, इस गोलीबारी में तीन नागरिक भी घायल हुए हैं, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया है। नगा संगठन तांगखुल नगा लॉन्ग ने आरोप लगाया है कि सोओ के तहत आने वाले कुकी उग्रवादियों की गतिविधियों के कारण क्षेत्र में अशांति थी। संगठन का दावा है कि जब नगा विलेज गार्ड गश्त पर थे तब कुकी उग्रवादियों ने उन पर घात लगाकर हमला किया। पहली घटना के कुछ ही देर बाद पास के मुल्लम गांव में एक और गोलीबारी हुई। मुल्लम एक कुकी बहुल गांव है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी के रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 133वें संस्करण का प्रसारण

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मन की बात का किया जनप्रतिनिधियों और आमजन के साथ श्रवण

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 133वें संस्करण का भोपाल के वीआईपी रोड स्थित एक निजी रेस्टोरेंट में जनप्रतिनिधियों के साथ श्रवण किया। इस अवसर पर आमजन भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 'मन की बात' देश के करोड़ों नागरिकों को जोड़ने वाला एक सशक्त संवाद मंच है। इसके जरिए प्रधानमंत्री श्री मोदी समाज के विभिन्न वर्गों की प्रेरक कहानियों, नवाचारों और सकारात्मक प्रयासों को सामने लाते हैं, जिससे आमजन को नई दिशा और प्रेरणा मिलती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने मन की बात कर कार्यक्रम को पूरे देशवासियों के मन में बिठा दिया है। उन्होंने देश को नवाचार की नई दृष्टि दी है। ऐसे कार्यक्रम समाज में सकारात्मक सोच को बढ़ावा देते हैं और राष्ट्र निर्माण में जनभागीदारी को सशक्त करते हैं।

मन की बात में प्रधानमंत्री श्री मोदी ने देशवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि इन दिनों हमारे देश में एक बहुत ही अहम अभियान चल रहा है, जिसके बारे में हर भारतीय को जानकारी होनी जरूरी है। ये है जनगणना का अभियान, यह दुनिया की सबसे बड़ी जनगणना है। हमारे साथी पहले भी इस तरह की प्रक्रिया से गुजर चुके हैं। इस बार जनगणना का उनका अनुभव, अलग होने वाला है। जनगणना 2027 को पूरी तरह डिजीटल बनाया गया है। सारी जानकारी सीधे डिजीटल माध्यम में दर्ज हो रही है। घर-घर जाने वाले कर्मचारियों के पास मोबाइल ऐप है। वे नागरिकों से बात करके उसी में सारी जानकारी दर्ज करेंगे। उन्होंने कहा कि इस बार जनगणना में आपकी भागीदारी भी आसान बनाई गई है, नागरिकगण खुद भी अपनी जानकारी दर्ज कर सकते हैं। कर्मचारी के आने से 15 दिन पहले सबके लिए यह सुविधा शुरू होगी। नागरिक अपने समय के अनुसार जानकारी भर सकते हैं। जब जब नागरिक यह प्रक्रिया पूरी करते हैं, तो उन्हें एक विशेष आईडी मिलती है। ये आईडी उनके मोबाइल या ई-मेल आईडी पर आती है। बाद में जब कर्मचारी उनके घर आता है, तो वे यही आईडी दिखाकर अपनी जानकारी की पुष्टि कर सकते हैं। इससे दोबारा जानकारी देने की जरूरत नहीं पड़ती। समय भी बचता है और प्रक्रिया भी आसान हो जाती है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि देश के जिन राज्यों में स्व-गणना का काम पूरा हो गया है, वहां, गणना कर्मचारी द्वारा घरों के सूचीकरण का कार्य भी शुरू कर दिया गया है। उन्होंने बताया की अब तक लगभग 1 करोड़ 20 लाख परिवारों का मकान सूचीकरण का कार्य पूरा भी हो चुका है। देश की जनगणना सिर्फ एक शासकीय काम नहीं है। यह हम सबकी जिम्मेदारी है। इसमें नागरिकों की भागीदारी बहुत जरूरी है। नागरिकों द्वारा दी गई जानकारी पूरी तरह सुरक्षित रहती है, यह गोपनीय रखी जाती है और इसे पूरी डिजीटल सुरक्षा के साथ सुरक्षित किया जाता है। प्रधानमंत्री ने देशवासियों से अपील करते हुए कहा है कि आइए, हम सब मिलकर इस प्रक्रिया में भाग लें और जनगणना 2027 को सफल बनाएं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर मौजूद आमजनों विशेषकर युवाओं से आत्मीय संवाद किया। उनके साथ स्वल्पाहार कर नारी शक्ति वंदन सहित विभिन्न विषयों पर खुलकर चर्चा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ के तहत बेटियों की शिक्षा की पुख्ता व्यवस्था एवं प्रोत्साहन सहायता, महिला सुरक्षा, महिला आरक्षण, इनकी आजीविका, समान वेतन और इन्हें स्वरोजगार से जोड़कर स्वावलंबी बनाने के लिए राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों की जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि नारी शक्ति वंदन पर केंद्र सरकार तत्पर होकर प्रयास कर रही है, पर विपक्षी दलों के असहयोग के कारण यह प्रस्ताव संसद में पारित नहीं हो पाया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रेस्टोरेंट में कैप पेंटिंग कर रहे चार छोटे बच्चों से बाल सुलभ वार्तालाप कर उनकी हौसला अफजाई की। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने बच्चों को अपने हाथों से नाश्ता कराया। उन्होंने बच्चों से पढ़ाई सम्बंधित बातचीत कर उन्हें हमेशा अपने बड़े-बुजुर्गों, माता-पिता और बड़े भाई-बहनों का सम्मान करने और माता-पिता के नाम का उच्चारण करते समय सदैव श्रीमती और श्री से प्रारंभ कर सम्मानजनक संबोधन ही करने की सीख दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आमजनों, युवाओं और बच्चों के साथ सहज रूप से अभिभावक की तरह अनौपचारिक चर्चा की और सबके साथ समूह चित्र खिंचवाकर उनका उत्साहवर्धन भी किया।

मन की बात के श्रवण एवं आमजन से संवाद कार्यक्रम में लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्यमंत्री श्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल, श्री राहुल कोठारी, श्री रविन्द्र यति सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं नागरिकगण उपस्थित थे।

गिरफ्तारी से बचने के लिए सुप्रीम कोर्ट पहुंचे पवन खेड़ा, हिमंत की पत्नी पर लगाए थे गंभीर आरोप

नई दिल्ली/ जीएनएस। गुवाहाटी हाई कोर्ट द्वारा एंटीसिपेटरी बेल की याचिका खारिज होने के बाद कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने अब सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। वह असम के मुख्यमंत्री हिमंत की पत्नी द्वारा एफआईआर मामले में एंटीसिपेटरी बेल के लिए शीर्ष अदालत पहुंचे हैं। गौरतलब है कि पवन खेड़ा ने आरोप लगाया था कि हिमंत की पत्नी रिंकी भुइयां के पास तीन देशों का पासपोर्ट होने का आरोप लगाया था। इसके बाद हिमंत बिस्वा सरमा ने काफी आक्रामक जवाब दिया था। इससे पहले गुवाहाटी उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को कांग्रेस नेता पवन खेड़ा की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी थी।

गुवाहाटी उच्च न्यायालय द्वारा पवन खेड़ा की अग्रिम जमानत याचिका खारिज किए जाने के बाद कांग्रेस की प्रतिक्रिया आई थी। शनिवार को पार्टी की तरफ से कहा गया कि वह अपने मीडिया विभाग के प्रमुख के साथ खड़ी है। साथ ही उम्मीद जताई कि उत्पीड़न की राजनीति पर न्याय की जीत होगी।पवन खेड़ा ने हिमंत बिस्वा सरमा की पत्नी पर कई पासपोर्ट और विदेश में अघोषित संपत्तियां होने के आरोपों से जुड़े मामले में अग्रिम जमानत के लिए याचिका दायर की थी।

तोतों ने किया फसल का नुकसान, तो सरकार देगी मुआवजा? हाई कोर्ट ने दिया आदेश

नई दिल्ली/ जीएनएस। महाराष्ट्र में एक किसान की अनार की खेती को पास के वन्यजीव अभ्यारण्य में रहने वाले तोतों ने खराब कर दिया था। अब बॉम्बे हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को आदेश दिया है कि वह किसान को हुए नुकसान की भरपाई करे। नागपुर पीठ ने चिंता जताई कि अगर सरकार ऐसा नहीं करती है, तो किसान कोई ऐसा कदम उठा सकते हैं, जिससे तोतों को नुकसान हो। ऐसी स्थिति में यह वन्य जीव अधिनियम का उल्लंघन होगा। सरकार को इस स्थिति से बचने के लिए मुआवजा देना होगा।

जस्टिस उर्मिला जोशी और जस्टिस निवेदिता मेहता की पीठ किसान को मुआवजा देने का आदेश देते हुए कहा कि यह राज्य सरकार की ही जिम्मेदारी है कि सरकार वन्य जीवों की रक्षा के लिए किसान को मुआवजा दे। हाई कोर्ट ने अपने फैसले में 200 अनार के पेड़ों के लिए 200 रुपए प्रति पेड़ के हिसाब से मुआवजा देने का आदेश दिया है।

यह पूरा मामला महाराष्ट्र के वर्धा जिले के हिंगी गांव का है। यहां अनार की खेती करने वाले किसान महादेव डकाटे ने हाई कोर्ट में याचिका दायर की कि 2016 में उनकी अनार की फसल को पास के वन्य अभ्यारण्य में रहने वाले तोतों ने खराब कर दिया है।

महिला आरक्षण पर राहुल गांधी की DU की छात्राओं से बातचीत, बोले- जेन जी महिलाएं करेंगीं नेतृत्व

नई दिल्ली/ जीएनएस। लोकसभा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने रविवार को दिल्ली विश्वविद्यालय की छात्राओं के साथ बातचीत की। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए उन्होंने लिखा कि देश का भविष्य सुरक्षित हाथों में है। आने वाले वक्त में जेन जी महिलाएं ही देश का नेतृत्व करेंगी। यह हमारा कर्तव्य है कि हम उनके लिए रास्ता खोलें।

कांग्रेस नेता की ऑफिशियल हैंडल से शेयर किए गए इस वीडियो में दिल्ली विश्वविद्यालय की छात्राएं और गार्गी कॉलेज की छात्राएं भी मौजूद थीं। इस वीडियो में राहुल गांधी इन सभी छात्राओं के साथ बातचीत करते नजर आए। सबसे पहले हाल ही में गार्गी कॉलेज में हुए विवाद पर चर्चा हुई। जहां पर छात्राओं ने कांग्रेस नेता के सामने अपनी बात रखीं और इस मुद्दे पर उनके विचार भी जानें। इस दौरान एक छात्रा ने कहा कि वह सभी उनको (राहुल गांधी को) देश का प्रधानमंत्री बनते हुए देखना चाहती हैं। इस बात पर राहुल गांधी मुस्कुराते हुए बोले कि आखिर पीएम को लेकर इतना लगाव क्यों है।

इसके बाद एक छात्रा ने पूछा कि केंद्र सरकार ने महिला आरक्षण बिल को लेकर पूरे विपक्ष को महिला विरोधी साबित करने की कोशिश की है। इस पर उनकी क्या राय है।

कश्मीर से लोकल आतंकियों का सफाया, बाहरी अब भी मौजूद; भर्ती में भारी गिरावट

नई दिल्ली/ जीएनएस। जम्मू-कश्मीर में पिछले कुछ वर्षों में आतंकवाद के खिलाफ सुरक्षा बलों की रणनीति में व्यापक और निर्णायक बदलाव देखने को मिले हैं। बदलते हालात के अनुरूप अब सुरक्षा एजेंसियों ने अपने ऑपरेशन का फोकस शहरी इलाकों से हटाकर जंगलों और दुर्गम पहाड़ी क्षेत्रों की ओर केंद्रित कर दिया है। इसके साथ ही स्थानीय युवाओं की आतंकी संगठनों में भर्ती में भारी गिरावट दर्ज की गई है। यह सुरक्षा दृष्टि से एक महत्वपूर्ण संकेत है। एक अधिकारी ने कहा स्थानीय आतंकी न के बराबर हैं। इक्का-दुक्का भर्तियों की सूचना पर भी तुरंत नकेल कसी जाती है। हालांकि विदेशी आतंकियों की संख्या अब भी 65 के आसपास है।

यूपी में ही मिलेगा रोजगार! सीएम योगी ने 17 कंपनियों को दिया कंफर्ट लेटर, युवाओं के लिए सुनहरा मौका

लखनऊ/ जीएनएस। उत्तर प्रदेश अब सिर्फ बड़ा बाजार नहीं, बल्कि भरोसेमंद निवेश गंतव्य के रूप में तेजी से उभर रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को 17 फार्मा कंपनियों को लेटर ऑफ कंफर्ट (एलओसी) सौंपते हुए स्पष्ट कहा कि प्रदेश ÷सुरक्षा, स्थिरता और रफ्तार÷ की गारंटी देता है। उन्होंने निवेशकों को आश्वस्त किया कि उनका निवेश 25 करोड़ जनता के विश्वास से जुड़ा है और सरकार हर कदम पर उनके साथ खड़ी है।

पांच कालिदास मार्ग स्थित सरकारी आवास में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश की अर्थव्यवस्था नई ऊंचाइयों पर पहुंच रही है और भारत 200 से अधिक देशों को सस्ती व गुणवत्तापरक दवाएं उपलब्ध करा रहा है। ऐसे में उत्तर प्रदेश ग्लोबल हेल्थटेक मैप पर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रहा है। हाल में हुए फार्मा कान्क्लेव और करीब दो हजार करोड़ रुपये के निवेश से प्रदेश में न सिर्फ उद्योग को गति मिलेगी, बल्कि 10 हजार से अधिक युवाओं को रोजगार भी मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि 2017 के बाद बदली कानून व्यवस्था और स्पष्ट नीतियों ने यूपी को ÷बीमारू राज्य÷ की छवि से निकालकर देश के ग्रोथ इंजन में बदल दिया है। प्रदेश का जीएसडीपी बढ़कर 36 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है। 14 हजार से बढ़कर 32 हजार कारखाने होना और 45 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव मिलना इस बदलाव का प्रमाण है।

उन्होंने बताया कि प्रदेश में 34 से अधिक सेक्टोरल पालिसी, निवेश मित्र और उद्यमी मित्र जैसी व्यवस्थाएं उद्योगों के लिए अनुकूल माहौल बना रही हैं।

प्रदेश का 56 प्रतिशत युवा वर्कफोर्स, तेजी से बढ़ता स्टार्टअप इकोसिस्टम और पर्याप्त लैंडबैंक निवेशकों को आकर्षित कर रहा है। वर्तमान में 21 हजार से अधिक स्टार्टअप सक्रिय हैं। स्वास्थ्य क्षेत्र में भी प्रदेश ने बड़ी छलांग लगाई है। 2017 में जहां 40 मेडिकल कॉलेज थे, वहीं अब उनकी संख्या बढ़कर 83 हो गई है।

गोरखपुर और रायबरेली में एम्स संचालित हैं। ललितपुर में 1500 एकड़ में फार्मा पार्क विकसित किया जा रहा है। नोएडा में 350 एकड़ में मेडिकल डिवाइस पार्क विकसित कर रहे हैं।

थंथनिया कालीबाड़ी पहुंचे PM मोदी; 300 साल पुराना मां काली मंदिर, चढ़ाते हैं मांसाहारी प्रसाद

नई दिल्ली/ जीएनएस। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नॉर्थ कोलकाता में अपना रोड शो शुरू करने से पहले थंथनिया कालीबाड़ी में मां काली का आशीर्वाद लिया। थंथनिया कालीबाड़ी कोलकाता के सबसे प्राचीन और श्रद्धेय काली मंदिरों में से एक है। इसकी स्थापना वर्ष 1703 में हुई थी, यानी इसका इतिहास 300 साल से भी पुराना है। यह शहर के औपचारिक विकास से भी पहले का है। यहां मां काली की पूजा मां सिद्धेश्वरी के रूप में की जाती है और मंदिर की अधिष्ठात्री देवी को जाग्रत माना जाता है। मान्यता है कि रामकृष्ण परमहंस अक्सर इस मंदिर में आते थे और मां सिद्धेश्वरी के लिए भक्ति गीत गाया करते थे। उन्होंने यहां जो वाणी कही थी, उसे मंदिर की दीवारों पर अंकित किया गया है, जैसे कि शंकर के हृदय में मां काली विराजमान हैं।

यह भारत के उन चुनिंदा काली मंदिरों में से एक है, जहां देवी को मांसाहारी प्रसाद अर्पित किया जाता है। इस परंपरा की शुरुआत भी रामकृष्ण परमहंस ने ही की थी। कहा जाता है कि उन्होंने डाब-चिंगरी (नारियल और झींगा) का भोग लगाकर मां सिद्धेश्वरी से केशव चंद्र सेन के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की थी। उस दिन के बाद से मंदिर में मांसाहारी प्रसाद चढ़ाने की परंपरा चली आ रही है। जब रामकृष्ण देव श्यामापुकुर में बीमार पड़े थे, तब उनके अनुयायियों ने मां सिद्धेश्वरी से उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हुए इसी मंदिर में मांसाहारी प्रसाद अर्पित कर प्रार्थना की थी।

थंथनिया कालीबाड़ी में सालभर भक्तों की भीड़ लगी रहती है, लेकिन विशेष अवसरों पर यहां अलग ही माहौल देखने को मिलता है।

यूपीएससी में 56वीं रैंक हासिल करने पर समीक्षा द्विवेदी का विंध्य गौरव सम्मान से अभिनंदन

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की प्रतिष्ठित परीक्षा में ऑल इंडिया 56वीं रैंक हासिल कर भारतीय प्रशासनिक सेवा में चयनित हुई समीक्षा द्विवेदी सम्मान और प्रेरणा की मिसाल बनकर उभरी हैं। सामाजिक संस्था विंध्याचल सोशल ग्रुप द्वारा आयोजित एक गरिमामय समारोह में उन्हें ÷विंध्य गौरव सम्मान÷ से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर उनकी इस उपलब्धि पर शुभकामनाएं दीं और उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

ग्रुप के अध्यक्ष आर.पी. शर्मा, सचिव दिलीप मिश्रा और मीडिया प्रभारी डॉ. आर.एन. मिश्रा ने बताया कि समीक्षा द्विवेदी मूलतः रीवा संभाग के मऊगंज जिले की निवासी हैं और वर्तमान में इंदौर को अपनी कर्मभूमि बना रही हैं। उनके पिता श्रीनिवास द्विवेदी, जो पॉल्यूशन बोर्ड में अधिकारी हैं, विंध्याचल सोशल ग्रुप से लंबे समय से जुड़े हुए हैं। समीक्षा की इस सफलता ने पूरे विंध्य परिवार को गौरवान्वित किया है।

सम्मान समारोह में समीक्षा द्विवेदी ने अपने उद्बोधन में कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के दौरान कभी भी घबराना नहीं चाहिए। जीवन में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं, लेकिन लक्ष्य के प्रति अटल रहना ही सफलता की कुंजी है। उन्होंने कहा कि निरंतर मेहनत, अनुशासन और सकारात्मक सोच से ही बड़े लक्ष्य हासिल किए जा सकते हैं।

उनकी माता श्रीमती सुनीता द्विवेदी और पिता श्रीनिवास द्विवेदी ने भी अपने विचार साझा करते हुए कहा कि बच्चों के प्रयासों के दौरान परिवार का सहयोग और उत्साहवर्धन बेहद जरूरी होता है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि बच्चों को मानसिक दबाव से दूर रखते हुए उनका मनोबल बनाए रखना चाहिए, ताकि वे बिना किसी तनाव के अपनी तैयारी जारी रख सकें।

कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं ने यूपीएससी जैसी कठिन परीक्षा की तैयारी के दौरान आने वाली चुनौतियों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि विस्तृत पाठ्यक्रम, सीमित समय और कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच विद्यार्थियों को समय प्रबंधन, सीमित और विश्वसनीय अध्ययन सामग्री का चयन तथा निरंतर अभ्यास पर विशेष ध्यान देना चाहिए। उत्तर लेखन और मॉक टेस्ट के माध्यम से आत्मविश्वास बढ़ाना भी सफलता के लिए महत्वपूर्ण है।

ग्रुप के अध्यक्ष आर.पी. शर्मा ने स्वागत भाषण में कहा कि यह पूरे विंध्य समाज के लिए गर्व का क्षण है कि उनके बीच की एक बेटी ने आईएएस बनकर समाज का नाम रोशन किया है। उन्होंने कहा कि सफलता के लिए केवल कठिन परिश्रम ही नहीं, बल्कि स्मार्ट स्टडी भी उतनी ही आवश्यक है।

कार्यक्रम का संचालन रामशंकर तिवारी ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन कोषाध्यक्ष विवेक तिवारी ने किया। इस अवसर पर डीसीपी क्राइम एवं ट्रैफिक प्रभारी राजेश त्रिपाठी, पूर्व प्रोफेसर ओ.पी. भाटिया, पूर्व फूड ऑफिसर एस.एन. मिश्रा, एमजीएम मेडिकल कॉलेज के प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष डॉ. अरविंद शुक्ला सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं सैकड़ों समाजजन उपस्थित रहे।

एकत्व का भाव ही हिन्दुत्व, समाज को सहभागी बनकर आगे आना होगा: सुनील आम्बेकर

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आम्बेकर ने कहा कि हिन्दुत्व का मूल भाव एकत्व है, जो समाज को जोड़ने का कार्य करता है, न कि विभाजित करने का। उन्होंने कहा कि भारत की पहचान ही हिन्दुत्व से है, इसलिए भारत एक हिन्दू राष्ट्र है। संघ का उद्देश्य हमेशा से अच्छा समाज और महान राष्ट्र का निर्माण रहा है और अब समय आ गया है कि समाज केवल सहयोगी नहीं बल्कि सहभागी बनकर इस कार्य में आगे आए।

विजय नगर स्थित जीएसआईएमआर में आयोजित लेखन श्रेणी की प्रमुख जन गोष्ठी में शहर के संपादकों, पत्रकारों, स्तंभ लेखकों, साहित्यकारों और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि संघ के सौ वर्षों की यात्रा समाज और राष्ट्र निर्माण को समर्पित रही है। एक छोटे समूह से शुरू हुआ संघ आज समाज के सहयोग से एक व्यापक स्वरूप में विकसित हुआ है, लेकिन इसके मूल उद्देश्य और आधार में कोई परिवर्तन नहीं आया है।

उन्होंने कहा कि हिन्दुत्व का अर्थ सभी को साथ लेकर चलना है। भारत की संस्कृति इसी एकत्व के भाव पर आधारित है और जो इस संस्कृति को मानता है, वह हिन्दू है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत की यात्रा ही हिन्दू समाज की यात्रा है और आज देश के साथ-साथ विश्व स्तर पर भी इस विचार को स्वीकार्यता मिल रही है। समाज में हो रहे सकारात्मक बदलाव, जैसे युवाओं की धार्मिक स्थलों पर बढ़ती भागीदारी और भारतीय संस्कृति के अनुरूप जीवनशैली अपनाना, इसी परिवर्तन के संकेत हैं।

एसजीएसआईटीएस में शैक्षणिक संस्थानों के संचालकों की गोष्ठी में उन्होंने संघ के पंच परिवर्तन–सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण, कुटुम्ब प्रबोधन, स्वदेशी आचरण और नागरिक कर्तव्य–पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि इन क्षेत्रों में समाज को सक्रिय भागीदारी निभानी होगी, तभी बड़े स्तर पर परिवर्तन संभव होगा। जातिगत भेदभाव समाप्त कर सामाजिक समरसता स्थापित करना और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी निभाना समय की आवश्यकता है।

10 वर्षों बाद इंदौर में आचार्य श्री का भव्य आगमन, नीलकंठ कॉलोनी में आज होगा मंगल प्रवेश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सकल जैन समाज के लिए इन दिनों अत्यंत हर्ष और श्रद्धा का माहौल बना हुआ है। आचार्य देवेश श्रीमद्विजय हितेशचंद्र सूरीश्वरजी म.सा. के 10 वर्षों बाद और आचार्य पद प्राप्ति के पश्चात प्रथम बार इंदौर आगमन से समाजजनों में विशेष उत्साह देखा जा रहा है। रविवार को जयंत धाम से पूज्य आचार्यश्री सहित ठाणा का भव्य नगर प्रवेश हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुजन शामिल हुए और भावपूर्ण स्वागत करते हुए दर्शन-वंदन का लाभ लिया।

इसी क्रम में सोमवार, 27 अप्रैल को नीलकंठ कॉलोनी क्षेत्र में भव्य मंगल प्रवेश का आयोजन किया जा रहा है। प्रातः 8 बजे शंकरगंज जिंसी चौराहा से सामैया प्रारंभ होगा, जो श्रद्धा और भक्ति के साथ श्री राज राजेंद्र लेखेंद्र आराधना भवन तक पहुंचेगा। इस दौरान पूरे मार्ग में धर्ममय वातावरण देखने को मिलेगा और श्रद्धालुजन उत्साहपूर्वक शामिल होंगे।

मंगल प्रवेश के इस विशेष अवसर पर आचार्यश्री के साथ मुनिराज श्री दिव्यचंद्रविजयजी म.सा., मुनिराज श्री पुष्पेंद्रविजयजी म.सा., मुनिराज श्री रूपेन्द्रविजयजी म.सा. एवं मुनिराज श्री वैराग्ययशविजयजी म.सा. का भी आगमन होगा। प्रातः 9 बजे आचार्यश्री के पावन प्रवचन होंगे, जिसके पश्चात नवकारसी का आयोजन रखा गया है।

पूरे आयोजन को लेकर क्षेत्र में धार्मिक उल्लास का वातावरण बना हुआ है और जैन समाज के लोगों में भारी उत्साह देखने को मिल रहा है। समाजजनों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर धर्मलाभ लेने की अपील की गई है।

अप्रैल-मई में करें जायद फसलों की बुवाई, लागत कम-लाभ अधिक : कृषि मंत्री श्री कंषाना

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर जायद सीजन में किसानों की आय बढ़ाने के लिए किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग ने विशेष कार्ययोजना तैयार की है। किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री श्री एदल सिंह कंषाना ने कहा है कि अप्रैल और मई माह में बोई जाने वाली फसलों से किसान कम समय और कम पानी में बेहतर मुनाफा ले सकते हैं।

अप्रैल-मई में बोई जाने वाली प्रमुख फसलें एवं कृषि सलाह- जायद सीजन में मूंग की विराट, शिखा, टीजेएम-3 एवं हम-16 किस्मों की बुवाई 15 मई तक की जा सकती है। बुवाई से पहले बीज को रायजोबियम एवं पीएसबी कल्चर से उपचारित करना लाभकारी रहता है और इस फसल में 4 से 5 सिंचाई पर्याप्त होती है। उड़द की इंदिरा उड़द-1, टी-9 एवं प्रताप उड़द-1 किस्मों को हल्की-दोमट मिट्टी में बोना चाहिए तथा खरपतवार नियंत्रण के लिए बुवाई के 25 दिन बाद निराई-गुड़ाई करना आवश्यक है। मक्का की जेएम-216, एचएम-4 तथा संकर किस्मों की बुवाई करने पर 5 से 6 सिंचाई की आवश्यकता होती है और बेबीकॉर्न के लिए 65 दिन में तुड़ाई कर किसान अतिरिक्त लाभ ले सकते हैं। सूरजमुखी की केबीएसएच-44 एवं डीआरएसएच-1 किस्में 3 से 4 सिंचाई में तैयार हो जाती हैं तथा परागण बढ़ाने के लिए खेत के पास मधुमक्खी पालन करने से उत्पादन 20 प्रतिशत तक बढ़ जाता है। सब्जी वर्ग में भिंडी, लौकी, करेला, तोरई की संकर किस्में लगाना चाहिए और पानी की बचत के लिए ड्रिप सिंचाई व मल्चिंग अपनाना चाहिए। स्थानीय बाजार की मांग के अनुसार ही फसल का चयन करना बेहतर रहता है। पशुपालक किसान चारे के लिए मक्का की अफ्रीकन टॉल एवं ज्वार की एमपी चरी किस्म बो सकते हैं। ये फसलें 45 दिन में हरा चारा उपलब्ध करा देती हैं और चारा बीज पर शासन द्वारा 75 प्रतिशत अनुदान भी दिया जा रहा है।

शासन द्वारा दी जा रही प्रमुख सुविधाएं- जायद फसलों को बढ़ावा देने के लिए मूंग-उड़द के प्रमाणित बीज पर 50 प्रतिशत अनुदान दिया जा रहा है और प्रदेश में इस सीजन के लिए पर्याप्त मात्रा में बीज भंडारित किया गया है। रायजोबियम कल्चर सभी विकासखंडों में निःशुल्क उपलब्ध कराया जा रहा है। सिंचाई के लिए 'पर ड्रॉप-मोर क्रॉप' योजना में ड्रिप व स्प्रिंकलर पर 55 प्रतिशत तक अनुदान दिया जा रहा है तथा पात्र किसानों को सोलर पंप 90 प्रतिशत तक अनुदान पर उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

कृषि यंत्रीकरण को बढ़ावा देने के लिये रोटावेटर, कल्टीवेटर, बीज-उर्वरक ड्रिल पर 40 से 50 प्रतिशत अनुदान है और प्रदेश में स्थापित 2,500 कस्टम हायरिंग सेंटर से किसान किराये पर मशीनें ले सकते हैं। तकनीकी मार्गदर्शन के लिए हर विकासखंड में 'कृषि चौपाल' व 'किसान पाठशाला' के माध्यम से विशेषज्ञ सलाह दी जा रही है तथा 'एमपी किसान ऐप' पर मौसम आधारित सलाह व मंडी भाव की जानकारी तुरंत मिल रही है। विपणन के लिए 'मध्यप्रदेश राज्य सहकारी विपणन संघ' द्वारा मूंग एवं उड़द का उपार्जन न्यूनतम समर्थन मूल्य पर किया जाएगा। एफपीओ के माध्यम से किसानों को सीधा बाजार लिंकेज दिया जा रहा है।

ढाई साल की बच्ची की मौत, खेलते-खेलते पहली मंजिल से गिरी

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। घरों की बनावट के समय बरती गई लापरवाही मासूमों की मौत की वजह बन रही है। छह माह में शहर में पाँच बच्चों की गैलरी के बीच छोड़ी गई गैप से गिरने के कारण मौत हो गई। द्वारकापुरी में भी इस तरह की घटना हो गई। ढाई साल की बच्ची पहली मंजिल की गैलरी से गिर गई। मासूम बच्ची मुस्कान दशोरे अपने दादा-दादी के यहाँ आई थी और खेलते-खेलते वह गैलरी में चली गई। परिवार के लोग बातें करने में मशगूल थे और मुस्कान गैलरी से गिर पड़ी। वह इकलौती संतान थी। मुस्कान के पिता नरेंद्र पीथमपुर की कंपनी में काम करते हैं। वे दो दिन के लिए अपने माता-पिता से मिलने बेटी और पत्नी को लेकर आए थे। मुस्कान गैलरी की तरफ जाकर खेलने लगी और फिर वह रेलिंग के बीच से झाँकने लगी। इस दौरान उसका संतुलन बिगड़ा और वह पहली मंजिल से सिर के बल जमीन पर जा गिरी।

लोगों ने उसे गिरते हुए देखा तो परिजनों को जानकारी दी। पिता नरेंद्र मुस्कान को निजी अस्पताल ले गए, लेकिन सिर पर गंभीर चोट के कारण उसे भर्ती नहीं किया गया और दूसरे अस्पताल में भेज दिया गया। अस्पताल ले जाते समय मुस्कान ने दम तोड़ दिया। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुँची और परिजनों के बयान लिए। इसके बाद पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है। पुलिस इसे हादसा मानकर जांच कर रही है।

मंत्री श्री सिलावट ने नागालैंड के राज्यपाल से की सौजन्य भेंट

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नागालैंड राज्य के राज्यपाल श्री नंद किशोर यादव के इंदौर प्रवास के दौरान प्रदेश के जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने आज रेसीडेंसी कोठी में उनसे सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर मंत्री श्री सिलावट ने राज्यपाल श्री यादव का पुष्पगुच्छ भेंट कर आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया। भेंट के दौरान विभिन्न समसामयिक विषयों पर सार्थक चर्चा हुई। मंत्री श्री सिलावट ने राज्यपाल श्री यादव को इंदौर एवं मध्यप्रदेश में हो रहे विकास कार्यों, विशेषकर जल संसाधन प्रबंधन, सिंचाई परियोजनाओं एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने प्रदेश में जल संरक्षण एवं संवर्धन के लिए किए जा रहे प्रयासों का भी विस्तृत उल्लेख किया। मंत्री श्री सिलावट ने राज्यपाल श्री यादव के अनुभवों एवं मार्गदर्शन को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि ऐसे अवसरों पर विचारों का आदान-प्रदान प्रदेश के समग्र विकास में सहायक सिद्ध होता है।

मंत्री श्री सिलावट ने 'मन की बात' का श्रवण किया

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश के जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने रविवार को इंदौर स्थित रेसीडेंसी कोठी में देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 133वें संस्करण का श्रवण किया। मंत्री श्री सिलावट ने कहा कि 'मन की बात' केवल एक रेडियो कार्यक्रम नहीं, बल्कि देशवासियों को जोड़ने वाला एक प्रभावी संवाद मंच है।

इंदौर में ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा गिरोह का पर्दाफाश, 5 आरोपी गिरफ्तार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में अवैधानिक गतिविधियों पर नियंत्रण के तहत पुलिस थाना लसूड़िया ने बड़ी कार्रवाई करते हुए ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा संचालित करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने इस मामले में पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से तीन मोबाइल फोन और एक कार जब्त की है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 25 अप्रैल 2026 को सूचना प्राप्त हुई थी कि निपानिया स्थित डी-मार्ट के पास गुलमोहर कॉलोनी मेन रोड पर कुछ लोग कार में बैठकर मोबाइल के माध्यम से आईपीएल क्रिकेट मैच पर ऑनलाइन सट्टा चला रहे हैं। सूचना पर तत्काल कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की, जहां एक कार में बैठे तीन संदिग्ध व्यक्ति ऑनलाइन प्लेटफॉर्म ड्रीम/एक्सचेंज साइट के माध्यम से सट्टा संचालित करते पाए गए।

पुलिस ने तीनों आरोपियों को मौके से गिरफ्तार कर उनके पास से तीन मोबाइल फोन जब्त किए, जिनमें सट्टे से संबंधित एप, आईडी और लेन-देन का पूरा हिसाब मिला। साथ ही घटनास्थल से प्रयुक्त कार को भी जब्त किया गया। आरोपियों के खिलाफ थाना लसूड़िया में अपराध क्रमांक 642/2026 के तहत धारा 3/4 मध्यप्रदेश जुआ अधिनियम 1976 के अंतर्गत प्रकरण दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

पूछताछ के दौरान आरोपियों ने खुलासा किया कि अनुराग और करण नामक युवकों द्वारा उन्हें बैंक खाते उपलब्ध कराए गए थे, जिनके माध्यम से सट्टे का लेन-देन किया जाता था। पुलिस ने जांच के बाद दोनों को भी आरोपी बनाते हुए गिरफ्तार कर लिया है। इस प्रकार कुल पांच आरोपियों की गिरफ्तारी की गई है और मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई जारी है।

गिरफ्तार आरोपियों में मोहम्मद सिकंदर और मोहम्मद सुल्तान निवासी सहारा स्टेट न्यू मल्हार भोजपुर रोड भोपाल, अपूर्व यादव निवासी निपानिया इंदौर, अनुराग ग्वेल निवासी अवधपुरी भोपाल तथा करण बलोदी निवासी रेलवे कॉलोनी निषादपुर भोपाल शामिल हैं। पुलिस मामले की विस्तृत जांच कर रही है और गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की तलाश भी जारी है।

लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़ी धमकी मामले में आरोपी का साथी गिरफ्तार, क्राइम ब्रांच की बड़ी कार्रवाई

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में लॉरेंस बिश्नोई गैंग के नाम पर दी जा रही धमकियों के मामलों को गंभीरता से लेते हुए क्राइम ब्रांच इंदौर ने एक और अहम कार्रवाई की है। पुलिस ने बिल्डर विवेक दम्मानी को धमकी देने वाले प्रकरण में मुख्य आरोपी राजपाल के साथी सोनू उर्फ रितेश खंगार को गिरफ्तार किया है, जो इस पूरे मामले में सहयोग कर रहा था।

पुलिस आयुक्त के निर्देश पर गठित एसआईटी टीम द्वारा लगातार गोपनीय सूचना संकलन कर ऐसे मामलों में शामिल बदमाशों पर नजर रखी जा रही है। इसी क्रम में क्राइम ब्रांच की टीम ने जांच के दौरान पाया कि इंदौर निवासी सोनू उर्फ रितेश ने नागदा निवासी आरोपी राजपाल चंद्रावत को फरियादी विवेक दम्मानी के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी उपलब्ध कराई थी। इसके आधार पर पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी सोनू ने स्वीकार किया कि उसने अवैध लाभ कमाने की नीयत से राजपाल को जानकारी दी थी और घर के बाहर गोली चलाने जैसी वारदात की योजना में भी सहयोग कर रहा था। हालांकि पुलिस की सक्रियता के चलते आरोपियों को वारदात से पहले ही पकड़ लिया गया।

इस मामले में थाना अपराध शाखा में अपराध क्रमांक 0048/2026 के तहत धारा 308(5) और 351(4) बीएनएस में प्रकरण दर्ज कर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस दोनों आरोपियों से पूछताछ कर रही है और मामले से जुड़े अन्य लोगों की तलाश भी जारी है।

गौरतलब है कि आरोपी सोनू उर्फ रितेश पहले से ही अपराधिक प्रवृत्ति का रहा है और उसके खिलाफ मारपीट, हत्या के प्रयास, चाकूबाजी, बलवा, घर में घुसकर मारपीट और बलात्कार जैसे गंभीर मामलों में कई अपराध दर्ज हैं। क्राइम ब्रांच द्वारा इस तरह के मामलों में लगातार कार्रवाई कर शहर में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के प्रयास किए जा रहे हैं।

इंदौर में जल संरक्षण की नई पहल, 35 हाइड्रेंट से मिलेगा उपचारित जल

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में जल संरक्षण और संवर्धन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नगर निगम ने उपचारित (ट्रीटेड) जल के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण पहल शुरू की है। महापौर पुष्यमित्र भार्गव एवं आयुक्त क्षितिज सिंघल ने सभी भवन अधिकारियों, भवन निरीक्षकों और जोनल अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि शहर में स्थापित हाइड्रेंट के माध्यम से उपचारित जल का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित किया जाए।

नगर निगम द्वारा स्पष्ट किया गया है कि शहर में संचालित सभी निर्माण कार्यों, ऑटोमोबाइल सर्विस सेंटरों और उद्यानों में अब उपचारित जल का उपयोग अनिवार्य रूप से किया जाए। इसके साथ ही निजी व्यक्ति और संस्थाएं भी अपने संबंधित जोनल कार्यालय में निर्धारित शुल्क जमा कर इस पानी को प्राप्त कर सकते हैं और इसका उपयोग निर्माण, वाहन धुलाई तथा बागवानी जैसे कार्यों में कर सकते हैं।

शहर के 8 जोनल कार्यालयों–सुखलिया, सुभाष नगर, स्कीम नंबर 54, विजय नगर, नेहरू स्टेडियम, बिलावली, हवा बंगला और स्कीम नंबर 94–पर यह सुविधा उपलब्ध कराई गई है, जहां शुल्क जमा कर ट्रीटेड पानी लिया जा सकता है। नगर निगम ने नागरिकों से अपील की है कि वे जल संरक्षण के इस प्रयास में सहयोग करें और बोरिंग या नर्मदा जल के स्थान पर उपचारित जल का उपयोग करें।

आयुक्त ने यह भी निर्देशित किया है कि निर्माण कार्यों और ऑटोमोबाइल सर्विस से जुड़ी गतिविधियों में बोरिंग या नर्मदा जल का उपयोग न किया जाए, अन्यथा नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। इस व्यवस्था को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए नगर निगम द्वारा विभिन्न सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट्स के माध्यम से उपचारित जल उपलब्ध कराया जा रहा है, जिनमें मेघदूत, प्रतिक सेतु, बिजलपुर, नहर भंडारा, प्राणी संग्रहालय और राधा स्वामी एसटीपी प्रमुख हैं। नगर निगम ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में कुल 35 स्थानों पर ट्रीटेड वॉटर हाइड्रेंट स्थापित किए हैं। इनमें बापट चौराहा, आनंद मोहन माथुर सभागृह, स्कीम नंबर 54, नंदा नगर, विजय नगर, रिजनल पार्क, नेहरू स्टेडियम और नेमावर रोड सहित कई प्रमुख स्थान शामिल हैं।

व्हाट्सएप रिकॉर्डिंग वायरल करने की धमकी देकर वसूली का प्रयास, दो आरोपी गिरफ्तार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। व्हाट्सएप के माध्यम से कॉल रिकॉर्डिंग वायरल करने की धमकी देकर पैसे मांगने वाले दो आरोपियों को थाना लसूड़िया पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों द्वारा फरियादी पर लगभग 80 हजार रुपये देने का दबाव बनाया जा रहा था और लगातार धमकाकर मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा था।

पुलिस के अनुसार समर पार्क कॉलोनी निवासी फरियादी आयुष त्रिवेदी ने थाना लसूड़िया में शिकायत दर्ज कराई थी। उसने बताया कि उसके पिता के यहां वर्ष 2019 में अजय उर्फ कालू भिलाला ड्राइवर के रूप में काम करता था, जिससे उनकी अच्छी जान-पहचान हो गई थी। 20 अप्रैल 2026 को फरियादी के व्हाट्सएप पर अक्षत दुबे नामक व्यक्ति का मैसेज आया, जिसमें एक कॉल रिकॉर्डिंग भेजी गई थी। यह रिकॉर्डिंग 19 अप्रैल को अजय भिलाला द्वारा फरियादी के पिता से फोन पर बातचीत के दौरान की गई थी।

शिकायत के अनुसार अक्षत दुबे ने लगातार कॉल कर 80 हजार रुपये की मांग की और पैसे नहीं देने पर रिकॉर्डिंग वायरल करने की धमकी दी। पूछताछ में अक्षत ने बताया कि उसे यह रिकॉर्डिंग अजय भिलाला उर्फ कालू ने उपलब्ध कराई थी। दोनों आरोपी मिलकर फरियादी को डराकर अवैध रूप से पैसे वसूलने का प्रयास कर रहे थे।

मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना लसूड़िया पुलिस ने अपराध क्रमांक 635/2026 के तहत धारा 308(1) बीएनएस में प्रकरण दर्ज कर तत्काल कार्रवाई शुरू की। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में पुलिस टीम ने दोनों आरोपियों की पहचान कर उन्हें हिरासत में ले लिया।

जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने सांवेर विधानसभा की स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर समीक्षा बैठक ली

स्वास्थ्य सेवाओं के उन्नयन के लिये श्री सिलावट आगामी दिनों में उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल और प्रिंसिपल सेक्रेटरी से करेंगे मुलाक़ात

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने आज सांवेर विधानसभा की स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर रेसीडेंसी कोठी पर समीक्षा बैठक ली। बैठक में मंत्री श्री सिलावट ने सांवेर विधानसभा के अंतर्गत चल रहे विभिन्न अस्पतालों द्वारा दी जा रही स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। श्री सिलावट ने उज्जैन में आयोजित सिंहस्थ-2028 को दृष्टिगत रखते हुए सांवेर ब्लाक में प्रस्तावित नये कार्यों की सूची और योजनाओं पर चर्चा की। बैठक में मंत्री श्री सिलावट ने

कहा कि प्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशन में स्वास्थ्य सेवाओं में विस्तार किये जा रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि सांवेर विधानसभा के अंतर्गत आने वाले अस्पतालों में नागरिकों को बेहतर से बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान की जाये। प्रधानमंत्री आयुष्मान स्वास्थ्य योजना और आयुष योजनाओं का सभी को लाभ मिलें, यह भी सुनिश्चित किया जाये। सांवेर विधानसभा के अंतर्गत मांगलिया, क्षिप्रा, चन्द्रावतीगंज, पालिया, कुड़ाना, डकाच्या, सांवेर आदि के सभी अस्पतालों में चिकित्सक, पैरामेडिकल स्टाफ, नर्सेस, एएनएम आदि अपना काम ईमानदारी, गुणवत्ता और सेवाभाव से करें। सभी अस्पतालों में मरीजों के लिये पर्याप्त मात्रा में दवाईयां, इंजेक्शन आदि की व्यवस्था सुनिश्चित की जाये। अस्पताल में फर्निचर, शुद्ध पेयजल, साफ-सफाई, शौचालय आदि सभी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध रहे। सभी अस्पताल समय पर खुलें और डॉक्टर ड्यूटी पर तैनात रहें। मरीजों को बेहतर से बेहतर ईलाज मिले। बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. माधव प्रसाद हासानी, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के चिकित्सक एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

नाइपर अहमदाबाद के साथ करार: मंदसौर की औषधीय खेती को मिला वैश्विक मंच- डॉ दवे

तीन हर्बल उत्पादों पर रिसर्च, मानव परीक्षण शुरू; किसानों के लिए औषधीय फसलों में अपार संभावनाएं, पत्रकार वार्ता में साझा की जानकारी

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मालवांचल, विशेषकर मंदसौर और नीमच क्षेत्र में उगाई जाने वाली औषधीय फसलें अपनी उच्च गुणवत्ता के लिए देश-विदेश में पहचान बना रही हैं। इन्हीं संभावनाओं को विस्तार देने की दिशा में श्री दिव्यानंद हर्बल्स प्राइवेट लिमिटेड ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। कंपनी ने नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मासूटिकल एजुकेशन एन्ड रिसर्च (नाइपर अहमदाबाद) के साथ तीन हर्बल उत्पादों के विकास को लेकर करार किया है। इसे क्षेत्र के समग्र विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। यह जानकारी कंपनी के निदेशक डॉ. कपिलेश दवे और अनुसंधान सलाहकार डॉ. आशीष अग्रवाल ने पत्रकार वार्ता में दी। उन्होंने बताया कि यह समझौता व्यावसायिक उद्देश्य से अधिक वैज्ञानिक और वैश्विक स्तर पर हर्बल स्वास्थ्य सेवाओं के विकास को केंद्र में रखकर किया गया है।

डॉ. दवे ने बताया कि नाइपर अहमदाबाद के निदेशक प्रो. शैलेंद्र सर्राफ के नेतृत्व में दो उत्पाद विकसित किए गए हैं, जिनमें बवासीर रोग के उपचार पर शोध शामिल है। यह शोध डॉ. राकेश तिकोड़े की प्रयोगशाला में किया गया है, जिसमें पंडित रविशंकर शुक्ला यूनिवर्सिटी की प्रो. स्वर्णलता सराफ का मार्गदर्शन भी मिला है। तीसरा उत्पाद बच्चों में मोटापा एवं चयापचय संबंधी विकारों के समग्र प्रबंधन के लिए विकसित किया जा रहा है। इन उत्पादों पर क्लीनिकल स्टडी जारी है और मानव परीक्षण की प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है, जो लगभग एक वर्ष तक चलेगी। डॉ दवे ने बताया कि अनुबंध के तहत विकसित तकनीकों को प्रयोगशाला से बाजार तक पहुंचाने, उत्पाद विकास और व्यावहारिक उपयोग सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी श्री दिव्यानंद हर्बल्स निभाएगी। उत्पादों को दवा के बजाय फूड सप्लीमेंट के रूप में भी विकसित करने पर कार्य किया जा रहा है, ताकि आम व्यक्ति इन्हें आसानी से उपयोग कर सके। डॉ. दवे ने कहा कि अश्वगंधा, शतावरी, गुडमार, मेथीदाना और करेला जैसी फसलें भविष्य में किसानों की आर्थिक समृद्धि का आधार बन सकती हैं। उन्होंने बताया कि अफीम के अलावा अन्य औषधीय फसलों से भी अधिक आय अर्जित की जा सकती है। उन्होंने किसानों में जागरूकता की कमी को प्रमुख चुनौती बताते हुए कहा कि बाजार को लेकर उनकी शंकाएं दूर करने की आवश्यकता है। कंपनी द्वारा औद्योगिक अपशिष्ट से जैविक खाद तैयार कर किसानों को उपलब्ध कराने का प्रयास भी किया जा रहा है, जिससे जैविक खेती को बढ़ावा मिल सके।

डॉ. दवे ने बताया कि कंपनी का लक्ष्य वैश्विक मानकों के अनुरूप उत्पाद विकसित करना है, ताकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वीकार्यता मिल सके। उन्होंने कहा कि जर्मनी जैसे देशों में भी भारतीय हर्बल उत्पादों को स्वीकार किया जा रहा है और भविष्य में मंदसौर के उत्पादों को वैश्विक पहचान दिलाने का प्रयास जारी रहेगा। सवालों के जवाब में उन्होंने कहा कि आयुर्वेद में अपार संभावनाएं हैं, लेकिन इसे वैज्ञानिक अनुसंधान के साथ आगे बढ़ाने की जरूरत है। बिना मानकों के उपयोग से नुकसान भी हो सकता है, इसलिए आयुर्वेदिक उत्पादों के लिए शोधन और परीक्षण आवश्यक है। उन्होंने यह भी कहा कि आयुर्वेदिक विश्वविद्यालयों के माध्यम से मानकों के अनुरूप परीक्षण किए जाएंगे, जिससे उत्पादों की विश्वसनीयता और प्रभावशीलता सुनिश्चित हो सके। कंपनी की मार्केटिंग मैनेजर श्रीमती बबीता भट्ट द्वारा यूट्यूब चैनल के माध्यम से हर्बल और औषधीय खेती से जुड़े पॉडकास्ट प्रसारित किए जा रहे हैं, जिससे किसानों और आमजन में जागरूकता बढ़ाई जा रही है। अंत में डॉ. आशीष अग्रवाल ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह पहल मंदसौर को हर्बल रिसर्च और औषधीय उत्पादन के वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

दुपहिया वाहन से अवैध शराब तस्करी करते दो आरोपी गिरफ्तार

छिन्दवाडा/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हरेंद्र नारायन के निर्देशन एवं सहायक आबकारी आयुक्त श्री बी.आर.वैद्य के मार्गदर्शन में गत दिवस आबकारी वृत्त-1 छिंदवाड़ा द्वारा अवैध शराब के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान दोपहर में पातालेश्वर मंदिर रोड पर एक जुपिटर दुपहिया वाहन को रोककर तलाशी ली गई। तलाशी में वाहन के पायदान में रखे थैले से दो पॉलिथीन बैग में 15-15 लीटर कच्ची शराब, डिक्की से भी दो पॉलिथीन बैग में 15-15 लीटर कच्ची शराब तथा पीछे बैठे व्यक्ति के हाथ में रखी बोरी से 6 लीटर कच्ची शराब बरामद हुई। इस प्रकार कुल 66 लीटर अवैध हाथ भट्टी कच्ची शराब जब्त की गई।

सहायक आबकारी आयुक्त श्री बी.आर.वैद्य ने बताया कि मामले में आरोपी सुदेश धुर्वे निवासी मेंढकी थाना उमरेठ एवं दिनेश भलावी निवासी बारंगा थाना देहात को मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम की धारा 34(1) एवं 34(2) के तहत गिरफ्तार किया गया। न्यायालय के आदेश पर दोनों आरोपियों को 14 दिन की न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया है। प्रकरण में जब्त मदिरा का अनुमानित मूल्य लगभग 10,000 रुपये एवं जब्त वाहन की कीमत लगभग 1,00,000 रुपये आंकी गई है। इस कार्रवाई में सहायक जिला आबकारी अधिकारी श्री जी.एल. वैद्य, आबकारी आरक्षक श्री जितेंद्र सिंह धुर्वे, श्री राजकुमार सैयाम एवं श्री जगदीश डहरवल की महत्वपूर्ण भूमिका थी।

सांदीपनि विद्यालय मोहखेड़ में आदि गुरू शंकराचार्य जी के जीवन एवं दर्शन पर व्याख्यान माला सम्पन्न

छिन्दवाडा/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के विकासखंड मोहखेड़ में म.प्र. जन अभियान परिषद के माध्यम से सांदीपनि विद्यालय मोहखेड़ में समाज कार्य के छात्रों द्वारा आदि गुरू शंकराचार्य जी के जीवन एवं दर्शन पर व्याख्यान माला कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं आदि गुरू शंकराचार्य जी के चित्र पर माल्यार्पण के साथ किया गया। इस अवसर पर मेंटर्स एवं विद्यार्थियों ने उनके अद्वैत वेदांत दर्शन एवं भारतीय संस्कृति में उनके अमूल्य योगदान को स्मरण किया।

श्री कैलाश सोनेवार ने अपने उद्बोधन में कहा कि आदि गुरू शंकराचार्य जी ने भारत की आध्यात्मिक एकता को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने वेदों और उपनिषदों के ज्ञान को सरल रूप में जन-जन तक पहुंचाया। वहीं, श्री राजेश धारे ने अपने विचार व्यक्त करते हुए बताया कि आदि गुरू शंकराचार्य जी का जीवन हमें सत्य, ज्ञान और एकता का मार्ग दिखाता है। उनका अद्वैत सिद्धांत आज भी समाज को जोड़ने की प्रेरणा देता है।

कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित छात्र-छात्राओं ने आदि गुरू शंकराचार्य जी के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में सभी मेंटर्स एवं विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता रही। यह आयोजन समाज में आध्यात्मिक जागरूकता एवं भारतीय संस्कृति के प्रति सम्मान को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ।

छिंदवाड़ा में 55वीं क्षेत्रीय खेल प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ, क्रिकेट में रोमांचक मुकाबले

छिन्दवाडा/दैनिक मालवा हेराल्ड। 55वीं क्षेत्रीय खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ आज पीएमश्री केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक-1 छिंदवाड़ा में भव्य उद्घाटन समारोह के साथ किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जबलपुर क्षेत्रीय उपायुक्त श्री दिग्गराज मीना एवं सहायक आयुक्त श्री हीरालाल थे। इस अवसर पर पीएमश्री केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक-1 छिंदवाड़ा के प्राचार्य श्री हरिप्रसाद धारकर भी उपस्थित थे।

प्रतियोगिता के पहले दिन क्रिकेट मुकाबलों का आयोजन हुआ, जिसमें खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर दर्शकों का उत्साह बढ़ाया। अंडर-17 के मैच शुक्ला ग्राउंड में तथा अंडर-14 के मुकाबले पीजी ग्राउंड में खेले गए।

अंडर-14 वर्ग के पहले मुकाबले में केन्द्रीय विद्यालय सीएमएम जबलपुर और जीसीएफ क्रमांक-1 जबलपुर आमने-सामने हुए। केन्द्रीय विद्यालय सीएमएम जबलपुर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 10 ओवर में 68 रनों का लक्ष्य निर्धारित किया। जवाब में जीसीएफ क्रमांक-1 की टीम ने उत्कृष्ट बल्लेबाजी करते हुए लक्ष्य हासिल कर 9 विकेट से जीत दर्ज की। इस मैच में केन्द्रीय विद्यालय जीसीएफ के मयूर ने सर्वाधिक 23 रन बनाए।

वहीं अंडर-17 वर्ग का पहला मुकाबला शुक्ला ग्राउंड में केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक-1 छिंदवाड़ा और केन्द्रीय विद्यालय डिंडोरी के बीच खेला गया। टॉस जीतकर केवी डिंडोरी ने पहले क्षेत्ररक्षण का निर्णय लिया। केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक-1 छिंदवाड़ा ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 104 रनों का लक्ष्य रखा।

सांसद सुधीर गुप्ता ने जीतू पटवारी को लूडो खेलकर राजनीति करने की सलाह दी

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सांसद सुधीर गुप्ता ने कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी को लूडो खेलकर सक्रिय राजनीति करने की सलाह दी। सुधीर गुप्ता ने कांग्रेस नेता जीतू पटवारी पर तीखा कटाक्ष करते हुए कहा कि उन्हें राजनीति समझने से पहले लूडो खेलना सीख लेना चाहिए। सांसद गुप्ता ने तंज कसते हुए कहा कि जिस तरह लूडो में चाल चलने से पहले सोच-विचार करना पड़ता है, ठीक उसी तरह राजनीति में भी रणनीति और धैर्य जरूरी होता है। उनका कहना था कि बिना तैयारी और समझ के बयानबाजी करना केवल राजनीतिक अपरिपक्वता को दर्शाता है।

उन्होने 6 बिन्दुओं पर जीतू पटवारी को सलाह दी - दिमाग की सक्रियता - सांसद का तंज, सक्रिय दिमाग का असली उपयोग संसद में सवाल पूछने में दिखता है, न कि पोस्टर बनाने में। 2. रणनीति बनाने की क्षमता - रणनीति पासे से नहीं, जनता के विश्वास से बनती है। 3. तनाव कम करना - जनता के मुद्दे हल होंगे तो तनाव खुद कम होगा, खेल से नहीं। 4. सामाजिक जुड़ाव - सामाजिक जुड़ाव जमीन पर काम करने से बनता है, सोशल मीडिया से नहीं। 5. धैर्य और नियंत्रण - धैर्य वही दिखाता है जो लगातार जनता के बीच रहकर काम करता है। 6.गणना और ध्यान - गणना सवालों की होनी चाहिएकृकितने मुद्दे उठाए, कितने हल हुए। उन्होंने आगे कहा कि जनता अब भावनात्मक और बिना तथ्यों वाली राजनीति को स्वीकार नहीं करती। लूडो में भी अगर बिना सोचे चाल चलेंगे तो गोटी कट जाती है, और राजनीति में भी जल्दबाजी वही परिणाम देती है, इस टिप्पणी के जरिए उन्होंने पटवारी की हालिया बयानबाजी पर सवाल खड़े किए। ज्ञात रहे कि जीतू पटवारी द्वारा सोशल मिडिया पर मप्र के सांसदो को लेकर ट्वीट किया था जिसके बाद सांसद सुधीर गुप्ता ने इस पर जीतू पटवारी को लूडो खेलकर राजनीति की सलाह दी है। वहीं संसद के हालिया सत्र में 231 सवाल पूछकर सुधीर गुप्ता मध्य प्रदेश के सबसे सक्रिय सांसद बनकर उभरे हैं। यह उपलब्धि उनके कामकाज की गंभीरता और जनता के मुद्दों के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

आदि गुरु शंकराचार्य जयंती पर व्याख्यान कार्यक्रम आयोजित

छिन्दवाडा/दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद, जिला छिंदवाड़ा द्वारा जनपद पंचायत सभागार में आज आदि गुरु शंकराचार्य जी की जयंती के अवसर पर व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अतिथि वक्ता के रूप में वरिष्ठ साहित्यकार श्री सुरेन्द्र वर्मा, प्रसिद्ध दंत चिकित्सक एवं समाजसेवी डॉ. हितेश मिश्रा, जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक श्री अखिलेश जैन तथा समाजसेवी श्री विनोद तिवारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा आदि गुरु शंकराचार्य जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया।

स्वागत उद्बोधन में जिला समन्वयक श्री अखिलेश जैन ने अतिथियों का स्वागत एवं परिचय कराते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि आदि गुरु शंकराचार्य जयंती के उपलक्ष्य में उनके राष्ट्र निर्माण में योगदान, व्यक्तित्व एवं कृतित्व से समाज को अवगत कराने के लिये जिले में 22 से 30 अप्रैल 2026 तक 51 स्थानों पर जिला स्तरीय व्याख्यानमाला का आयोजन किया जा रहा है, जिसके तहत यह कार्यक्रम आयोजित किया गया।

प्रमुख वक्ता श्री सुरेन्द्र वर्मा ने कहा कि आदि गुरु शंकराचार्य ने संपूर्ण भारत का भ्रमण कर वैदिक सनातन धर्म की पुनर्स्थापना की। वे सनातन धर्म के पुनरुद्धारक, चारों वेदों पर आधारित शैक्षिक व्यवस्था के प्रणेता एवं सर्वशास्त्रार्थ विजेता थे। उन्होंने भारत को एक सूत्र में पिरोने का कार्य किया तथा चारों दिशाओं में चार मठों की स्थापना कर समाज में एकता स्थापित की।

कार्यक्रम में शंकराचार्य जी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए बताया गया कि उन्होंने अल्पायु में ही गृह त्याग कर समाज को एकजुट करने का कार्य किया। वर्तमान समय में भी समाज को जाति एवं वर्ग भेद मिटाकर राष्ट्र सर्वोपरि की भावना से कार्य करने की आवश्यकता है। डॉ. हितेश मिश्रा ने अपने उद्बोधन में कहा कि आदि शंकराचार्य अद्वैतवाद के प्रबल प्रवर्तक थे और उनका विश्वास मानव एकता एवं भाईचारे पर आधारित था।

पिपलिया में ताले तोड़कर दुकान में घुसने की कोशिश, सेंट्रल लॉक ने बचाया लाखों का सामान

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पिपलिया नगर में चोरों के हौसले लगातार बुलंद होते नजर आ रहे हैं। शनिवार-रविवार की दरमियानी रात अज्ञात बदमाशों ने भाचावत मार्केट स्थित इलेक्ट्रॉनिक व्यवसायी गोपाल कनेसरिया की दुकान को निशाना बनाया। बदमाशों ने दुकान के बाहर लगे ताले तोड़ दिए और अंदर घुसने का प्रयास किया, लेकिन दुकान में लगे सेंट्रल लॉक सिस्टम के कारण वे शटर खोलने में सफल नहीं हो सके।

जानकारी के अनुसार, देर रात हुई इस घटना में चोरों ने पूरी तैयारी के साथ वारदात को अंजाम देने की कोशिश की, लेकिन मजबूत सुरक्षा व्यवस्था के चलते उन्हें खाली हाथ ही लौटना पड़ा। यदि सेंट्रल लॉक नहीं होता, तो दुकान में रखे लाखों रुपए के इलेक्ट्रॉनिक सामान पर हाथ साफ हो सकता था। सुबह जब दुकानदार गोपाल कनेसरिया दुकान खोलने पहुंचे, तो ताले टूटे देखकर घटना की जानकारी मिली। हालांकि चोरी नहीं होने के कारण उन्होंने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज नहीं कराई। नगर में लगातार बढ़ रही चोरी और चोरी के प्रयासों की घटनाओं से व्यापारियों में चिंता का माहौल है। व्यापारियों ने पुलिस प्रशासन से रात्रि गश्त बढ़ाने और सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सख्त करने की मांग की है, ताकि इस प्रकार की घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके। गौरतलब है कि दो दिन पूर्व भी मुख्य मनासा मार्ग पर इसी तरह ताले तोड़ने की घटना सामने आई थी, लेकिन वहां भी सेंट्रल लॉक सिस्टम के चलते चोर वारदात को अंजाम देने में नाकाम रहे थे। खास बात यह है कि जिस दुकान को निशाना बनाया गया, उसके सामने ही पुलिस का गश्ती पॉइंट मौजूद है, इसके बावजूद इस तरह की घटना होना सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े करता है।

सीधी में कलेक्टर का निरीक्षण, चेक डैम से स्वास्थ्य सेवाओं तक व्यवस्थाओं की समीक्षा विकास कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं: कलेक्टर

सीधी/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री विकास मिश्रा ने रविवार को जनपद पंचायत सीधी अंतर्गत विभिन्न ग्राम पंचायतों का सघन भ्रमण कर विकास कार्यों एवं शासकीय योजनाओं की प्रगति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने गुणवत्ता, समय-सीमा और योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष जोर दिया, वहीं लापरवाही पर सख्त नाराजगी भी व्यक्त की।

खेत तालाब से आय वृद्धि के उपाय बताए - ग्राम पंचायत पनवार बघेलान में श्री नारायण सिंह के खेत तालाब का निरीक्षण करते हुए कलेक्टर ने मत्स्य विभाग की मदद से वैज्ञानिक पद्धति से मछली पालन करने की सलाह दी। साथ ही कृषि विभाग के सहयोग से तालाब की मेढ़ की साफ-सफाई, अरहर की फसल लगाने तथा पशु चिकित्सा विभाग के माध्यम से ऋण स्वीकृत कराकर दुधारू पशु क्रय करने के लिए हितग्राही को प्रेरित किया, ताकि उनकी आय में वृद्धि हो सके।

जल संरक्षण संरचनाओं के रखरखाव पर जोर - ग्राम पंचायत पनवार चौहान टोला में निर्मित चेक डैम का निरीक्षण करते हुए कलेक्टर ने 'जल गंगा संवर्धन अभियान' के अंतर्गत साफ-सफाई बनाए रखने एवं नियमित अनुरक्षण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, जिससे जल संरक्षण के प्रयासों का बेहतर परिणाम मिल सके।

आवास एवं सामुदायिक भवन निर्माण की गुणवत्ता पर फोकस - ग्राम पंचायत झगरहा में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत निर्माणाधीन आवास का निरीक्षण करते हुए कलेक्टर ने हितग्राही को निर्माण कार्य की गुणवत्ता बनाए रखने के निर्देश दिए। साथ ही निर्माणाधीन सामुदायिक भवन का निरीक्षण कर सरपंच श्रीमती निशा पाण्डेय को स्वयं पहल कर गुणवत्तापूर्ण निर्माण सुनिश्चित कराने तथा तकनीकी अमले को निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

पंचायत भवन के उत्कृष्ट निर्माण पर सराहना - ग्राम पंचायत झगरहा में नवनिर्मित पंचायत भवन का निरीक्षण कर कलेक्टर ने गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य के लिए सरपंच की सराहना की और इसे अन्य पंचायतों के लिए प्रेरणास्रोत बताया।

स्वास्थ्य केंद्र में अनुपस्थिति पर जताई नाराजगी - सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सेमरिया के निरीक्षण के दौरान चिकित्सकों एवं स्टाफ की अनुपस्थिति पर कलेक्टर ने गहरी अप्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं में लापरवाही पर सख्त नाराजगी जताते हुए संबंधित अधिकारियों को व्यवस्था में तत्काल सुधार लाने, नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने एवं मरीजों को समय पर बेहतर उपचार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत चंदूलाल पनिका, सहायक यंत्री रामाश्रय पटेल, राजस्व निरीक्षक महेश कुमार शुक्ला एवं उपयंत्री श्रीमती पूजा सिंह सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

जवाहर नवोदय विद्यालय चुरहट में जल पखवाड़ा का आयोजन, छात्र-छात्राओं ने दिया जल संरक्षण का संदेश

सीधी/दैनिक मालवा हेराल्ड। पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय चुरहट में भारत सरकार के जल शक्ति मिशन के अंतर्गत 16 अप्रैल से 30 अप्रैल तक जल पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य ÷जल ही जीवन है÷ के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना एवं सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से जल संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।

विद्यालय के प्राचार्य डॉ. डी.के. त्रिपाठी ने बताया कि इस पखवाड़े के तहत छात्रों को वर्षा जल संचयन, शुद्ध पेयजल का महत्व तथा पानी की प्रत्येक बूंद के संरक्षण के प्रति जागरूक किया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान श्री सतीश रहाटे द्वारा विद्यार्थियों को जल संरक्षण की शपथ दिलाई गई।

अकादमिक इंचार्ज श्री रुपेश चौधरी ने शुद्ध पेयजल के महत्व पर प्रकाश डाला, वहीं सीसीए इंचार्ज श्री आर.पी. पटेल ने गीत के माध्यम से जल संरक्षण का संदेश दिया। छात्रा प्रियंका पटेल ने ओजस्वी भाषण प्रस्तुत कर जल की महत्ता को रेखांकित किया, जबकि सुधीर सरोज ने ÷मैं पानी की बूंद हूं÷ कविता के माध्यम से जल बचाने का संदेश दिया।

शिक्षिका पूनम मिश्रा एवं छात्र रावेंद्र कुशवाहा ने इलेक्ट्रॉनिक बैनर के जरिए सोशल मीडिया पर जल संरक्षण का प्रचार-प्रसार किया। पखवाड़े के दौरान निबंध लेखन, कविता लेखन, वाद-विवाद, पोस्टर निर्माण, नारा लेखन, प्रश्नोत्तरी एवं मॉडल निर्माण जैसी विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं, जिनमें छात्र-छात्राएं उत्साहपूर्वक भाग ले रहे हैं।

नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन - शासकीय कन्या शाला चुरहट में आयोजित 'अवनि नारी शक्ति वंदन' कार्यक्रम में भी विद्यालय की छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। छात्राओं ने चित्रकला (ऑन द स्पॉट पेंटिंग प्रतियोगिता) एवं नारी शक्ति विषय पर नुक्कड़ नाटक में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

प्राचार्य डॉ. डी.के. त्रिपाठी, अकादमिक इंचार्ज श्री रुपेश चौधरी, आर्ट शिक्षिका माधुरी वर्मा एवं संगीत शिक्षक आर.पी. पटेल के मार्गदर्शन में छात्राओं ने यह उपलब्धि हासिल की।

गो सेवा सम्मान दिवस को लेकर व्यापक उत्साह, पत्रक बांटकर दिया गया निमंत्रण

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देशभर में 27 अप्रैल को मनाए जाने वाले गो सेवा सम्मान दिवस की तैयारियां मंदसौर में भी जोरों-शोरों पर हैं। इस विशेष दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के प्रति जन-जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से 26 अप्रैल को गो भक्तों ने शहर में व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाया। आयोजन से एक दिन पूर्व, रविवार सुबह से ही गो भक्तों की टोलियां शहर के प्रमुख मार्गों और बाजारों में सक्रिय दिखाई दीं। कार्यकर्ताओं ने राहगीरों, वाहन चालकों और स्थानीय दुकानदारों से भेंट की और उन्हें कार्यक्रम का महत्व समझाया। कार्यकर्ताओं ने राहगीरों और व्यापारियों को पत्रक (पम्फलेट्स) भेंट कर कार्यक्रम में सपरिवार सम्मिलित होने का भावपूर्ण निमंत्रण दिया। शहर के मुख्य चौराहों पर पत्रक बांटने के साथ-साथ गो सेवा के प्रति जागरूक रहने का आह्वान किया गया। दुकानदारों से चर्चा करते हुए गो भक्तों ने अपील की कि वे गो सेवा के इस अभियान से जुड़ें और अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। कल, 27 अप्रैल को पूरे देश के साथ मंदसौर में भी गो सेवा सम्मान दिवस भव्य रूप से मनाया जाएगा। आज के इस प्रचार अभियान से पूरे शहर में धर्ममयी वातावरण बन गया है और लोगों में कार्यक्रम को लेकर खासा उत्साह देखा जा रहा है।

मध्यप्रदेश की टीम ने तेलंगाना के जाडचेरला में गुजरात को हराकर पहली जीत अपने नाम दर्ज़ की

छिन्दवाडा/दैनिक मालवा हेराल्ड। 69वीं राष्ट्रीय शालेय क्रिकेट प्रतियोगिता (17 वर्ष बालक वर्ग) में मध्यप्रदेश की टीम ने तेलंगाना के जाडचेरला में गुजरात को हराकर पहली जीत अपने नाम दर्ज़ की। पहले बल्लेबाजी करते हुए गुजरात की टीम ने 15 ओवर में 126 रन बनाए। जवाब में मध्यप्रदेश की टीम ने 9 ओवर 5 गेंद में लक्ष्य हासिल कर शानदार जीत दर्ज की। मैच में प्रियवृत पटेल को मैन ऑफ द मैच चुना गया। उन्होंने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 50 रन बनाए और 2 विकेट भी हासिल किए। यथार्थ डेहरिया ने किफायती गेंदबाजी करते हुए 3 ओवर में 1 मेडन सहित मात्र 4 रन देकर 1 विकेट लिया। वहीं राज रघुवंशी ने 22 रन, आकर्ष ने 20 रन का योगदान दिया और नीरज चौहान ने 2 विकेट प्राप्त किए।

सम्पादकीय

लू की हवा का प्रकोप, कैसे सांस लेंगे हम

बेरहम तथा अप्राकृतिक प्रकृति के दोहन का परिणाम अब अपने चरम परिणामों के साथ हमारे सामने खड़ा है। आने वाले महीनों में मौसम वैज्ञानिकों ने जिस तीव्र गर्मी की आशंका जताई है, वह केवल मौसमी उतार-चढ़ाव नहीं बल्कि दशकों से जारी प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन का प्रत्यक्ष परिणाम है। इंटरगवर्नमेंटल क्लाइमेटिक चेंज स्टडीज की नवीनतम रिपोर्टें स्पष्ट करती हैं कि वैश्विक तापमान औद्योगिक क्रांति के बाद लगभग 1.1 से 1.2 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ चुका है और यदि वर्तमान उत्सर्जन दर जारी रही तो 2030 के दशक में यह 1.5 डिग्री की सीमा को पार कर जाएगा। वर्ल्ड मेटियोरोलिजकल ऑर्गेनाइजेशन ने हाल ही में चेतावनी दी है कि पिछले आठ वर्ष मानव इतिहास के सबसे गर्म वर्ष रहे हैं और दक्षिण एशिया विशेष रूप से चरम हीटवेव की चपेट में है।

जब हम अपने विकास का इतिहास देखते हैं तो ब्रिटिश सत्ता के दौरान हमारे संसाधनों का अंधाधुंध दोहन हुआ, परंतु विडंबना यह है कि स्वतंत्रता के बाद भी हमने उसी मॉडल को और तीव्र रूप में अपनाया, परिणामस्वरूप मनुष्य तो स्वतंत्र हुआ पर प्रकृति आज भी बंधनों में जकड़ी रही। यूनाइटेड नेशंस एनवायरमेंटल एजेंसी के अनुसार दुनिया हर वर्ष लगभग 1 करोड़ हेक्टेयर वन क्षेत्र खो रही है, और भारत भी इससे अछूता नहीं है, जहाँ शहरीकरण और औद्योगीकरण की तेज रफ्तार ने जंगलों, जलस्रोतों और जैव विविधता पर गंभीर दबाव डाला है। अमूमन हमारी जरूरत रोटी, कपड़ा, मकान और जल की थी, किंतु हमने विकास को उपभोग और विस्तार की अंधी दौड़ बना दिया, मशीनें जितनी विशाल होती गईं, मनुष्य उतना ही प्रकृति से दूर और बौना होता गया।

फूड एंड एग्रीकल्चर ऑर्गेनाइजेशन के आंकड़े बताते हैं कि रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के अत्यधिक प्रयोग से विश्व की लगभग 33 प्रतिशत भूमि की उर्वरता प्रभावित हुई है, भारत में भी कई क्षेत्रों में मिट्टी की गुणवत्ता तेजी से गिर रही है और भूजल स्तर खतरनाक रूप से नीचे जा रहा है। विश्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार भारत विश्व के उन देशों में शामिल है जहाँ जल संकट तेजी से गहराता जा रहा है और 2030 तक देश की जल मांग उपलब्ध संसाधनों से दोगुनी हो सकती है। जब से हमने विकास के नाम पर उद्योगों की चिमनियाँ ऊँची कीं, मोबाइल क्रांति का बटन दबाया और डिजिटल संसार में प्रवेश किया, तब से प्रकृति की ध्वनियाँ धीमी पड़ती चली गईं, झरनों का कलकल स्वर, पक्षियों का कलरव और नदियों की जीवनदायिनी धारा जैसे विलुप्त होती जा रही है।

सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के अनुसार भारत के कई प्रमुख शहरों की वायु गुणवत्ता खतरनाक स्तर पर पहुँच चुकी है, वहीं विश्व स्वास्थ्य संगठन अनुमान है कि वायु प्रदूषण के कारण हर वर्ष लाखों समयपूर्व मृत्यु हो रही हैं। अब प्रश्न यह है कि विकास के नाम पर हमें केवल डिजिटल इंडिया चाहिए या हरित भारत की भी आवश्यकता है, क्या बच्चों के हाथ में केवल इंटरनेट देकर हम भविष्य सुरक्षित कर लेंगे या उन्हें स्वच्छ हवा, जल और हरियाली भी देनी होगी।

हरा-भरा हिंदुस्तान और डिजिटल इंडिया विरोधी नहीं बल्कि पूरक हो सकते हैं, बशर्ते हम संतुलन बनाना सीखें। अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा संस्थान के अनुसार नवीकरणीय ऊर्जा की ओर तेज़ी से बढ़ना ही जलवायु संकट से निपटने का सबसे प्रभावी उपाय है और भारत ने सौर तथा पवन ऊर्जा के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति भी की है, फिर भी यह प्रयास पर्याप्त नहीं है जब तक कि हम उपभोग की प्रवृत्ति को नियंत्रित न करें। महात्मा गांधी का यह कथन आज और भी प्रासंगिक हो उठता है कि पृथ्वी सभी की आवश्यकताओं को पूरा कर सकती है, किंतु किसी एक के लालच को नहीं। भारत की विडंबना यह है कि एक ओर महानगरों की चकाचौंध, मेट्रो, डिजिटल नेटवर्क और ऊँची इमारतें हैं, वहीं दूसरी ओर ग्रामीण भारत में आज भी मूलभूत सुविधाओं का अभाव है, किसान पसीना बहा रहा है और बच्चे दीपक या कैरोसिन की रोशनी में पढ़ रहे हैं, यह असमानता केवल आर्थिक नहीं बल्कि विकास के असंतुलित मॉडल की भी देन है। नीति आयोग की रिपोर्टों में भी जल संकट, कृषि संकट और पर्यावरणीय असंतुलन को गंभीर चुनौती के रूप में रेखांकित किया गया है।

हमें यह स्वीकार करना होगा कि विकास का रास्ता हरित क्रांति, सतत संसाधन उपयोग और पर्यावरण संरक्षण से होकर ही गुजरता है, सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, बायोगैस, ज्वार-भाटा ऊर्जा जैसे विकल्प केवल विकल्प नहीं बल्कि अनिवार्यता बन चुके हैं। यदि जल, खनिज और प्राकृतिक संसाधन ही समाप्त हो गए तो न तो उद्योग चलेंगे, न ऊर्जा उत्पादन होगा और न ही डिजिटल इंडिया का सपना साकार होगा। किसी कवि की पंक्ति आज सच लगती है कि यदि घर बनाओ तो एक पेड़ भी लगा लेना, क्योंकि वही पेड़ आने वाली पीढ़ियों की सांसों का आधार बनेगा।

मानव जीवन के उद्देश्य को समझें सहजयोग ध्यान पद्धति से

26 जनवरी 1979, बोरीवली, मुंबई में अपने एक प्रवचन में श्री माताजी ने कहा था, शायद आप नहीं जानते हैं कि परमात्मा ने आपको क्यों बनाया और कभी आप सोचते भी नहीं है परमात्मा ने इतनी मेहनत करके आपको इतना सुन्दर क्यों बनाया, आपको मनुष्य क्यों बनाया परमात्मा ने, इस पर भी आप गौर नहीं करते हैं क्योंकि आपके पास समय ही नहीं है कि यह सोचें कि हम क्या हैं, हम किसलिए संसार में आये हैं, हमारा क्या कार्य है। अगर मैं कहूँ आपसे कि अपने अंदर की ओर झांकिए, अपने को देखिये तो आप अपने को नहीं देखते हैं, आप कहेंगे कि माँ ये किस तरह से होता है, किस तरह से अंदर जायें, हम तो आपकी बात सुन रहे हैं, आप बाहर हैं, आपको देख रहे हैं लेकिन हमसे आप कहें कि अंदर की ओर जायें, ये बड़ा मुश्किल कार्य है।

अंदर की ओर जायें, ये बड़ा मुश्किल कार्य है।, यह बात हर साधक के मन में आ सकती है। सचमुच यह मुश्किल कार्य ही है लेकिन असंभव नहीं। माँ कभी अपने बच्चों से असंभव कार्य करने को नहीं कहेगी। बल्कि उस असंभव कार्य को संभव कैसे करना है यह सिखायेगी। सहज योग यही ध्यान पद्धति है।

परमपूज्य श्री माताजी प्रणित सहज योग से साधकों ने यह समझा है कि हम ईश्वर की सर्वोत्तम सृष्टि हैं और ईश्वर ने हमें अपने स्वरूप में ही निर्मित किया है। ईश्वर यह चाहते हैं कि हम ईश्वर की इस सृष्टि को, इस ब्रम्हांड को सुंदरतम बनायें, आपस में स्नेह और सद्भावना रखें। अपने प्रतिबिंब मानवमात्र से ईश्वर की यही अपेक्षा है कि हम उनके प्रतिनिधि की तरह इस संसार में जीये। अपने किसी और सृष्टि से ईश्वर को यह अपेक्षा नहीं? है।

ईश्वर का प्रतिबिंब मानव अपने को तभी समझ सकता है जब वो स्वयं को देख सके, अपने आत्मज्ञान को प्राप्त कर सके। सहज योग में आत्मसाक्षात्कार के उपरांत जब कुंडलिनी शक्ति जागृत होती है तब हमारा सहस्त्रार खुलता है, हम इस विराट में फैले चैतन्य को महसूस करने लगते हैं। यह एक अद्भुत, सुंदर और अविश्वसनीय सत्य है। जिस प्रकार सागर में यदि कटोरी भर रंग डाला जाये तो रंग का अस्तित्व ही समाप्त हो जायेगा। उसी प्रकार हमारी आत्मा भी सागर की तरह है जिसमें दिव्य प्रकाश है। जब यह प्रकाश रुपी सागर हमारे मस्तिष्क में गिरता है तब मस्तिष्क का अपना स्वरूप आध्यात्मिक हो जाता है और हम ईश्वरीय साम्राज्य में प्रवेश करने की पात्रता पा लेते हैं। जो लोग ध्यान धारणा करते हैं, समर्पण करते हैं, गहनता में उतरते हैं वे वृक्ष की जड़ों की तरह गहनता में प्रवेश पाते हैं और ऐसे व्यक्ति का सभी अनुसरण करते हैं।

जब हम इस आत्म स्थिति को पा लेते हैं तब हमें पूजा या किसी भी विधि विधान या कर्मकांड की आवश्यकता नहीं रह जाती है। हम पूर्ण निरानंद की स्थिति में शांति प्राप्त करने लगते हैं।

पांच साल बाद धार क्या बनेगा? – सुरक्षा का बीज या सिर्फ एक और सपना

मप्र के धार की पहचान अब केवल उसके प्राचीन वैभव से नहीं, बल्कि एक नए साहसिक संकल्प से जुड़ने जा रही है। 22 अप्रैल 2026 की घोषणा ने इस शांत, ऐतिहासिक नगर को अचानक राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में ला दिया–जब इसे 'सेफ सिटी प्रोजेक्ट 2026' के लिए चुना गया। देश के 10 चुनिंदा शहरों में स्थान पाना और मध्य प्रदेश से अकेले प्रतिनिधि के रूप में उभरना इस बात का संकेत है कि धार अब बदलाव की प्रयोगशाला बनने को तैयार है। ?10 करोड़ का आवंटन और पांच वर्षों की समयसीमा केवल प्रशासनिक आंकड़े नहीं, बल्कि गहरे सामाजिक परिवर्तन की मजबूत नींव हैं। प्राचीन मालवा की राजधानी अब महिलाओं की सुरक्षा के आधुनिक प्रतीक की ओर बढ़ रही है–एक ऐसा रूपांतरण, जो शहर का चेहरा ही नहीं, उसकी सोच भी बदल सकता है।

यह योजना सिर्फ सुरक्षा के इंतज़ाम खड़े करने की नहीं, बल्कि हर महिला के भीतर भरोसे का अहसास जगाने की पहल है। इसके तहत संवेदनशील इलाकों में सीसीटीवी कैमरे, बेहतर स्मार्ट स्ट्रीट लाइटिंग और सशक्त निगरानी तंत्र विकसित किया जाएगा। महिला हेल्प डेस्क, त्वरित पुलिस प्रतिक्रिया और सुरक्षित सार्वजनिक परिवहन इस ढांचे को और प्रभावी बनाएंगे। 'पिंक टॉयलेट्स' जैसी सुविधाएं स्पष्ट करती हैं कि लक्ष्य केवल सुरक्षा नहीं, बल्कि सम्मान और सुविधा भी है। निर्भया फंड से जुड़ी इस पहल को धार लोकसभा क्षेत्र की सांसद और केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर के सक्रिय प्रयासों से गति मिली, जबकि जिला प्रशासन ने चरणबद्ध योजना में हाई-रिस्क क्षेत्रों को प्राथमिकता देकर इसे जमीनी जरूरतों से जोड़ दिया है।

धार की मौजूदा तस्वीर ही इस पहल की अपरिहार्यता को रेखांकित करती है। ग्रामीण और शहरी जीवन का संगम जहां इसकी पहचान है, वहीं यही मिश्रण सुरक्षा की चुनौतियों को और पेचीदा बना देता है। अंधेरी गलियां, कमजोर रोशनी वाले बाजार और सूने सार्वजनिक स्थल–ये परिस्थितियां महिलाओं के लिए असहजता और असुरक्षा का माहौल गढ़ती हैं। कामकाजी महिलाएं, छात्राएं और पर्यटक अक्सर भय के साये में गुजरते हैं। ऐसे में यह परियोजना केवल ढांचे का सुधार नहीं, बल्कि भरोसे को फिर से मजबूत करने का प्रयास है। स्थानीय महिलाओं की आवाज इसे दिशा देती है–÷अब हमारी बेटियां बिना डरे बाहर निकल सकेंगी।÷ यह सिर्फ उम्मीद नहीं, बल्कि लौटते सामाजिक आत्मविश्वास का सशक्त संकेत है।

यह पहल बदलाव का निर्णायक मोड़ बन सकती है, जिसका असर शहर के हर कोने में दिखेगा। महिलाओं की बढ़ती सुरक्षा के साथ उनकी भागीदारी शिक्षा, रोजगार और उद्यमिता में तेज़ी से बढ़ेगी। बाजार देर तक जीवंत रहेंगे, छोटे कारोबारों को संबल मिलेगा और निवेश का भरोसा मजबूत होगा। पर्यटन को भी नई रफ्तार मिलेगी, क्योंकि धार के ऐतिहासिक स्थल अब अधिक सुरक्षित और आकर्षक बनेंगे। इससे स्थानीय गाइड, हस्तशिल्प विक्रेता, होटल व्यवसायी और परिवहन सेवाएं सीधे लाभान्वित होंगी, और शहर की अर्थव्यवस्था में नई ऊर्जा आएगी। मध्य प्रदेश सरकार इसे एक मॉडल मान रही है, जो इंदौर, भोपाल सहित अन्य शहरों के लिए भी मार्गदर्शक बन सकता है। राष्ट्रीय स्तर पर यह पहल इस धारणा को तोड़ती है कि 'सेफ सिटी' केवल महानगरों तक सीमित है।

इस चमकती तस्वीर के पीछे कुछ सख्त सच भी छिपे हैं, जिन्हें नजरअंदाज करना भारी पड़ सकता है। 2012-16 के दौरान मध्य प्रदेश के चार शहरों में लागू 'सेफ सिटी इनिशिएटिव' की रिपोर्ट स्पष्ट करती है कि केवल बुनियादी ढांचे के सुधार से अपराध में अपेक्षित कमी नहीं आई। सामाजिक मान्यताओं और व्यवहार में बदलाव की कमी ने इसकी प्रभावशीलता सीमित कर दी। यही अनुभव इस नई परियोजना के लिए एक अहम चेतावनी है। कैमरे और रोशनी सुरक्षा के साधन हैं, समाधान नहीं–असल परिवर्तन समाज की सोच में आता है। इसलिए व्यवहार परिवर्तन, लैंगिक संवेदनशीलता और जन-जागरूकता अभियानों को अनिवार्य रूप से जोड़ना होगा, ताकि सुरक्षा दिखावे से आगे बढ़कर जीवन की स्वाभाविक सच्चाई बन सके।

जमीन पर उतरते ही असली परीक्षा शुरू होती है, और यहीं चुनौतियां सामने आती हैं। ?10 करोड़ का फंड तभी असर दिखाएगा, जब उसका पारदर्शी और सुविचारित उपयोग हो। तकनीकी उपकरणों का नियमित रखरखाव, कर्मचारियों का समुचित प्रशिक्षण और निगरानी तंत्र की सतत सक्रियता–यही इसकी सफलता की धुरी हैं। सीसीटीवी के विस्तार के साथ गोपनीयता का सवाल भी उठेगा, जिसे संतुलित और संवेदनशील तरीके से संभालना होगा। साथ ही डिजिटल साक्षरता और तकनीकी जागरूकता बढ़ाना जरूरी है, ताकि नागरिक इस व्यवस्था से जुड़ सकें और उसका सही उपयोग करें। पांच वर्षों के बाद इसकी निरंतरता बनाए रखना भी चुनौती होगी, क्योंकि योजनाएं तभी सफल मानी जाती हैं जब वे समय के साथ जीवित और प्रासंगिक बनी रहें।

फिर भी, यह पहल एक साझा जिम्मेदारी का दुर्लभ अवसर बनकर उभरती है। प्रशासन, पुलिस, गैर-सरकारी संगठन और नागरिक–सभी को मिलकर इस बदलाव को जमीन पर उतारना होगा। सांसद सावित्री ठाकुर के नेतृत्व में बनी रूपरेखा में इस साझेदारी की स्पष्ट झलक है। यदि स्कूलों, कॉलेजों, महिला समूहों और स्थानीय संगठनों को सक्रिय रूप से जोड़ा गया, तो यह पहल केवल योजना नहीं, बल्कि एक व्यापक सामाजिक आंदोलन बन सकती है–जो सुरक्षा से आगे बढ़कर समाज के हर आयाम को छुएगी। यही सामूहिक प्रयास इसे स्थायित्व और वास्तविक गहराई दे सकता है।

इतिहास के मोड़ पर खड़ा धार अब ऐसे बदलाव की ओर बढ़ रहा है, जो सिर्फ रूप नहीं, सोच भी बदलेगा। सवाल केवल चेहरे के परिवर्तन का नहीं, बल्कि उसकी गहराई और स्थायित्व का है। इस यात्रा में आशा और सतर्कता दोनों जरूरी हैं। मजबूत वित्तीय आधार, केंद्र-राज्य सहयोग और पांच वर्षों की समयसीमा इसे सफलता की मजबूत नींव देते हैं। यदि क्रियान्वयन पारदर्शी रहा, जनभागीदारी मजबूत हुई और सोच में बदलाव आया, तो धार की सड़कें रोशनी के साथ भरोसे और स्वतंत्रता से चमकेंगी। तब यह शहर संदेश देगा कि सुरक्षा कोई विशेषाधिकार नहीं, बल्कि हर नागरिक का अधिकार है–और इसी में विकास का असली अर्थ छिपा है।

–प्रो. आरके जैन

क्षुद्र राजनीति पर प्रहार

पूर्व सेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे ने अपनी अप्रकाशित पुस्तक को लेकर उपजे विवाद को लेकर जो कुछ कहा, उससे न केवल उस दुष्प्रचार पर विराम पर लगा, जिसे लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी अनावश्यक तूल दे रहे थे, बल्कि यह भी साफ हुआ कि चीनी सेना भारतीय जमीन पर अतिक्रमण करने में नाकाम रही थी।

वैसे वे पहले भी यह कह चुके थे कि भारत ने चीन के हाथों एक भी इंच जमीन नहीं खोई और गत दिनों फिर से यही बात दोहराई, लेकिन राहुल गांधी इस पर यकीन करने को तैयार नहीं थे। वे बार-बार यही दुष्प्रचार कर रहे थे कि चीन ने हमारी जमीन हथिया ली और प्रधानमंत्री कुछ भी नहीं कर पाए। बाद में वे जनरल नरवणे के कथ्य को गलत तरीके से प्रस्तुत करने लगे।

संसद के बजट सत्र में तो वे तब हद ही पार कर गए, जब उन्होंने जनरल नरवणे की अप्रकाशित पुस्तक के एक पत्रिका में छपे अंश की मनचाही व्याख्या की आड़ में प्रधानमंत्री को निशाने पर लेने और यह समझाने की कोशिश की कि जब तत्कालीन सेना प्रमुख उनसे चीनी सेना की आक्रामकता पर निर्देश मांग रहे थे तो उन्होंने उन्हें उनके हाल पर छोड़ दिया।

राहुल ने प्रधानमंत्री की ओर से सेना प्रमुख को दिए गए इस स्पष्ट निर्देश की शरारतपूर्ण ढंग से व्याख्या की कि जो उचित समझें, वह करें। वे यहीं तक सीमित नहीं रहे। वे संसद परिसर में जनरल नरवणे की अप्रकाशित पुस्तक की तथाकथित प्रति भी लहराने लगे।

राजनीति में जब आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला कायम होता है, तो उसमें दुष्प्रचार का भी कुछ अंश शामिल होता ही है, लेकिन यह तो गैर जिम्मेदारी की पराकाष्ठा है कि संकीर्ण राजनीतिक हितों की पूर्ति के लिए ऐसा झूठ प्रचारित किया जाए कि सीमा पर संकट के समय सेना और सरकार में सामंजस्य नहीं था। सीमाओं की सुरक्षा और सेना को लेकर अनावश्यक विवाद पैदा करना राष्ट्रीय हितों की अनदेखी ही नहीं, क्षुद्र राजनीति भी है।

यह अच्छा हुआ कि जनरल नरवणे ने राहुल गांधी की ओर से उनकी अप्रकाशित पुस्तक की कथित प्रति लहराने और उनके साथ-साथ सेना को विवादों में घसीटने को अनुचित आचरण की संज्ञा देने में संकोच नहीं किया। उन्होंने यह कहकर भी एक तरह से राहुल को आईना ही दिखाया कि यदि आपको प्रधानमंत्री, रक्षा मंत्री, विदेश मंत्री और सेना प्रमुख की बातों पर भी भरोसा नहीं है तो चीन से पूछ लीजिए।

इसमें संदेह है कि पूर्व सेना प्रमुख की इन खरी बातों से राहुल अपनी गलती समझेंगे और उनकी सेहत पर कोई असर पड़ेगा, क्योंकि किसी भी मामले में वे अपनी मनगढ़ंत धारणा को सही सिद्ध करने की कोशिश करते रहने के आदी हो चुके हैं। वास्तव में इसी कारण वे अनावश्यक विवादों में घिरते रहते हैं।

–सुनील कुमार महला

वॉशिंगटन हिल्टनः इतिहास की पुनरावृत्ति या अमेरिकी लोकतंत्र की कमजोरी?

वॉशिंगटन के प्रतिष्ठित वॉशिंगटन हिल्टन में शनिवार रात हुई गोलीबारी ने पूरी दुनिया को एक बार फिर चौंका दिया। यह केवल एक सुरक्षा संबंधी घटना नहीं थी, बल्कि एक ऐसा क्षण था जिसने इतिहास, राजनीति और लोकतंत्र–तीनों को एक साथ खड़ा कर दिया। जब व्हाइट हाउस संवाददाता रात्रिभोज के दौरान अचानक गोलियों की आवाज गूंजी, तो वहां मौजूद हजारों लोगों के लिए यह किसी भयावह स्वप्न से कम नहीं था। इस कार्यक्रम में डोनाल्ड ट्रंप, मेलानिया ट्रंप और जेडी वेंस जैसे शीर्ष नेता उपस्थित थे। कुछ ही पलों में उत्सव का माहौल भय और अराजकता में बदल गया। अमेरिकी सीक्रेट सर्विस की तत्परता ने स्थिति को नियंत्रित कर लिया, लेकिन इस घटना ने कई गहरे सवाल खड़े कर दिए, जिनका उत्तर सरल नहीं है।

इस घटना की सबसे चौंकाने वाली और साथ ही डरावनी बात यह है कि यह पहली बार नहीं हुआ। यही होटल, जिसे कभी-कभी हिंकली हिल्टन के नाम से भी जाना जाता है, पहले भी अमेरिकी इतिहास की एक बड़ी हिंसक घटना का गवाह रह चुका है। वर्ष 1981 में इसी स्थान के बाहर तत्कालीन राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन पर जॉन हिंकली जूनियर ने गोली चलाई थी। उस हमले में रीगन गंभीर रूप से घायल हो गए थे और उनके प्रेस सचिव जेम्स ब्रैडी को स्थायी रूप से विकलांगता का सामना करना पड़ा था। उस समय भी यही सवाल उठे थे–सुरक्षा में चूक कैसे हुई? और आज, लगभग 45 वर्ष बाद, वही प्रश्न फिर हमारे सामने खड़ा है। फर्क सिर्फ इतना है कि अब दुनिया कहीं अधिक जटिल हो चुकी है और खतरों के स्वरूप भी बदल चुके हैं।

घटना के दौरान मौजूद लोगों के अनुसार सब कुछ सामान्य ढंग से चल रहा था। हंसी-मजाक, भाषण, मीडिया और राजनीति का मिश्रण–यह रात्रिभोज हमेशा से अमेरिकी लोकतंत्र की एक अनूठी परंपरा रहा है। लेकिन अचानक हुई गोलीबारी ने इस परंपरा को झकझोर कर रख दिया। लोग अपनी सुरक्षा के लिए टेबलों के नीचे छिपने लगे, अफरा-तफरी मच गई और कुछ ही क्षणों में पूरा वातावरण नियंत्रण से बाहर होता प्रतीत हुआ। हालांकि राहत की बात यह रही कि इस घटना में कोई बड़ा जान-माल का नुकसान नहीं हुआ, लेकिन मानसिक और मनोवैज्ञानिक प्रभाव को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

यह घटना केवल एक सुरक्षा चूक नहीं है, बल्कि यह अमेरिकी समाज में बढ़ते राजनीतिक तनाव का भी संकेत देती है। पिछले कुछ वर्षों में अमेरिका में वैचारिक ध्रुवीकरण तेजी से बढ़ा है। 6 जनवरी कैपिटल दंगा जैसी घटनाएं यह दिखा चुकी हैं कि राजनीतिक मतभेद अब केवल बहस और विचार-विमर्श तक सीमित नहीं रह गए हैं। वे सड़कों पर, संस्थानों में और अब उच्च-स्तरीय आयोजनों में भी खुलकर सामने आ रहे हैं। इस संदर्भ में वॉशिंगटन हिल्टन की यह घटना एक अलग-थलग घटना नहीं लगती, बल्कि एक व्यापक प्रवृत्ति का हिस्सा प्रतीत होती है।

डोनाल्ड ट्रंप की राजनीति भी इस पूरे परिदृश्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उनकी अमेरिका फर्स्ट और मेक अमेरिका ग्रेट अगेन जैसी नीतियों ने जहां एक बड़े वर्ग को आकर्षित किया, वहीं दूसरी ओर समाज के एक हिस्से में असंतोष और विरोध भी पैदा किया। मीडिया के साथ उनका टकराव, फेक न्यूज़ जैसे शब्दों का प्रयोग, और राजनीतिक विरोधियों के प्रति तीखी भाषा–इन सबने सामाजिक माहौल को और अधिक संवेदनशील बना दिया। ऐसे में जब कोई हिंसक घटना घटित होती है, तो वह केवल एक व्यक्ति का कृत्य नहीं प्रतीत होती, बल्कि उस व्यापक सामाजिक और राजनीतिक वातावरण का परिणाम लगती है जिसमें असहमति को अक्सर शत्रुता के रूप में देखा जाने लगा है।

सुरक्षा व्यवस्था पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है। अमेरिकी सीक्रेट सर्विस को विश्व की सबसे सक्षम सुरक्षा एजेंसियों में गिना जाता है। 1981 की घटना के बाद इसमें कई महत्वपूर्ण सुधार किए गए–अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग, अधिक प्रशिक्षित सुरक्षा कर्मी, और उन्नत निगरानी प्रणाली। फिर भी इस प्रकार की घटना का होना यह दर्शाता है कि भीड़भाड़ वाले सार्वजनिक आयोजनों में जोखिम को पूरी तरह समाप्त नहीं किया जा सकता। आज के समय में खतरे केवल पारंपरिक हथियारों से नहीं आते, बल्कि वे मानसिक अस्थिरता, ऑनलाइन कट्टरता और व्यक्तिगत निराशा जैसे कारकों से भी जुड़े होते हैं।

इस घटना का एक और महत्वपूर्ण पहलू है–डिजिटल युग और सोशल मीडिया की भूमिका। आज विचारों का प्रसार अत्यंत तेज गति से होता है। गलत जानकारी, षड्यंत्र सिद्धांत और कट्टरपंथी विचारधाराएं कुछ ही समय में लाखों लोगों तक पहुंच जाती हैं। जहां 1981 में जॉन हिंकली जूनियर पर फिल्मों के प्रभाव की चर्चा हुई थी, वहीं आज के समय में हमलावरों पर डिजिटल दुनिया और सोशल मीडिया का प्रभाव अधिक देखा जाता है। यह बदलाव सुरक्षा एजेंसियों के सामने नई चुनौतियां प्रस्तुत करता है, क्योंकि अब खतरे की पहचान करना और उसे समय रहते रोकना पहले से कहीं अधिक कठिन हो गया है।

वैश्विक स्तर पर भी इस घटना के प्रभाव को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। अमेरिका को दुनिया का सबसे शक्तिशाली लोकतंत्र माना जाता है, और वहां होने वाली घटनाएं अन्य देशों के लिए संकेत का काम करती हैं। भारत जैसे देशों के लिए, जहां बड़े पैमाने पर राजनीतिक और सामाजिक कार्यक्रम आयोजित होते हैं, यह एक चेतावनी है। केवल तकनीकी रूप से सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करना पर्याप्त नहीं है; इसके साथ-साथ सामाजिक सौहार्द, संवाद और आपसी विश्वास को भी बढ़ावा देना आवश्यक है।

इस घटना ने एक गहरा प्रश्न भी उठाया है–क्या लोकतंत्र वास्तव में सुरक्षित है? लोकतंत्र केवल चुनावों और संस्थाओं का नाम नहीं है, बल्कि यह एक विचारधारा है जिसमें असहमति को स्वीकार किया जाता है और संवाद को प्राथमिकता दी जाती है। जब समाज में संवाद की जगह टकराव ले लेता है, तो लोकतंत्र की नींव कमजोर होने लगती है। वॉशिंगटन हिल्टन की यह घटना इसी संभावित कमजोरी की ओर संकेत करती है।

इसके सामाजिक निहितार्थ भी अत्यंत गहरे हैं। मीडिया, जो इस कार्यक्रम का मुख्य केंद्र होता है, स्वयं इस घटना का हिस्सा बन गया। पत्रकार, जो सत्ता से प्रश्न पूछने और लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए वहां उपस्थित थे, अचानक स्वयं एक संकट का सामना करने लगे। यह स्थिति हमें यह सोचने पर विवश करती है कि क्या प्रेस की स्वतंत्रता और उसकी भूमिका को लेकर समाज में बढ़ती असहिष्णुता भी इस प्रकार की घटनाओं को जन्म दे रही है।

अंततः, यह घटना केवल अमेरिका के लिए नहीं, बल्कि पूरे विश्व के लिए एक चेतावनी है। इतिहास स्वयं को दोहराता है, लेकिन हर बार वह एक नया संदेश भी देता है। 1981 की घटना के बाद सुरक्षा व्यवस्था में सुधार हुए थे; 2026 की इस घटना के बाद संभवतः और व्यापक बदलावों की आवश्यकता होगी। लेकिन सबसे महत्वपूर्ण परिवर्तन तकनीक या सुरक्षा में नहीं, बल्कि हमारी सोच में होना चाहिए। जब तक समाज में सहिष्णुता, संवाद और पारस्परिक सम्मान को बढ़ावा नहीं मिलेगा, तब तक ऐसी घटनाओं को पूरी तरह रोक पाना कठिन रहेगा। वॉशिंगटन हिल्टन की यह रात केवल एक घटना नहीं, बल्कि एक दर्पण है–जिसमें हम लोकतंत्र की शक्ति और उसकी कमजोरियों दोनों को स्पष्ट रूप से देख सकते हैं। यह हमें यह याद दिलाती है कि लोकतंत्र की रक्षा केवल कानून और सुरक्षा एजेंसियों के भरोसे नहीं की जा सकती, बल्कि यह नागरिकों की सोच, उनके व्यवहार और उनके मूल्यों पर भी निर्भर करती है। यदि हम इस संदेश को समझ लें, तो शायद भविष्य में इतिहास को स्वयं को दोहराने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी।

–डॉ. प्रियंका सौरभ

ऊर्जा संकट से जूझता विश्व

राष्ट्रपति ट्रंप ने अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच दो सप्ताह से जारी युद्धविराम को जिस तरह यकायक अनिश्चितकाल के लिए बढ़ाया, उससे वे अपने कदम पीछे खींचते हुए दिखे। उन्होंने युद्धविराम विस्तार की घोषणा ऐसे समय की, जब इस्लामाबाद में होने वाली दूसरे दौर की शांति वार्ता को लेकर संशय कायम था। गत दिवस संशय के ये बादल छंटे और दोनों देशों के प्रतिनिधियों के इस्लामाबाद रवाना होने की खबरों से दूसरे दौर की वार्ता की संभावना बढ़ी है।

ईरान ने पहले दौर की वार्ता विफल होने के बाद जिस प्रकार अमेरिका से बात करने से इन्कार किया था, उससे यही लग रहा था कि वह अपने बंदरगाहों की अमेरिकी नाकेबंदी खत्म किए बिना न तो होर्मुज समुद्री मार्ग खोलने के लिए तैयार होगा और न ही वार्ता के लिए। अब यदि वह वार्ता के लिए तैयार है तो शायद इसलिए कि अमेरिकी नाकेबंदी उसके लिए परेशानी का कारण बन रही है। जो भी हो, जब तक दूसरे दौर की वार्ता हो नहीं जाती और वह किसी नतीजे पर नहीं पहुंच जाती, तब तक पश्चिम एशिया संकट और साथ ही ऊर्जा संकट खत्म होने के आसार नहीं।

अमेरिका और ईरान के बीच पहले दौर की वार्ता इसलिए विफल हुई थी, क्योंकि ईरान न तो यूरेनियम संवर्धन कार्यक्रम से पीछे हटने को तैयार था और न ही होर्मुज पर अपना आधिपत्य छोड़ने के लिए। इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि युद्धविराम विस्तार के बाद भी होर्मुज बंद है। अमेरिकी नाकेबंदी के पहले वहां से इक्का-दुक्का जो जहाज निकल पा रहे थे, अब वे भी नहीं निकल पा रहे हैं।

ईरान अमेरिकी नाकेबंदी खत्म करने की शर्त रखने के साथ ही इस पर अड़ा है कि वह होर्मुज से निकलने वाले जहाजों को अपनी निगरानी में निकलने देगा और उनसे फीस भी वसूलेगा। यह किसी को स्वीकार नहीं हो सकता-न तो अमेरिका को और न ही खाड़ी देशों को, क्योंकि होर्मुज स्वतंत्र अंतरराष्ट्रीय जलमार्ग है। होर्मुज से विश्व के लगभग 20 प्रतिशत तेल और गैस की ढुलाई होती है।

उसके बाधित होने से भारत समेत एशियाई देशों को ही ऊर्जा संकट का सामना नहीं करना पड़ रहा है। संकट का असर अमेरिका समेत पूरी दुनिया पर पड़ रहा है। हालांकि अमेरिका के पास अपने तेल एवं गैस भंडार हैं, लेकिन होर्मुज से ऊर्जा आपूर्ति ठप हो जाने से तेल और गैस के दाम उसके यहां भी बढ़ रहे हैं। उसके मुकाबले विश्व के अन्य देशों को कहीं अधिक गंभीर ऊर्जा संकट का सामना करना पड़ रहा है।

चूंकि ईरान यह समझ रहा है कि वह होर्मुज बाधित कर विश्व के देशों को अमेरिका पर इसके लिए दबाव डालने में सक्षम हो सकता है कि वह टकराव से पीछे हटे, इसलिए उसने भी कठोर रवैया अपना लिया है। यह रवैया दूसरे दौर की वार्ता को भी विफल कर सकता है। ईरान अमेरिकी हमलों के जवाब में खाड़ी देशों में उसके ठिकानों को निशाना बनाने में भी सक्षम है। अमेरिका की समस्या यह है कि वह ईरान के हमलों का पूरी तरह प्रतिकार करने में सक्षम नहीं दिख रहा। इससे अमेरिकी सैन्य अड्डों वाले खाड़ी के देशों में भी बेचैनी है।

यह स्पष्ट है कि होर्मुज खुलने में जितना विलंब होगा, ऊर्जा संकट उतना ही गहराएगा। इस संकट के चलते अमेरिका ईरान को नए सिरे से निशाना बनाने के लिए बाध्य तो हो सकता है, लेकिन ट्रंप के लिए उसके खिलाफ ऐसा करना आसान नहीं। शायद यही कारण है कि वे कभी ईरान को तबाह करने की धमकी देते हैं और कभी उससे समझौते की उम्मीद जताते हैं। वे बीते 10-12 दिनों में न जाने कितनी बार अपने बयान बदल चुके हैं। उनके बार-बार बदलते और विरोधाभासी बयानों से विश्व को यही संदेश जा रहा है कि वे पश्चिम एशिया में उपजे संकट का समाधान करने की स्थिति में नहीं।

इस सबके बीच ईरान ने दावा करना शुरू कर दिया है कि उसने होर्मुज से निकलने वाले जहाजों से वसूली शुरू कर दी है। पता नहीं सच क्या है, लेकिन होर्मुज बाधित रहने से ऊर्जा संकट गंभीर रूप लेता जा रहा है। यदि इस यथास्थिति में अमेरिका पीछे हटता है तो इससे उसकी फजीहत तो होगी ही, युद्ध में हुई क्षति की भरपाई के नाम पर ईरान होर्मुज से निकलने वाले जहाजों की वसूली करने में भी सक्षम हो सकता है। इससे भी तेल और गैस के दाम बढ़ जाएंगे।

होर्मुज पर ईरान के दबदबे से उसके और खाड़ी देशों के बीच भी टकराव बढ़ना तय है। ट्रंप ने अनिश्चितकाल के लिए युद्धविराम को चाहे जिन कारणों से बढ़ाया हो, लेकिन उसके पीछे उनकी मजबूरी ही दिखती है। एक बड़ी मजबूरी तो ईरान के खिलाफ युद्ध छेड़ने के लिए अमेरिकी संसद की अनुमति है। अमेरिकी कानून के तहत यदि राष्ट्रपति किसी देश के खिलाफ युद्ध छेड़ते हैं तो उन्हें 60 दिनों के अंदर संसद से अनुमति लेनी होती है। यह अवधि 1 मई को खत्म हो रही है। समस्या यह है कि उन्हें संसद की अनुमति मिलना कठिन है। खुद ट्रंप समर्थकों के साथ वहां का बड़ा राजनीतिक वर्ग युद्ध के पक्ष में नहीं।

माना जा रहा है कि इसी के चलते ट्रंप ने युद्धविराम बढ़ाने के लिए पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और वहां के सैन्य प्रमुख आसिम मुनीर के इस कथित आग्रह की आड़ ली कि युद्धविराम जारी रखा जाए। पाकिस्तान भी इसके लिए व्याकुल है कि किसी तरह अमेरिका और ईरान के बीच समझौता हो जाए। ऐसा न होने पर उसकी मुश्किलें बढ़ जाएंगी, क्योंकि युद्ध फिर से शुरू होने की स्थिति में उसे सऊदी अरब के साथ हुए समझौते के तहत उसके साथ और ईरान के खिलाफ खड़ा होना होगा। वह ऐसा नहीं चाहेगा, क्योंकि उसकी ईरान से दुश्मनी हो जाएगी।

अमेरिका-ईरान के बीच दूसरे दौर की वार्ता का जो भी परिणाम हो, होर्मुज का खुलना जरूरी है, क्योंकि खाड़ी के देशों के पास अपना तेल और गैस निर्यात करने का और कोई आसान रास्ता नहीं। होर्मुज के विकल्प के रूप में जिन जमीनी रास्तों की संभावनाएं टटोली जा रही हैं, उनका निर्माण होने में वर्षों लग सकते हैं। वैसे इन वैकल्पिक मार्गों पर काम शुरू कर दिया जाए तो बेहतर, क्योंकि इसका ठिकाना नहीं कि पश्चिम एशिया में फिर कब नया संकट खड़ा हो जाए। वैसे भी ईरान इस ताक में है कि उसका होर्मुज पर किसी न किसी तरह आधिपत्य हो जाए।

–धनंजय राजौरा

केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रायसेन में गेहूं उपार्जन की समीक्षा की, अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

केवल एक फोन कॉल की दूरी, मैं 24 घंटे आपके साथ

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को रायसेन में अपने संसदीय क्षेत्र विदिशा के चारों जिलों में गेहूं व चना उपार्जन व्यवस्था को लेकर जनप्रतिनिधियों और संबंधित अधिकारियों के साथ विस्तृत समीक्षा बैठक की। बैठक में खरीदी प्रक्रिया की पारदर्शिता, समयबद्धता और किसानों की सुविधाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर जोर दिया गया। इस दौरान केन्द्रीय मंत्री ने स्लॉट बुकिंग व्यवस्था को सुचारू और आसान बनाने, पर्याप्त मात्रा में बारदाने की उपलब्धता सुनिश्चित करने और खरीदी केंद्रों पर किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि गेहूं उपार्जन में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

एक ही संकल्प, किसान को कोई परेशानी न हो- केन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि, ÷हमारा एक ही संकल्प है कि हमारे लिए किसान भगवान हैं और उन्हें किसी भी प्रकार की परेशानी न हो। हम खरीदी करके किसान पर कोई उपकार नहीं कर रहे हैं, बल्कि हम किसान के ऋणी हैं, जिन्होंने देश को गेहूं के मामले में आत्मनिर्भर बनाया है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि टीम भावना से युद्धस्तर पर कार्य करते हुए किसानों की सभी शिकायतों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया जाए।

खरीदी व्यवस्था का हर पहलू दुरुस्त करें- केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि कुल खरीदी का लक्ष्य, स्लॉट बुकिंग की स्थिति, खरीदी केन्द्रों की संख्या, अब तक खरीदी गई मात्रा, बारदाने की उपलब्धता और केन्द्रों पर मूलभूत व्यवस्थाओं की नियमित समीक्षा की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि खरीदी केवल वास्तविक किसानों से ही की जाए और किसी भी प्रकार की अनियमितता पर कड़ी नजर रखी जाए। साथ ही किसानों को यह स्पष्ट संदेश दिया जाए कि उनकी उपज हर हाल में खरीदी जाएगी। उन्होंने कहा कि, किसानों की मेहनत का सम्मान करना हमारी प्राथमिक जिम्मेदारी है। गेहूं खरीदी की प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी, व्यवस्थित और किसान हितैषी होनी चाहिए। किसानों को अपनी उपज बेचने के लिए भटकना न पड़े, यह हर अधिकारी सुनिश्चित करे।

सर्वेयर की शिकायतों पर सख्ती- केन्द्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि सर्वेयर से संबंधित शिकायतें प्राप्त हो रही हैं, जिन पर विशेष निगरानी रखने की आवश्यकता है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि यदि किसी भी प्रकार की प्रमाणित शिकायत प्राप्त होती है, तो तत्काल कलेक्टर को सूचित कर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

विदिशा में खरीदी बढ़ाने और सुविधाएं बेहतर करने के निर्देश- बैठक में विदिशा जिले की स्थिति पर भी विस्तार से चर्चा हुई। विदिशा कलेक्टर ने बताया कि जिले में 81 हजार किसानों ने पंजीयन कराया है, जिनमें से 45 हजार किसानों ने स्लॉट बुकिंग की है और अब तक 1.17 लाख मीट्रिक टन खरीदी की जा चुकी है, जबकि कुल 5 लाख मीट्रिक टन खरीदी का लक्ष्य है। इस पर केन्द्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि विदिशा में अधिक उत्पादन होने के कारण किसानों को विशेष रूप से आश्वस्त किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि यदि आवश्यकता हो तो खरीदी केन्द्रों की संख्या बढ़ाई जाए, ताकि समय कम होने के कारण किसानों को असुविधा न हो। साथ ही सर्वर की समस्याओं को तत्काल दूर करने, प्रत्येक खरीदी केन्द्र पर बारदाने की उपलब्धता सुनिश्चित करने और बैंक से भुगतान निकालने में आ रही समस्याओं का समाधान करने के निर्देश भी दिए।

शनिवार को भी खरीदी जारी- समीक्षा बैठक में बताया गया कि, रायसेन में पिछले वर्ष लगभग 77 हजार किसानों ने पंजीयन कराया था, जिनमें से 58 हजार ने स्लॉट बुकिंग कराई और 55 हजार किसानों से गेहूं खरीदा गया। इस वर्ष अब तक लगभग 30 हजार किसानों ने स्लॉट बुकिंग कराई है और 21 हजार किसानों से खरीदी हो चुकी है। पिछले वर्ष लगभग 5.50 लाख मीट्रिक टन खरीदी की गई थी, जबकि इस वर्ष अब तक लगभग 1 लाख मीट्रिक टन खरीदी हो चुकी है। अधिकारियों ने जानकारी दी कि बारदाना पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है और पिछले वर्ष के 121 खरीदी केन्द्रों की तुलना में इस वर्ष केन्द्रों की संख्या बढ़ाई गई है। बड़े किसानों के लिए स्लॉट बुकिंग शुरू कर दी गई है और शनिवार को भी खरीदी जारी रखी जा रही है।

हर समस्या के समाधान के लिए तत्पर रहें अधिकारी- केन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अधिकारियों से कहा कि, हमें हर हाल में खरीदी करनी है। यदि जरूरत हो तो तत्काल निर्णय लेकर खरीदी केन्द्र बढ़ाएं और व्यवस्थाएं मजबूत करें। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की समस्या होने पर मैं खुद 24 घंटे उपलब्ध हूं और एक फोन कॉल पर सहयोग के लिए तैयार हूं। साथ ही, उन्होंने नियमित मॉनिटरिंग और फील्ड स्तर पर सतत निरीक्षण के निर्देश भी दिए, ताकि गेहूं उपार्जन पूरी तरह सुचारू ढंग से संचालित हो सके।

देवास जॉब पोर्टल के माध्यम से मेगा प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन 28 अप्रैल को

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला प्रशासन देवास द्वारा जिले के युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए देवास जॉब पोर्टल के माध्यम से एक मेगा प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया जा रहा है। इस प्लेसमेंट ड्राइव में आयशर कंपनी द्वारा सीएनसी मशीन ऑपरेटर के 250 से अधिक पदों भर्ती की जाएगी। इच्छुक अभ्यर्थी देवास जॉब पोर्टल पर पंजीयन कर साक्षात्कार स्थल पर उपस्थित होकर रोजगार के अवसर का लाभ उठा सकते हैं। प्लेसमेंट ड्राइव में आईटीआई (सभी ट्रेड), 8वीं,10वीं,12वीं एवं स्नातक अभ्यर्थी भाग ले सकते है। चयनित उम्मीदवारों को कंपनी द्वारा कैंटीन एवं बस सुविधा (न्यूनतम कटौती पर) उपलब्ध कराई जाएगी। वेतन शिक्षा, अनुभव एवं कौशल के आधार पर निर्धारित किया जाएगा। प्लेसमेंट ड्राइव आयशर कंपनी देवास औद्योगिक क्षेत्र यूनिट-1, गेट नंबर-1 पर आयोजित किया जायेगा। प्लेसमेंट ड्राइव संबंधित अधिक जानकारी के लिए आयश कम्पनी के एचआर राजेश्वर अग्रवाल (98936 65548) से संपर्क कर सकते है।

जिला पंचायत देवास की साधारण सभा की बैठक 28 अप्रैल को

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती ज्योति शर्मा ने बताया कि जिला पंचायत साधारण सभा की बैठक जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती लीला अटारिया की अध्यक्षता में 28 अप्रैल को सुबह 11 बजे जिला पंचायत सभाकक्ष में आयोजित की गई है। उन्होंने सभी संबंधितों को बैठक में उपस्थित रहने को कहा है।

सीहोर जिला जेल में विशेष जेल लोक अदालत आयोजित

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा सीहोर स्थित जिला जेल में बंदियों के लंबित राजीनामा योग्य आपराधिक एवं प्ली बारगेनिंग योग्य मामलों के निराकरण के लिए विशेष जेल लोक अदालत का आयोजन किया गया। इस जेल लोक अदालत में कुल 05 मामले रेफर किये गये। इस अवसर पर प्रधान जिला न्यायाधीश श्री संजीव कुमार अग्रवाल ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीहोर द्वारा बैंक ऑफ इंडिया लीड बैंक एवं स्टार ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान के सहयोग से बंदियों में दक्षता निर्माण हेतु प्रारंभ की गई पहल दक्षता से स्वावलंबन के अंतर्गत अगरबत्ती, साबुन, सर्फ, फिनाइल, दीया आदि सामग्री निर्माण का 12 दिवस का प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले 29 बंदियों को प्रमाण-पत्र वितरित किये। उन्होंने बंदियों से कहा कि वे जेल से बाहर निकलने के बाद स्वावलंबी बनें और अपना भविष्य उज्जवल करें। सचिव श्रीमती स्वप्नश्री सिंह ने कहा कि बंदियो को इस अवसर का लाभ उठाते हुये अपनी कला को निखारना चाहिए ताकि बाजार में उन्हें उनकी सामग्री के अच्छे दाम प्राप्त हो और उनका जीवन यापन जेल के बाहर भी सरलता से हो सके। इसी उद्देश्य से दक्षता से स्वावलंबन प्रशिक्षण की पहल प्रारंभ की गई है। इस अवसर पर न्यायाधीशों बंदियों द्वारा बनाई गई सामग्रियां भी खरीदीं। इस अवसर पर जेल लोक अदालत खण्डपीठ प्रभारी अधिकारी श्रीमती विनीता गुप्ता, जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री जीशान खान, जेलर श्री अक्षय सिंहोतके एवं लोक अदालत खंडपीठ के सदस्य श्री राजेंद्र कुशवाह एवं सुश्री सुमन सिकरवार तथा स्टार ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान के प्रतिनिधि सहित बंदी गण उपस्थित रहे।

आजीविका मिशन ने बदली रेशमा की तकदीर, भैंस पालन और कपड़े की दुकान से संवर रहा भविष्य

कटनी/दैनिक मालवा हेराल्ड। हौसले अगर बुलंद हों और सही दिशा में प्रयास किए जाएं, तो परिस्थितियां बदलते देर नहीं लगती। जनपद पंचायत ढीमरखेड़ा के ग्राम धरवारा की रेशमा रजक आज इसी बात की जीती-जागती मिसाल बन गई हैं। कभी 4 से 5 हजार रुपये की मामूली आय में संघर्ष करने वाली रेशमा आज 15 हजार रुपये प्रतिमाह कमाकर अपने परिवार को एक खुशहाल जीवन दे रही हैं। समूह से मिला 2.60 लाख का ऋणरेशमा की इस कामयाबी के पीछे %लहर आजीविका स्व सहायता समूह% का बड़ा योगदान है। समूह से जुड़ने के बाद रेशमा का आत्मविश्वास बढ़ा और उन्होंने अपनी आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए कदम बढ़ाए। उन्होंने अलग-अलग समय पर समूह के माध्यम से कुल 2 लाख 60 हजार रुपये का ऋण लिया। रेशमा ने व्यावसायिक विविधता को अपनाते हुए इस राशि से आय के दो स्रोत तैयार किए। रेशमा ने गाँव की जरूरत को समझते हुए अपने घर से ही कपड़े का व्यापार शुरू किया। गुणवत्ता और व्यवहार कुशलता के कारण उनकी दुकान जल्द ही चल पड़ी। साथ ही ऋण की शेष राशि से उन्होंने उच्च नस्ल की भैंस खरीदी। रेशमा ने भैंसों की देखभाल के लिए अपने परिवार के सदस्यों को भी शामिल किया। वे रोजाना दूध को स्थानीय दुकानदारों और दूध संग्रह केन्द्रो को बेचती हैं। जिससे उन्हें अच्छी आय प्राप्त हो रही हैं। आय में तीन गुना बढ़ोतरीसमूह से जुड़ने के पूर्व रेशमा के परिवार की मासिक

सर्वत्र ईश्वर का अस्तित्व होते हुए, उसे न समझ पाना अज्ञान है - संत प्रभावती देवी

मानव धर्म मंदिर में आयोजित साप्ताहिक सत्संग में सतपाल महाराज की शिष्या ने कहा

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। माया अनादि है और परमात्मा अनादि और अनंत है। जिस प्रकार गोधूलि बेला में मार्ग में सर्पाकार रस्सी को देखकर सर्प होने का भ्रम होता है, उसी प्रकार संसार सत्य न होते हुए भी सत्य प्रतीत होता है, यही माया है। मान लीजिए कोई व्यक्ति सो रहा है। स्वप्न में जंगल गया, एक शेर से जान बचाने के लिए वह भाग रहा है। जब तक उसकी निद्रा भंग नहीं होगी, उसका भय नहीं जाएगा। न स्वप्न का जंगल सत्य और न ही शेर और न ही वह भाग रहा है। सत्य यह है कि वह शैय्या पर है, वह कहीं नहीं गया। अपने आत्म तत्व की विस्मृति ही माया है।

ये सत्संग विचार बालाजी नगर स्थित मानव उत्थान सेवा समिति आश्रम में सतपाल महाराज की शिष्या प्रभावती बाई जी ने व्यक्त किए। उन्होंने भजन -- मुझ में राम, तुझमें राम, सबमें राम समाया, सबसे करलो प्रेम जगत में कोई नहीं पराया.... की मधुर प्रस्तुति देते हुए कहा प्रायरू लोग कहते हैं, माया ने हमें जकड़ रखा है। जगत मायामय है, यह कथन कल्पित अज्ञान है। सर्वत्र ईश्वर का अस्तित्व होते हुए, उसे न समझ पाना ही अज्ञान या माया है। जिस व्यक्ति में सत्संगाति के प्रताप से यह विवेक जागृत हो जाता है कि सब कुछ ईश्वरमय है, तब वह किसी भी व्यक्ति के साथ छल, कपट और असत का व्यवहार नहीं करता।

उपस्थित अध्यात्म प्रेमियों को अपनी ओजस्वी वाणी में संबोधित करते हुए साध्वी जी ने कहा हमारे आसपास हर तरह के लोग हैं। यदि सभी की विशेषताओं को समझा जाए और उसके अनुरूप व्यवहार किया जाए तो जीवन में अधिक समस्या नहीं आएगी। संबंधों को कैसे निभाना है ? हम उन्हें कैसे निभा रहे हैं ? चाहे कितना भी घनिष्ठ मित्र हो, हमने उसके और अपने बीच एक सीमा रेखा खींच रखी है। दोनों में से कोई भी उसे लांघे तो विरोध का झंडा उठा देते हैं। कोई एक उदारतापूर्वक झुक जाए, तभी कड़वाहट दूर हो सकती है। एक बात समझ लें, हमारे चारों ओर के लोग बहुत ही अच्छे हैं, उनमें कोई ऐब नहीं है। संभव है, एकाध मौकों पर कुछ गलत व्यवहार हो गया हो, तो उन्हें तूल देना उचित नहीं है। चाहे रिश्तेदार हों, सहकर्मी हों, मित्र हों या पड़ोसी देश के हों.. दुनिया में पैदा हुआ कोई भी व्यक्ति हो, उनके पास ऐसे गुण होंगे, जो आपको पसंद हो और ऐसे गुण भी होंगे, जो आपको पसंद न हों, दोनों तरह के गुणों को समान रूप से स्वीकार करने की कला आ जाएं तो सारी समस्या खत्म हो जाएं। इसके विपरीत जरूरत पड़ने पर दूसरों पर लाड-प्यार बरसाने और जरूरत खत्म होने पर उन्हें दुत्कारने का रवैया जब तक रहेगा, अनबन और मन-मुटाव बना ही रहेगा। आप क्यों यह अपेक्षा करते हैं कि दूसरे बदल जाएं ? आप बदलिए न। जहां जिन-जिन से जैसा व्यवहार करना चाहिए, वैसा बरतने के लिए तैयार रहिए। अगले व्यक्ति से निपटने के लिए जो युक्ति कारगर रहेगी, उसका प्रयोग कीजिए।

पेयजल एवं सीवरेज निर्माण कार्यों को समय सीमा में पूरा करना सुनिश्चित करें - उप मुख्यमंत्री

रीवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने सर्किट हाउस में आयोजित बैठक में रीवा नगर निगम द्वारा किए जा रहे पेयजल एवं सीवरेज निर्माण कार्यों की समीक्षा की। बैठक में उन्होंने कार्यों की प्रगति, गुणवत्ता एवं निर्धारित समयसीमा के पालन को लेकर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि पेयजल एवं सीवरेज जैसी आधारभूत सुविधाएं आमजन के जीवन से सीधे जुड़ी होती हैं, इसलिए इन कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या विलंब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने निर्माण एजेंसियों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी निर्माण कार्यों को तय समयसीमा में पूरा करें तथा कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए नियमित मॉनिटरिंग करें। पेयजल की पाइपलाइन और सीवरेज लाइन निर्माण की कठिनाईयों को आपसी समन्वय से दूर करें। हर घर को पर्याप्त और साफ पानी देना आवश्यक है। उन्होंने यह कहा कि निर्माण कार्यों के कारण कोई पेयजल की पाइपलाइन क्षतिग्रस्त न हो। शहर में निर्माण कार्य करने वाले विभिन्न विभाग और निर्माण एजेंसियाँ, नगर निगम से समन्वय बनाकर निर्माण कार्य करें जिससे पूर्व से निर्मित संरचनाओं को किसी तरह का नुकसान न हो। जयंती कुंज, बाबा घाट, बिछिया और विवेकानंद वार्ड में निर्मित सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांटों का शीघ्र पूरा कर लोकार्पण कराएं। सीवरेज लाइन के निर्माण के लिए खुदाई का कार्य जहाँ तक संभव हो मैन्युअल कराने का प्रयास करें। मशीनों से खुदाई करने पर ही पाइपलाइन क्षतिग्रस्त होती है।

उप मुख्यमंत्री ने सीवरेज पाइपलाइन बिछाने के कार्य की वर्तमान प्रगति पर असंतोष व्यक्त करते हुए निर्माण एजेंसियों को मैनपावर बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्माण के कारण खुदी हुई सड़कों का तत्काल डामरीकरण और मरम्मत सुनिश्चित की जाए ताकि आवागमन बाधित न हो। अमृत योजना के अंतर्गत शहर के प्रत्येक वार्ड में शुद्ध पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु पाइपलाइन विस्तार और जल शोधन संयंत्रों की कार्यक्षमता की समीक्षा की गई। उपमुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि गर्मी के मौसम को देखते हुए जलापूर्ति में कोई व्यवधान नहीं आना चाहिए। बैठक में श्री शुक्ल ने यह भी कहा कि निर्माण कार्यों के दौरान आमजन को कम से कम असुविधा हो, इसका विशेष ध्यान रखें। जहां-जहां सड़कों की खुदाई की गई है, वहां शीघ्रता से मरम्मत कार्य पूर्ण कर यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाएं।

मेगा स्वास्थ्य शिविर का सैकड़ों हितग्राहियों ने लिया लाभ

पीएम के मन की बात विधायक के साथ भाजपा कार्यकर्ताओं ने सुनी

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। रविवार को स्थानीय मल्हार स्मृति मंदिर में भाजपा सदुरु शीलनाथ मंडल द्वारा मेगा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों की संख्या में हितग्राहियों ने पहुंचकर स्वास्थ्य लाभ लिया। इसके पूर्व देवास विधायक की उपस्थिति में भाजपा पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के मन की बात सुनी। मंडल अध्यक्ष शुभम चौहान एवं एडव्होकेट राजवर्धनसिंह सिकरवार ने बताया कि रविवार को अमलतास अस्पताल के सहयोग से आमजन के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए मेगा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक श्रीमती गायत्रीराजे पवार उपस्थित थी। वहीं अतिथि के रूप में भाजपा जिला महामंत्री राजेश यादव, विजयसिंह पंवार, महापौर प्रतिनिधि दुर्गेश अग्रवाल, सभापति रवि जैन, विधानसभा प्रभारी ओम जोशी, वरिष्ठ नेता मदनलाल कहार, भाजपा अजा मोर्चा जिलाध्यक्ष प्रमोद डोंगलिया, प्रदेश मंत्री संजय दायमा, भाजयुमो प्रदेश मंत्री आशीष झाला, रघुवीरसिंह भदौरिया, डॉ. आकाश प्रतापसिंह सोलंकी, जुगनू गोस्वामी, कपिलसिंह पंवार, रजतपाल सिंह राजपूत, नवीनसिंह सोलंकी आदि मंचासीन थे। अतिथियों का स्वागत मंडल अध्यक्ष शुभम चौहान, देवेंद्र नवगोत्री, सुरेश सिलोदिया, मधु शर्मा, भरत व्यास, अजय पहाड़िया, अर्जुन चौधरी, दुर्गेश चिल्लोरिया आदि ने किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक श्रीमती पवार ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी निरंतर मन की बात के माध्यम से भारत वर्ष में जागरुकता लाने का प्रयास कर रहे है और हमारा देश उनके नेतृत्व में विकसित होता जा रहा है। हमारे युवाओं ने आज स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया है, जो प्रशंसनीय कार्य है। ऐसे आयोजन होते रहना चाहिए। स्वास्थ्य शिविर में सेवा देने वाले चिकित्सकों व अमलतास अस्पताल की टीम का विधायक सहित अन्य अतिथियों ने अभिनंदन किया। कार्यक्रम का संचालन चेतन उपाध्याय ने किया एवं आभार अनिलराजसिंह सिकरवार ने माना।

सामाजिक समरसता केवल बातों में नहीं, कर्मों में दिखाई देना चाहिए - मुख्यमंत्री

जबलपुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भारत माता की जय का नारा सुनते ही उनका रोम-रोम पुलकित हो उठता है। उन्होंने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की कार्यप्रणाली को अद्भुत और अनुकरणीय बताते हुए कहा कि यह संगठन केवल बातों तक सीमित नहीं है, बल्कि सामाजिक समरसता को व्यवहार में उतारने का कार्य करता है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे कॉलेज के सिलेबस के साथ-साथ अपने सांस्कृतिक गौरव को भी समझें और भारत के निर्माण में आगे आकर कार्य करें। यह उद्बोधन उन्होंने घंटाघर स्थित नेताजी सुभाषचंद्र बोस कल्चरल एंड इंफोमेशन सेंटर गीता भवन में आयोजित अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के शिल्पकार स्वर्गीय यशवंत राव केलकर की जन्मशती के अवसर पर विशेष कार्यक्रम में दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्व. यशवंत राव केलकर को परिषद के वर्तमान स्वरूप की नींव का पत्थर बताया, जिन्होंने संगठन को गढ़ने में अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने छात्र जीवन के संस्मरण साझा करते हुए बताया कि परिषद एक परिवार की तरह है। उन्होंने कार्यकर्ताओं को सीख दी कि यदि हम छोटा बनकर काम करेंगे, तभी जीवन में बड़े लक्ष्य प्राप्त कर पाएंगे। विद्यार्थी आज का नागरिक है। विद्यार्थियों में जोश के साथ होश का संतुलन बनाये रखने के लिए इसमें शिक्षकों की भूमिका अतुल्नीय है। कार्यक्रम का भव्य शुभारंभ मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा स्वामी विवेकानंद और माँ सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलन और माल्यार्पण के साथ किया गया। इस दौरान वक्ताओं ने स्व. केलकर के जीवन दर्शन और संगठन की विशिष्ट कार्य पद्धति पर विस्तार से प्रकाश डाला। विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रघुराज किशोर तिवारी ने बताया कि आज विद्यार्थी परिषद विश्व का सबसे बड़ा छात्र संगठन है, जिसका श्रेय स्व. केलकर द्वारा विकसित की गई विशिष्ट कार्य पद्धति को जाता है।

सकारात्मक व्यक्तित्व को अपनाने की दिशा में प्रयासरत रहना चाहिये - मुख्य न्यायाधिपति संजीव सचदेवा

ग्वालियर/दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के तत्वाधान में दिनांक 26 अप्रैल, 2026 को पूरे मध्यप्रदेश की जेलों में विषेश जेल लोक अदालत का आयोजन किया गया, जिसका वर्चुअल माध्यम से उद्घाटन मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधिपति व मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के मुख्य संरक्षक न्यायमूर्ति श्री संजीव सचदेवा द्वारा केन्द्रीय जेल, ग्वालियर में किया गया।

इस अवसर पर उपस्थित बंदीगण को संबोधित करते हुये मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधिपति व मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के मुख्य संरक्षक न्यायमूर्ति श्री संजीव सचदेवा द्वारा बताया गया कि बंदीगण की जेल में आने की जो भी परिस्थितियां रही हो, किंतु यहां से बाहर निकलने तक की समयावधि में बंदीगण को एक सकारात्मक व्यक्तित्व को अपनाने की दिशा में प्रयासरत रहना चाहिये, ताकि सजा अवधि पूर्ण करने के उपरांत बंदीगण समाज की मुख्यधारा में जुड सकें। जेल में मिलने वाली मूलभूत सुविधाओं के प्रति भी न्यायमूर्ति द्वारा उपस्थित बंदीगण को अवगत कराते हुये इस जेल लोक अदालत के माध्यम से लाभान्वित होने हेतु समझाईश दी गई।

तत्पश्चात मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय खण्डपीठ-ग्वालियर के प्रशासनिक न्यायाधिपति न्यायमूर्ति श्री आनंद पाठक द्वारा उपस्थित बंदीगण को अवगत कराते हुये कहा कि पक्षकारगण को न्यायालय के समक्ष आना रहता है, जबकि इस कल्याणकारी जेल लोक अदालत के माध्यम से न्यायालय पक्षकार के पास आया है और लाभान्वित होने का एक मौका प्रदान कर रहा है। लोक अदालत का मूल उद्देश्य अपराध या विवाद को समाप्त करना नहीं है बल्कि अपराध या विवाद के कारणों को उजागर कर उसे समाप्त करने की दिषा में प्रयासरत होने का मौका देता है। साथ ही बताया कि हम सभी को यह प्रयास करना चाहिये कि वर्ष 2047 तक हम एक विवाद विहीन समाज की स्थापना कर सके और इस लक्ष्य प्राप्ति के लिये हमारे द्वारा दिया गया योगदान ही देश हितार्थ हमारा सद्कर्म होगा। यहां यह भी कहना आवश्यक है कि जिस ध्येय व उद्देश्य को आधार बनाकर मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जिस प्रकार कल्याणकारी योजनाओं को क्रियान्वित कर रहा है वह निश्चित ही एक विवाद विहीन समाज की स्थापना की नींव रख रहा है।

केन्द्रीय जेल, ग्वालियर में हुई जेल लोक अदालत में निराकरण हेतु कुल 60 प्रकरण चिन्हित किये गये और उनके निराकरण हेतु कुल 03 खण्डपीठों का गठन किया गया। लोक अदालत की प्रक्रिया अनुसार किये गये प्रयासों के फलस्वरूप 06 प्रकरण का प्ली-बारगेनिंग (अपराध स्वीकारोक्ति के आधार पर) तथा 12 आपराधिक प्रकृति के प्रकरणों में उभयपक्ष के मध्य आपसी सहमति के आधार पर समझौता हो जाने से कुल 18 प्रकरणों का निराकरण किया गया तथा इनमें से 7 बंदियों के रिहाई आदेश लोक अदालत खण्डपीठ के पीठासीन अधिकारी द्वारा जारी किये गये।

वर्ष-2016 से लंबित एक मामले में शिकायतकर्ता स्वयं जेल परिसर में आये ताकि वे आरोपी के साथ आपसी सुलह एवं समझौता कर सकें। पीठासीन अधिकारी श्रीमती स्वाति शर्मा की खण्डपीठ क्रमांक 02 द्वारा इस समझौते को दर्ज किया और प्रक्रिया अनुसार आदेश पारित करते हुये आरोपी को तुरंत रिहा करने का आदेश जारी किया गया। इस प्रकार लगभग एक दशक से लंबित प्रकरण को मौके पर ही निराकृत कर जेल लोक अदालत की प्रभावशीलता को दर्शाया।

गो सम्मान आहवान अभियान के तहत आज बदनावर में दिया जाएगा प्रार्थना पत्र

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। गोमाता हमारे देश की धरोहर है एवं सम्पूर्ण प्रकृति का पोषण करती है।भारत में गो हत्या निषेध कानून लागू हो और गो माता राष्ट्रमाता घोषित हो एवं सम्मान मिलें।इस हेतु सम्पूर्ण भारत में संतों के सानिध्य में यह गो सम्मान अभियान चलाया जा रहा है।इस अभियान के तहत बदनावर में भी प्रथम चरण में कल सोमवार 27 अप्रैल 2026 को प्रातः 10 बजे बस स्टैंड पर प्रार्थना पत्र (ज्ञापन)महामहिम राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, महामहिम राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री महोदय के नाम अनुविभागीय अधिकारी को दिया जाएगा।जिसकी तैयारी पूर्ण कर ली गई है।

बता दें की बदनावर विधानसभा की 90 पंचायतों में लगभग 51 हजार से ज्यादा हस्ताक्षर गो अभियान के तहत किए जा चुके है?।साथ ही गांव गांव में बैठक कर लोगों को अभियान का निमंत्रण पत्र दिया गया है। आयोजन में सभी धार्मिक संस्थान एवं हिन्दू समाज के लोगों ने बढ़ चढ़ कर के हिस्सा लिया।इस आयोजन में ना कोई आयोजक है ना प्रायोजक है ना ही समिति है।इस आयोजन को सफल बनाने के लिए सिर्फ गौभक्त ,

गौसेवक,गो वत्स, गोपालक गो समिती काम कर रही है? सभी लोग अपने अपने स्तर पर इस अभियान को आगे बढ़ाने में लगें हे?। अभियान पुरे एक वर्ष से भी ज्यादा समय चलेगा जिसमें प्रथम चरण कल सोमवार को है।जिसमें ज्ञापन सौंपा जाएगा।

यह देशव्यापी अभियान है।समस्त देश में एक साथ सोमवार को सुबह 10 बजे 5000 तहसीलों में ज्ञापन सौंपा जाएगा बदनावर तहसील के गौसेवक गोभक्त गोसमितीयों का एकत्रीकरण सुबह 10 बजें रखा गया है।इस अभियान का मुख्य उद्देश्य है केंद्र सरकार व देश के सभी राज्य सरकारों से राष्ट्र व भारतीय संस्कृति के हित में संविधान के दायरे में रहकर अहिंसक तरीके से प्रार्थना कर गोमाता को उचित अनुसंधान अनुदान मिले भारत में गो हत्या पर पूर्ण रूप से समाप्त हो गौ माता को राष्ट्र राष्ट्रीय माता का दर्जा मिले (राष्ट्रदेव) राष्ट्र आराध्याय राष्ट्र धरोहर राष्ट्र आधार बनने का मौलिक अधिकार प्रदान करना है यही उद्देश्य है।यही तीन संकल्प सेवा सुरक्षा सम्मान का मूल मंत्र रहे इस मूल मंत्र के साथ गो भक्त कार्य कर रहें हैं।

कार्यक्रम में प्रधान संरक्षण आदिशक्ति मां सुरभि(गोमाता) अध्यक्ष नंदीबाबा(नीलमणि वृषभदेव) आशिर्वाद भारतीय परंपरा के समस्त देवी देवता हैं साथ ही सहयोग भारतीय परम्परा के सभी आचार्य, मूर्धन्य संत, महापुरुष, सभी गो संत, गो भक्त, गोरक्षक, गो सेवक, गो पालक, गो पुत्र, गो वत्स, एवं गो प्रेमीजन होंगे।साथ ही राजनैतिक दल, संगठन, अथवा किसी भी राज्य अथवा केंद्र सरकार के विरुद्ध नहीं है।इस अभियान का उद्देश्य केवल यही है कि गोमाता को सेवा, सुरक्षा और सम्मान मिले।

अभियान के अंतर्गत बदनावर बस स्टैंड पर 30 बाई 75 का टेंट लगाया गया है। जिसमें मंच भी लगाया जाएगा साथ ही मंच पर गौ माता नंदी बाबा को विराजित किया जाएगा। साथ ही साधु संत माहात्मा मौजूद रहेंगे।इस दौरान भक्त हनुमान चालीसा का पाठ करेंगे साथ ही गौ माता की आरती के पश्चात अनुविभागीय अधिकारी को देश के महामहिम राष्ट्रपति माननीय प्रधानमंत्री माननीय मुख्यमंत्री महामहिम राज्यपाल आदि के नाम भक्त ज्ञापन सौंपेंगे। अतः सभी सपरिवार, इष्टमित्रों एवं समाज संस्थाजन सहित सम्मिलित होकर अनुग्रहित करें।साथ ही इस अभियान को अपने सोशल मिडिया एवं अन्य माध्यम से प्रचार प्रसार करें।इस अभियान की जानकारी गुगल या क्युआरकोड स्केन से प्राप्त कर सकते है।साथ ही किसी कारणवश यदि सुनवाई नहीं होती है तो दि. 27 जुलाई 2026 को जिला कलेक्टर इस पद्धति से जिले में प्रार्थना पत्र दिया जायेगा। यह अभियान किसी व्यक्ति, किसी दल, किसी संगठन का नहीं होकर हर उस व्यक्ति का है जो गाय को माँ मानता है। इसकी अध्यक्षता स्वयं नंदी बाबा कर रहे है और इसमें प्रधान संरक्षक गो माता है।

रात्री गश्त के दौरान 60 आरोपीयो को किया चैक

पूर्व से फरार चल रहे 10 स्थाई वारण्टीयो को किया गिरफ्तार

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। शनिवार-रविवार की दरमियानी रात काम्बिंग गश्त के दौरान थाना बडनगर पुलिस द्वारा प्रथक- प्रथक पुलिस टीम बनाई जाकर सघन काम्बिंग गश्त के चलते माननीय न्यायालय द्वारा जारी स्थाई-गिरफ्तारी वांरटो में फरार 10 आरोपियो को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। उक्त सभी गिरफ्तार शुदा वारंटियो को माननीय न्यायालय बडनगर पेश किया गया । जंहा से माननीय न्यायालय द्वारा 05 स्थाई/गिरफ्तार वारंटियो को जेल बडनगर भेजा गया है एवं 05 को जमानत पर रिहा किया गया ।

नाम वारण्टी- अनिल उर्फ अन्नि पिता राधेश्याम बरगुण्डा उम्र 21 साल निवासी बरगुण्डा मोहल्ला बडनगर

दिनेश पिता गणपत चौहान जाति चर्मकार उम्र 30 साल निवासी ठक्कर बाबा कलोनी बडनगर

गजेन्द्र उर्फ गेंदा पिता सुखदेव गौसर उम्र 34 साल निवासी सदर

रियाज उद्दीन पिता समशुद्दीन जाति मुसलमान उम्र 39 साल निवासी गुलाबपुरा बडनगर

अजय पिता प्रकाश धानुक जाति मेहतर उम्र 30 साल निवासी रेल्वे स्टेशन रतलाम

जमानत पर रिहा आरोपी-

कृष्णा बाई पति रतनलाल चौहान उम्र 45 साल निवासी ग्राम अमला

मोहनलाल पिता रतनलाल चौहान उम्र 25 साल निवासी ग्राम अमला

सुनील पिता कमल दास बैरागी उम्र 40 साल निवासी नागेस्वर मार्ग बदनावर

पवन पिता गिरधारीलाल राठौर उम्र 45 साल निवासी संगम चोराहा बडनगर

सुशील कुमार पिता कैलाश जैन उम्र 42 साल निवासी रंगारसेरी बडनगर

सराहनीय भूमीका- थाना बडनगर पुलिस टीम एस.डी.ओ.पी.श्री महेन्द्र सिंह परमार, थाना प्रभारी अशोक कुमार पाटीदार, उनि हेमन्त कटारे, उनि चांदनी पाटीदार, सउनि सरदारसिह भगोरा, प्रआर प्रदीप डामोर, आर राकेश, आर सुर्यकुमार, आर स्वरुप, आर मनोहर मोहरी, आर महेश मोर्य, आर हितेश, आर अजय, आर अश्विन, मआर 1696 ज्योती हाडा, सैनिक धर्मेन्द्र डाबी की सराहनीय भूमिका रही ।

जगतगुरु शंकराचार्य के जीवन व दर्शन पर जन अभियान परिषद ने आयोजित की जिला स्तरीय व्याख्यानमाला

कटनी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद कटनी द्वारा जगतगुरु आदि शंकराचार्य की जयंती पखवाड़े के अंतर्गत जिला स्तरीय व्याख्यान माला का आयोजन आनंदम स्थल कटनी में किया गया। जिसमें अतिथि के रूप में गरुणध्वज वैदिक शिक्षा समिति के उपाध्यक्ष शिक्षाविद रामाधार गौतम, वरिष्ठ समाजसेवी सुनील उपाध्याय एवं ग्रामीण आजीविका मिशन के सहायक प्रबंधक राम सुजान द्विवेदी उपस्थित हुए। कार्यक्रम के प्रथम चरण में अतिथियों द्वारा आदि गुरु शंकराचार्य के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलन करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के प्रथम चरण में जिला समन्वयक डॉ. तेज सिंह केशवाल के द्वारा कार्यक्रम की प्रस्तावना व्यक्त करते हुए कहा गया कि जन अभियान परिषद द्वारा समय-समय पर ऐसे आयोजनों के माध्यम से समाज दिशा और प्रेरणा देने वाले महापुरुषों का स्मरण करके उनके जीवन के प्रेरणादायी कार्यों को आम जन तक पहुंचाने का प्रयास सदैव किया जाता है। इसी श्रृंखला में जिला स्तरीय व्याख्यान माला का यह कार्यक्रम आयोजित किया गया है। अतिथि वक्ता के रूप में उपस्थित गरुणध्वज वैदिक शिक्षा समिति के उपाध्यक्ष एवं शिक्षाविद् रामाधार गौतम ने अपने उद्बोधन में बताया कि जब जब धर्मग्लानि होती है तब-तब धर्म संस्थापन के लिए भगवान अवतीर्ण होते हैं। ऐसी उनकी गीता में अमरवाणी है। बौद्ध धर्म के आपसी विरोध, कलह तथा पतन एवं वैदिक धर्म में भी विविध कलुषित मत, संप्रदाय इत्यादि का उद्भव उस समय हुआ था। ऐसी स्थिति में भगवान् शिव केरल के कालडी ग्राम में एक ब्राह्मण परिवार में अवतीर्ण हुए।

मेडिकल लैब टेक्नीशियन वेलफेयर एसोसिएशन की बैठक सम्पन्न, फर्जी लैब पर कार्रवाई को लेकर बनी रणनीति

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। मेडिकल लैब टेक्नीशियन वेलफेयर एसोसिएशन की महत्वपूर्ण बैठक बड़नगर में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष राहुल पौराणिक एवं तहसील अध्यक्ष श्रीमती प्रिया प्रमोद भट्ट ने की। इस दौरान वर्ष 2026-27 के लिए एसोसिएशन के सभी सदस्यों एवं पदाधिकारियों को सदस्यता प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

बैठक में जिले में संचालित हो रही फर्जी लैबों के खिलाफ सख्त कार्रवाई को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। सदस्यों ने चिंता जताई कि कई स्थानों पर बिना योग्य लैब टेक्नीशियन के, यहां तक कि आठवीं पास व्यक्ति द्वारा भी लैब संचालित की जा रही हैं, जो मरीजों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा है।

एसोसिएशन ने निर्णय लिया कि ऐसे अवैध लैबों को बंद कराने के लिए शीघ्र ही मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी एवं ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा जाएगा।

बैठक में सुयश पैथोलॉजी लैब से सत्यप्रकाश पंड्या, एस.एस. लैब से प्रदीप सिंह चंद्रावत (दीपू भैया), दक्ष पैथोलॉजी लैब से जुगल किशोर शिवहरे, विशेष पैथोलॉजी लैब से एल.एन. हारोड तथा असद डायग्नोस्टिक से विजय सोलंकी सहित अन्य सदस्य एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

खाकी का खौफ, नाबालिग को सरेराह पीटा, शिकायत लेकर थाने पहुंचे पीड़ित को पुलिस ने दुत्कार कर भगाया

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बदनावर में पुलिसिया कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। यहाँ एक 15 वर्षीय नाबालिग बालक के साथ पुलिसकर्मी द्वारा मारपीट का मामला सामने आया है। चौंकाने वाली बात यह है कि पीड़ित जब अपने साथ हुई बर्बरता की शिकायत लेकर थाने पहुँचा, तो पुलिस ने अपने साथी कर्मचारी के खिलाफ केस दर्ज करने के बजाय पीड़ित को ही थाने से भगा दिया।

बदनावर निवासी 15 वर्षीय दक्ष शर्मा रविवार सुबह करीब 4:00 बजे बड़नगर काम से लौट रहा था। बड़ी चौपाटी हनुमान मंदिर के पास स्कूल शंकर लाल मकवाना और उनके ड्राइवर ने उसे रोका। आरोप है कि बिना किसी कारण के पुलिसकर्मियों ने नाबालिग को मां-बहन की भद्दी गालियां दीं और करीब 20 से 30 थप्पड़ व लातों से उसकी बेरहमी से पिटाई की। मारपीट इतनी भीषण थी कि बालक की नाक से खून बहने लगा।

इस मामले में पुलिस का सबसे नकारात्मक चेहरा तब सामने आया जब पीड़ित अपनी चोटें और अस्पताल की स्पष्ट रिपोर्ट लेकर थाने पहुँचा। जानकारी के अनुसार, देर शाम तक फरियादी थाने के चक्कर काटता रहा, लेकिन पुलिस ने अपने ही विभाग के सब-इंस्पेक्टर के खिलाफ स्पष्ट दर्ज करने से साफ इनकार कर दिया। आरोप है कि कार्रवाई करने के बजाय पुलिसकर्मियों ने पीड़ित को थाने से डरा-धमका कर भगा दिया।

पुलिस द्वारा सुनवाई न होने पर पीड़ित नाबालिग ने अब मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्रालय मोहन यादव , पुलिस अधीक्षक धार और ढूत इंदौर को पत्र लिखकर गुहार लगाई है। पत्र में स्पष्ट किया गया है कि एक नाबालिग के साथ सरेराह हुई इस हिंसा पर दोषी पुलिसकर्मी और ड्राइवर के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

वर्दी की आड़ में एक बच्चे पर हाथ उठाना और फिर कानून का रखवाला होकर ही कानून की शिकायत न लिखना, बदनावर पुलिस की निष्पक्षता पर बड़ा प्रश्नचिह्न लगाता है। अब देखना यह होगा कि क्या धार जिले के उच्च अधिकारी इस मामले का संज्ञान लेकर पीड़ित बालक को न्याय दिलाते हैं या खाकी अपने दागों को इसी तरह छिपाती रहेगी।

जीवदया और मानव सेवा की परंपरा को आगे बढ़ाते मनोहरलाल काठेड़ और उनके पुत्र रवि काठेड़

संस्कारों से सजी सेवा की विरासत, समाज के लिए बन रही प्रेरणा

नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। समाज में कुछ परिवार ऐसे होते हैं, जिनकी पहचान उनके सेवा कार्यों से बनती है। ऐसा ही एक नाम है मनोहरलाल काठेड़, जिन्होंने वर्षों से समाजसेवा के साथ ही जीवदया और मानव सेवा के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाई है। उनके आदर्शों और संस्कारों को आगे बढ़ाते हुए उनके पुत्र रवि काठेड़ आज समाज में सेवा और समर्पण की नई मिसाल बन रहे हैं।

पिता से मिली सेवा की प्रेरणा- रवि काठेड़ का जीवन इस बात का उदाहरण है कि मजबूत संस्कार व्यक्ति को समाज के लिए समर्पित बना सकते हैं। बचपन से ही उन्होंने अपने पिता को सेवा कार्यों में सक्रिय देखा, जिससे उनके भीतर भी दूसरों के लिए कुछ करने की भावना जागृत हुई।

जीवदया- हर प्राणी के प्रति करुणा- रवि काठेड़ जीवदया के क्षेत्र में विशेष रूप से सक्रिय हैं। गौसेवा, घायल पशुओं का उपचार और पक्षियों की देखभाल जैसे कार्यों में उनका योगदान सराहनीय है। उनके प्रयासों से कई असहाय पशुओं को नया जीवन मिला है।

मानव सेवा में भी अग्रणी भूमिका- पिता की तरह रवि काठेड़ भी मानव सेवा में पीछे नहीं हैं। वे जरूरतमंदों को आर्थिक सहायता, बीमारों के इलाज में सहयोग और आपदा के समय राहत कार्यों में सक्रिय रहते हैं। उनका मानना है कि सच्ची सेवा वही है, जो जरूरतमंद के काम आए।

सामाजिक कार्यक्रमों के माध्यम से सेवा- काठेड़ परिवार द्वारा समय-समय पर निशुल्क चिकित्सा शिविर, शिक्षा सहायता और अन्य सामाजिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जिनसे समाज के अनेक लोगों को लाभ मिलता है।

युवाओं के लिए प्रेरणा- रवि काठेड़ युवाओं को समाजसेवा के लिए प्रेरित कर रहे हैं। वे उन्हें सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ने और समाज के प्रति जिम्मेदारी निभाने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।

संस्कारों से मजबूत परिवार- काठेड़ परिवार सेवा और संस्कारों की मिसाल है। परिवार के सभी सदस्य सामाजिक कार्यों में सहयोग करते हैं, जिससे सेवा की यह परंपरा लगातार मजबूत हो रही है।

सादगी और निस्वार्थ सेवा- रवि काठेड़ सादगी और विनम्रता के साथ बिना किसी दिखावे के समाजसेवा करते हैं। यही गुण उन्हें लोगों के बीच विशेष सम्मान दिलाते हैं।

समाज के लिए प्रेरणादायक उदाहरण- आज के समय में मनोहरलाल काठेड़ और रवि काठेड़ जैसे लोग समाज के लिए प्रेरणा स्रोत हैं। उनकी सेवा यह संदेश देती है कि सच्ची सफलता दूसरों के जीवन में खुशियां लाने में है।

भविष्य की दिशा - रवि काठेड़ आगे भी समाजसेवा के कार्यों को विस्तार देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उनका उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों को इस दिशा में जोड़ना है, ताकि समाज में सहयोग और करुणा की भावना और मजबूत हो सके।

इस प्रकार, पिता से मिली प्रेरणा और संस्कारों के बल पर रवि काठेड़ समाजसेवा की उस परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए एक आदर्श बनेगी।

नरवाई न जलाएं, वैकल्पिक प्रबंधन अपनाएं - प्रगतिशील किसान बने प्रेरणास्रोत

सीहोर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नरवाई जलाने की परंपरा को समाप्त कर पर्यावरण संरक्षण एवं मृदा उर्वरता बढ़ाने की दिशा में प्रदेश के प्रगतिशील किसान अब प्रेरणादायी उदाहरण प्रस्तुत कर रहे हैं। इसी क्रम में सीहोर जिले की जावर तहसील के ग्राम कुंडिया धांधा के प्रगतिशील किसान श्री भारत सिंह द्वारा नरवाई प्रबंधन के क्षेत्र में किया गया नवाचार अन्य किसानों के लिए मार्गदर्शक सिद्ध हो रहा है। उन्होंने अपनी लगभग 65 एकड़ कृषि भूमि में बिना नरवाई जलाए आधुनिक तकनीकों एवं कृषि यंत्रों के माध्यम से सफलतापूर्वक फसल अवशेष प्रबंधन कर यह साबित किया है कि कम लागत में भी अधिक क्षेत्र में प्रभावी ढंग से खेती की जा सकती है। किसान श्री भारत सिंह द्वारा अपनाई गई तकनीक में विशेष प्रकार के कृषि यंत्र का उपयोग किया जाता है, जिसके माध्यम से खेत में खड़ी नरवाई को जड़ से काटकर उसे मिट्टी में मिला दिया जाता है। इसके पश्चात कल्टीवेटर या अन्य यंत्रों से भूमि को तैयार किया जाता है, जिससे फसल अवशेष प्राकृतिक रूप से सड़कर खाद का कार्य करते हैं। इससे भूमि की उर्वरता में वृद्धि होती है तथा अगली फसल के लिए बेहतर उत्पादन की संभावना बढ़ जाती है।

कलेक्टर श्री बालागुरू के. द्वारा भी इस नवाचार की सराहना करते हुए किसानों से अपील की गई है कि वे नरवाई जलाने जैसी हानिकारक प्रथा से बचें। नरवाई जलाने से जहां वायु प्रदूषण बढ़ता है, वहीं मिट्टी के सूक्ष्म जीव नष्ट हो जाते हैं और भूमि की उर्वरता में कमी आती है। इसके विपरीत, वैज्ञानिक पद्धतियों से नरवाई प्रबंधन करने पर पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ किसानों को आर्थिक लाभ भी प्राप्त होता है। इस नवाचार के लिए तहसीलदार श्री ओमप्रकाश चोरमा द्वारा किसान श्री भारत सिंह को पुष्पगुच्छ, भेंट कर सम्मानित किया गया।

बूथ स्तर का कार्यकर्ता भी राष्ट्रीय नेतृत्व तक पहुंच जाता- प्रदेशाध्यक्ष पाटीदार

भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चे के प्रदेशाध्यक्ष बदनावर आए

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय जनता पार्टी पिछड़ा वर्ग मोर्चे के प्रदेशाध्यक्ष पवन पाटीदार रविवार को बदनावर क्षेत्र के दौरे पर आए। यहां भाजपा कार्यकर्ताओ ने उनका धुमधाम से स्वागत किया।

पाटीदार का रतलाम रोड पर स्थित दत्तीगांव पेट्रोल पंप पर भाजपा कार्यकर्ताओ ने स्वागत किया। यहां से वे काफिले के साथ उज्जैन रोड पर स्थित भाजपा नेता नजमुद्दीन बोहरा के पोल्ट्री फार्म पहुंचे। जहां उनका पूर्व कैबिनेट मंत्री राजवर्धन सिंह दत्तीगांव की उपस्थिति में साफा बांधकर स्वागत किया गया। इस मौके पर प्रदेश महामंत्री नरेंद्र राठौड़ समेत अन्य पदधिकारियो का भी स्वागत किया गया।

इस अवसर पर भाजपा के नगर मंडल अध्यक्ष मनीष गुर्जर, ग्रामीण मंडल अध्यक्ष गोविंद रघुवंशी, कानवन मण्डल अध्यक्ष दिलीपसिंह सोलंकी, बिड़वाल मंडल अध्यक्ष संतोष ढोलकिया, भाजपा के पूर्व जिला उपाध्यक्ष जितेंद्र जाट, भाजपा नेता नजमु बोहरा, भाजयुमो के पूर्व जिला उपाध्यक्ष पंकज जायसवाल, नगर परिषद उपाध्यक्ष राजेंद्रसिंह पंवार, भाजपा नगर महामंत्री सन्तोष राव, पूर्व मंडल अध्यक्ष अक्षय शर्मा व उमेश पाटीदार, पार्षद जितेंद्र शर्मा, सन्तोष चौहान, दीपक जाधव, राधेश्याम हारोड़, राहुल डोडिया, सुनील परमार, अमित गांधी, मोहित पाँचाल, केके पाटीदार समेत बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता मौजूद थे।

इस मौके पर प्रदेशाध्यक्ष पवन पाटीदार ने सँगठनात्मक चर्चा करते हुए कार्यकर्ताओ से कहा कि हमे पार्टी का काम सक्रियता से करना है। जो कार्यकर्ता काम करता है उसकी चिंता संगठन जरूर करता है। हमारे संगठन में बूथ स्तर का कार्यकर्ता भी राष्ट्रीय नेतृत्व तक पहुंच जाता है। बूथ पर काम करने वाला व्यक्ति विधायक, सांसद, मुख्यमंत्री व प्रधानमंत्री बनते हुए भी हमने देखा है। संगठन भाव के साथ काम करें व पार्टी की मजबूती के लिए हमेशा कार्य करते रहे।

उन्होंने कहा कि ओबोसी वर्ग के कल्याण व विकास के लिए शासन ने कई योजनाएँ बनाई है। हमे उनका लाभ आम लोगो को दिलाना चाहिए। केंद्र व राज्य सरकार की महत्वकांक्षी योजनाओ से आम व्यक्ति के जीवन मे खुशहाली आई है। कार्यक्रम का संचालन पंकज जायसवाल ने किया। आभार पूर्व जिला उपाध्यक्ष जितेंद्र जाट नाना ने माना। यह जानकारी भाजपा के जिला सह मीडिया प्रभारी मनोज सोलंकी कवि ने दी।

स्त्री रोग विशेषज्ञों ने 503 हाईरिस्क गर्भवती महिलाओं की जांच की

खण्डवा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत् मातृ मृत्यु दर में कमी लाने और गर्भवती महिलाओं को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से उनकी प्रसव पूर्व जांच की जाती है। प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत हर माह की 9 एवं 25 तारीख को जिले के सभी सरकारी अस्पतालों में स्वास्थ्य शिविर लगाकर स्त्री रोग विशेषज्ञ व चिकित्सको द्वारा गर्भवति एवं हाईरिस्क गर्भवती महिलाओं की जांच कर उपचार किया जाता है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. ओ. पी. जुगतावत ने बताया कि इसी क्रम में गुरूवार को जिलें की स्वास्थ्य संस्थाओं में 503 से अधिक हाईरिस्क गर्भवति महिलाओं की चिकित्सको द्वारा आवश्यक जाँच कर परामर्श दिया गया। जांच के दौरान जटिलताओं को देखते हुए ऐसी चिन्हांकित गर्भवति महिलाओ की निशुल्क सोनोग्राफी करवाई गई। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. ओ. पी. जुगतावत ने बताया कि एनिमिया, उच्च रक्तचाप, शुगर, पूर्व में सिजेरियन प्रसव, जुड़वा बच्चें, गर्भ में उल्टा बच्चा, पूर्व में गर्भपात, पूर्व में जन्में शिशु में जन्मजात विकृति, 35 वर्ष से अधिक उम्र में गर्भधारण होना, टीबी, गुरदे, हदय रोग, मलेरिया, एचआईवी, हैपेटाइटिस बी जेसे रोगो से ग्रसित गर्भवति महिलाएं हाईरिस्क की श्रेणी मे मानी जाती है।

बड़नगर की सड़कों पर दौड़ रहा मौत का करंट: 8 महीने की घोर लापरवाही पर शिवसेना का अंतिम प्रहार, 48 घंटे में नहीं हटे बोर्ड तो होगा शिवसेना स्टाइल में इलाज!

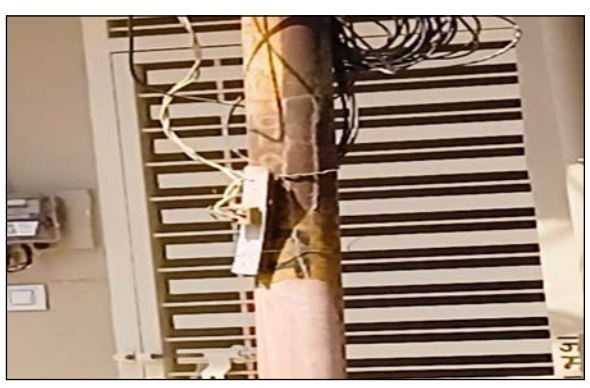

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। नगरपालिका प्रशासन और सोए हुए जनप्रतिनिधियों की संवेदनहीनता ने पूरे शहर को एक टाइम बम पर बिठा दिया है। सावन की अंतिम सवारी के लिए लगाए गए बिजली के अस्थायी बोर्ड, जिन्हें नियमों के मुताबिक कार्यक्रम के 24 घंटे के भीतर हटाया जाना अनिवार्य था, वे 8 महीने बीत जाने के बाद भी आज भी यमराज बनकर झूल रहे हैं।

?शिवसेना नगर अध्यक्ष संतोष बगेरवाल ने कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि पूरे नगर में 20, 25 से ज्यादा पोल पर ये जानलेवा बोर्ड (करंट) खुले पड़े हैं। किसी के घर के दरवाजे के ठीक सामने, तो कहीं मेवाड़ा माली समाज मंदिर, जय स्तंभ चौक, आजाद चौक और गेंदा बावड़ी मेन बाजार जैसे भीड़भाड़ वाले सार्वजनिक स्थलों पर ये नंगे तार मासूम बच्चों और राहगीरों की जान लेने को आमादा हैं।

?सुरक्षा नियमों की धज्जियाँ उड़ाता प्रशासन-

बगेरवाल ने तकनीकी और कानूनी पहलू उठाते हुए बताया कि– नियमों के अनुसार किसी भी अस्थाई कनेक्शन को तय समय सीमा के बाद रखना गैरकानूनी है। यह न केवल सुरक्षा के साथ खिलवाड़ है, बल्कि सीधे तौर पर बिजली चोरी और सुरक्षा नियमों का खुला उल्लंघन भी है। हाल ही में गेंदा बावड़ी पर एक लोडिंग वाहन करंट की चपेट में आया, क्या प्रशासन किसी की लाश गिरने का इंतज़ार कर रहा है?

शिवसेना ने दिया 48 घंटे का अल्टीमेटम-शिवसेना ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि बड़नगर की जनता अब इन फांसी के फंदों के नीचे नहीं चलेगी। नगर अध्यक्ष ने दोटूक लहजे में कहा– प्रशासन हमारे धैर्य की परीक्षा न ले। यदि अगले 48 घंटों के भीतर इन सभी 20-25 जानलेवा पोलों को दुरुस्त कर बोर्ड नहीं हटाए गए, तो शिवसेना अपने अंदाज़ में जवाब देगी। इसके बाद शिवसेना के अंदाज में इलाज होगा फिर जो भी स्थिति बनेगी, उसकी संपूर्ण जिम्मेदारी सोई हुई नगरपालिका और उनके सोए हुए अध्यक्ष की होगी। शिवसेना हमेशा आमजन के हितों और उनकी सुरक्षा के लिए सदैव तत्पर है और इसके लिए किसी भी हद तक जाकर संघर्ष करेगी।

करियर गाइडेंस सेशन में विद्यार्थियों को मिली नई उड़ान

80% से अधिक अंक लाने वाले मेघावी छात्र हुए सम्मानित

नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय जैन संघटना, नागदा शाखा द्वारा बीजेएस फाउंडेशन प्रोग्राम श्रृंखला के अंतर्गत रविवार को श्रीराम कॉलोनी स्थित स्नेह स्कूल में एक प्रेरणादायक करियर गाइडेंस सेशन का आयोजन किया गया। कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों के लिए आयोजित इस कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं और अभिभावकों की उत्साहपूर्ण उपस्थिति ने आयोजन को खास बना दिया।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में इंदौर से पधारीं डॉ. स्मृति जैन ने अपने प्रभावशाली वक्तव्य से विद्यार्थियों को करियर की सही दिशा चुनने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने स्ट्रीम चयन, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी, स्किल डेवलपमेंट, समय प्रबंधन और आत्मविश्वास जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर सरल और व्यावहारिक मार्गदर्शन दिया। साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों को अपनी रुचि और क्षमता के अनुरूप लक्ष्य तय करने की सलाह दी, जबकि अभिभावकों को बच्चों का मनोबल बढ़ाने का संदेश दिया।

कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में बीजेएस नागदा के संस्थापक अध्यक्ष एस.एम. सिसोदिया, जिला सचिव डॉ. अंजुली कांठेड़ एवं स्नेह संस्थापक पंकज मारू उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता अंकुर जैन ने की। बीजेएस ने बच्चों की प्रतिभा निखारने हेतु संचालन के लिए बच्चों को आगे किया। इस बार मंच संचालन दिति हितेश कांठेड़ और मिहिका निलेश अग्रवाल द्वारा किया गया, जिसने कार्यक्रम को और जीवंत बना दिया। आभार सचिव मयंक चालपोत ने माना।

मीडिया प्रभारी अनुज नाहर के अनुसार, कार्यक्रम में कक्षा 10वीं और 12वीं में 80त से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। विशेष रूप से कल्पना सुरेश डाबिया (कक्षा 10वी में राज्य स्तर पर 7वां स्थान) और कंशित ललित गनेरीवाल (उज्जैन जिले में 12वीं विज्ञान स्ट्रीम में तृतीय स्थान) को ट्रॉफी और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इन होनहार विद्यार्थियों की उपलब्धियों ने पूरे माहौल को गौरव और प्रेरणा से भर दिया।

कार्यक्रम में शरद जैन,मनोज कोठारी , हितेश कांठेड़, आशीष पोखरना, कमल जैन, विभोर चोपड़ा, श्रेणिक बम, कमलनयन चपलोत, मनीष कांठेड़, धर्मेंद्र बम सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

यह आयोजन न केवल विद्यार्थियों के लिए मार्गदर्शक साबित हुआ, बल्कि उनके उज्ज्वल भविष्य की ओर एक सशक्त कदम भी बना।

आदि गुरु शंकराचार्य जी की जयंती पर हुआ व्याख्यान माला का आयोजन

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। भारत भूमि ज्ञान की भूमि रही हैं यहाँ अनेक महापुरुषों ने जन्म लिया ,भारत भूमि आदिकाल से कर्म भूमि भी रही हैं, महान विभूतियों ने अपने कर्मों के माध्यम से इस पावन धरा को विश्व मे ख्याति दिलाई हैं जिनमे हमारे आदिगुरु शंकराचार्य का नाम भी सूर्य की भांति प्रज्ज्वलित होता हैं,बाल्यकाल से ही वे प्रखर बुध्दि से श्लोकों सूत्रों और वेदों के ज्ञाता थे, सनातन धर्म और हमारी संस्कृति के प्रचार में उनका अमूल्य योगदान हैं, विद्यार्थी और युवा साथी राष्ट्र के निर्माता है एवं हमारे राष्ट्र को सशक्त बनाने के लिए विद्यार्थियों को आदिगुरु शंकराचार्य के आदर्शों को समझ कर उनको आत्मसात करना होगा उक्त वक्तव्य डॉ अनिल पाटीदार ने प्रधानमंत्री कालेज ऑफ एक्सीलेंस में संचालित सीएमसीएलडीपी पाठ्यक्रम में आयोजित व्यख्यान माला में कही, म.प्र. जनअभियान परिषद योजना आर्थिक व सांख्यिकी विभाग की जिला समन्वयक सुश्री ज्योति वर्मा के निर्देशन में मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम अंतर्गत एकदिवसीय व्यख्यान माला का आयोजन शहीद भीमा नायक शा.स्ना. महाविद्यालय में किआ गया, आचार्य शंकराचार्य की जयंती 22 अप्रेल से 30 अप्रेल पूरे सप्ताह तक पूरे प्रदेश में मनाया जा रहा हैं उसी अवसर पर विशेष वक्ता श्री सुनील दशोरे ने बताया कि आदिगुरु शंकराचार्य ने देश को एकता के सूत्र में और धर्म को पुनर्जीवित करने के लिए पूरे देश मे मठो एवं धार्मिक संस्थानों की स्थापना की, उन्होंने बताया कि संपूर्ण संसार का हित ब्रह्म में निहित हैं, ज्ञान ही हमे अज्ञानता के अंधेरे से प्रकाश की ओर ले जायेगा और ज्ञान प्राप्त करने के लिए हमे महापुरुषों के जीवन दर्शन को जानना होगा, महापुरुषों के आदर्शों पर चल कर ही हम हमारे राष्ट्र का विकास कर उसे महान बना सकते हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही जिला समन्वयक सुश्री ज्योति वर्मा ने विद्यार्थियों को अपने विषय के प्रीति जागरूकता रखने और समाज के प्रति स्वंय की जवाबदेही निश्चित करने की बात कही और बताया कि जनअभियान परिषद समय समय पर महापुरुषों की जयंती मानता आया हैं।

तिलक समारोह में अनूठी पहलः ?25 लाख नगद व 15 तोला सोना लौटाकर राजावत परिवार ने दिया, समाज को सादगी का संदेश

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। तहसील के ग्राम बंगरेड में लोटस रिसॉर्ट में आयोजित तिलक समारोह ने सामाजिक मूल्यों और सादगी की एक प्रेरणादायक मिसाल प्रस्तुत की।

गांव के प्रतिष्ठित राजावत परिवार में आयोजित समारोह में कमलसिंह राजावत के सुपौत्र एवं लोटस ग्रुप के चेयरमेन जितेंद्रसिंह राजावत के पुत्र..आदर्शदीप सिंह के तिलक अवसर पर वधु पक्ष द्वारा 25 लाख रुपए की राशि नगद एवं 15 तोला सोना भेंट स्वरूप प्रदान किया गया।

इस अवसर पर राजावत परिवार ने अत्यंत सराहनीय निर्णय लेते हुए..एक अंगूठी को प्रतीकात्मक रूप में स्वीकार कर शेष संपूर्ण नगद राशि एवं स्वर्ण आभूषणों को पूरे सम्मान के साथ वधु पक्ष (तामलपुर) को वापस लौटा दिया।

जितेंद्रसिंह राजावत के इस कदम को समाज में दहेज प्रथा के विरुद्ध एक सशक्त संदेश और सादगीपूर्ण परंपराओं को बढ़ावा देने वाली पहल के रूप में देखा जा रहा है।

चूंकि जितेंद्रसिंह राजावत..क्षत्रिय महासभा (राजपूत समाज) के जिलाध्यक्ष भी है ! उनकी यह पहल..निश्चित ही सम्पूर्ण समाज हेतु भी प्रेरणास्पद होगी।

स्थानीय नागरिकों एवं समाज के प्रबुद्धजनों ने इस कार्य की अत्यंत प्रशंसा करते हुए इसे अनुकरणीय बताया है।

यह पहल न केवल सामाजिक जागरूकता को प्रोत्साहित करती है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी एक सकारात्मक दिशा निर्धारित करती है।

समारोह में उपस्थित लोगों ने राजावत परिवार के इस आदर्श कदम के लिए उन्हें साधुवाद देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य एवं निरंतर प्रगति की कामना की।

पराली जलाने गया वृद्ध आग की लपटों में घिरा, मौत

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। खेत में पराली जलाने गया वृद्ध रविवार दोपहर आग की लपटों में गिर गया। आस-पास कोई नहीं था जिसके चलते वह पूरी तरह जल गया। घटना की जानकारी लगते ही गांव वालों की भीड़ जमा हो गई मौके पर भतीजे ने पहुंचकर पहचान की।

भेरूगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम सोड़ग में रहने वाला रामेश्वर पिता लक्ष्मण अंजना 60 साल सुबह 11 बजे के लगभग घर से सारीबाड़ी वाली मोड़ स्थित खेत पर पराली जलाने का बोलकर निकला था। दोपहर 2 बजे तक वापस नहीं लौटा, भतीजा दिनेश अंजना खेत पर देखने के लिए पहुंचा। जहां गांव वालों की भीड़ लगी दिखाई दी खेत में पराली भी जल रही थी। गांव वालों की भीड़ के बीच पहुंचने पर एक व्यक्ति जली हुई हालत में मृत पड़ा दिखाई दिया। दिनेश ने अपने काका की तलाश की लेकिन वह दिखाई नहीं दिए। शंका के आधार पर जले व्यक्ति को गौर से देखा, जो रामेश्वर जैसा दिखाई दे रहा था भतीजे दिनेश ने परिवार वालों को बुलाया इस दौरान मृतक के जूते और जले हुए कपड़ों के हिस्से से उसकी पहचान कर ली गई। मामले की जानकारी लगते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई थी। मामले में मर्ग कायम कर शाम को पोस्टमार्टम कराया गया। परिजनों ने बताया कि सुबह पराली जलाने का बोलकर निकले थे, रामेश्वर की शादी हो चुकी थी लेकिन बच्चे नहीं थे। वह खेती किसानी का काम करते थे कुछ महीनो से उनका मानसिक संतुलन भी ठीक नहीं था। पुलिस के अनुसार मृतक का जला हुआ शव पड़ोस के खेत में मिला है जो बोहरा समुदाय के व्यक्ति का है, आशंका जताई गई है कि अपने खेत में जलाई गई परली की आग पड़ोसी के खेत में पहुंच गई थी जिसे बुझाने के लिए तार फेंसिंग पर कर रामेश्वर पड़ोसी के खेत में पहुंचा था लेकिन तारों में उलझने से गिर गया और आग ने उसे घेर लिया। पुलिस के अनुसार पोस्टमार्टम रिपोर्ट से घटना पूरी तरह स्पष्ट हो पाएगी। फिलहाल परिजनों के बयान दर्ज किया जा रहे हैं।

तिरुपति डायमंड में बदमाशों ने तोड़ा मकान का ताला

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर नागदा बायपास मार्ग पर सूने मकान में चोरी की बड़ी वारदात हो गई। रविवार को परिवार लौटा तो मकान के ताले टूटे हुए थे। बदमाश लाखों के आभूषण और नगदी चुरा कर ले गए हैं।

नीलगंगा थाना पुलिस ने बताया कि इंदौर नागदा बायपास मार्ग पर तिरुपति डायमंड कॉलोनी में इंजीनियर विनय तंवर का मकान बना हुआ है। शनिवार को शादी में शामिल होने के लिए परिवार इंदौर गया हुआ था रविवार दोपहर लौटने पर मकान का ताला टूटा मिला। बदमाशों ने चार से 5 लाख के आभूषण और 2 लाख से अधिक की नगद राशि चोरी कर ली थी। परिवार की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और फिंगरप्रिंट टीम्स को बुलाकर जांच शुरू की गई। इस दौरान आसपास लगे सीसीटीवी कैमरो के फुटेज देखा जाए तो रात 1ः30 बजे के लगभग चोरी की वारदात होना सामने आया एक्टिवा पर सवार दो बदमाश दिखाई दिए हैं जिन्होंने वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस के अनुसार विनय तंवर इंदौर में इंजीनियर है और उनकी पत्नी उज्जैन में शासकीय स्कूल की शिक्षिका है। फुटेज के आधार पर बदमाशों की पहचान के प्रयास किया जा रहे हैं।

रात में दूध डेयरी कर्मचारी ने लगाई फांसी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शनिवार को दो लोगों ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। रात में शराब पीकर दूध डेयरी कर्मचारी घर पहुंचा था और कमरे में फंदे पर लटक गया। इससे पहले मक्सी रोड फैक्ट्री में काम करने वाले युवक ने मौत का फंदा गले में डाला था। नानाखेड़ा क्षेत्र के आनंद नगर में रहने वाला आशीष पिता अंबाराम मालवीय 40 साल दूध डेरी पर काम करता था रात में शराब पीकर घर लौटा था और अपने कमरे में चला गया। देर रात तक कमरे से बाहर नहीं आया तो परिजन उसे देखने पहुंचे। आशीष छत की बल्ली पर लटका हुआ था। मामले की सूचना पुलिस को दी गई और आशीष को अस्पताल लाया गया लेकिन उसकी मौत हो चुकी थी रविवार सुबह पुलिस ने पोस्टमार्टम कराया है आशीष द्वारा उठाए गए कदम का कारण सामने नहीं आ पाया है परिजन भी कुछ बता पाने की स्थिति में नहीं थे। इससे पहले शनिवार दोपहर को मक्सी रोड स्थित टाइल्स फैक्ट्री में काम करने वाले मंगलेश पिता बाबूलाल मालवीय 28 साल निवासी नांदेड़ मकड़ोन फैक्ट्री द्वारा दिए गए कमरे में फांसी के फंदे पर लटका मिला। पुलिस की प्रारंभिक जांच में मामला परिवार की महिला से जुड़ा होना सामने आया है। पंवासा थाना पुलिस परिजनों के बयान दर्ज कर मामले की जांच शुरू करेगी।

नाती की शादी से पहले दुर्घटना में नाना की मौत

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। नाती की शादी से पहले नाना की बीती रात सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। मृतक का साढू भी साथ था जो गंभीर रूप से घायल हुआ है। दोनों रिश्तेदार की शादी में शामिल होने जा रहे थे।

इंदौर रोड स्थित ग्राम गोठड़ा में रहने वाला आशाराम पिता भेरूलाल मालवीय 62 वर्ष शनिवार शाम 7 बजे के लगभग अपने साढू रतनलाल पिता भेरूलाल 55 वर्ष के साथ रिश्तेदार के यहां शादी में शामिल होने के लिए घट्टिया तहसील के ग्राम बनड़ा जाने के लिए निकला था। रात 8 बजे के लगभग नजरपुर और जैथल के बीच उनकी बाइक को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। आशाराम और रतनलाल गंभीर घायल हो गए। उन्हें एम्बुलेंस से अस्पताल पहुंचाया गया। जहां डॉक्टरों ने आशाराम मालवीय को मृत घोषित कर दिया। दुर्घटना की जानकारी लगते ही परिजन अस्पताल पहुंच गए थे। रविवार सुबह पोस्टमार्टम के दौरान परिजनों ने बताया कि आशाराम अपने नाती अविनाश की शादी अपने ही घर से कर रहे थे। रविवार को मंडप का कार्यक्रम रखा गया था। दो दिन बाद ही अविनाश की शादी थी। लेकिन उससे पहले नाना की दुर्घटना में मौत होने से परिवार में शादी की खुशियों का माहौल मातम में बदल गया। मामले में कोतवाली थाना पुलिस द्वारा पोस्टमार्टम कराने के बाद मर्ग डायरी जांच के लिए घट्टिया थाना पुलिस को भेजन की बात कही गई। वहीं दुर्घटना की जानकारी लगने पर घट्टिया थाना पुलिस द्वारा अज्ञात वाहन की तलाश घटना स्थल के आसपास लगे कैमरों के माध्यम से शुरू कर दी गई है।

27 अप्रैल को बड़नगर के कृषि आदान व्यापारियों का एक दिन का बंद

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। देश के खाद, बीज एवं कीटनाशक व्यापारियों के राष्ट्रीय संगठन ऑल इंडिया एग्रो इनपुट डीलर एसोसिएशन के आव्हान पर 27 अप्रैल 2026 को देश के समस्त खाद, बीज एवं कीटनाशक व्यापारी एक दिन की सांकेतिक हड़ताल पर रहेंगे। इसी कड़ी में कृषि आदान विक्रेता संघ बड़नगर द्वारा भी हड़ताल का समर्थन कर बंद का आव्हान किया गया है। जिसमें नगर व तहसील क्षेत्र के समस्त खाद, बीज एवं कीटनाशक व्यापारी सांकेतिक रूप से

अपने - अपने प्रतिष्ठान एक दिन बंद रखकर हड़ताल पर रहेंगे।

उपरोक्त जानकारी देते हुए कृषि आदान विक्रेता संघ बड़नगर अध्यक्ष नारायण सिंहजी राठौर ने बताया कि जिन मुद्दो को लेकर यह सांकेतिक हड़ताल की जा रही है उनमें

1- उर्वरकों में डीलर मार्जिन को डेढ़ प्रतिशत से बढ़कर कम से कम 8 प्रतिशत किया जाना

2 - भारत सरकार की नीति के अनुसार रिटेलर के गोदाम तक स्वहक्र उर्वरकों की पहुंच उपलब्ध करवाना

3 - खाद बीज एवं कीटनाशक के सैंपल फेल होने पर निर्माता एवं उत्पादक कंपनियों पर कार्रवाई करना एवं व्यापारी को गवाह के रूप में प्रस्तुत करना

4 - साथी पोर्टल के माध्यम से लागू के लिए जाने वाली बीज विक्रय योजना को उत्पादक कंपनियां तक ही सीमित रखना

5 - निर्माता कंपनियों द्वारा उर्वरकों के साथ की जा रही अन्य उत्पादों की जबरन टैगिंग को पूर्ण रूप से बंद करना

6 - देश में लागू की जा रही ई टोकन प्रणाली को स्थगित करना जैसे आदि अनेक मुद्दे है। इन मुद्द पर लगातार संवाद किए जाने के बाद भी समस्याओं का निराकरण नहीं होने के कारण उपरोक्त एकदिवसीय हड़ताल अभी सांकेतिक रूप से की जा रही है।हड़ताल के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नाम एक ज्ञापन प्रातः 11 बजे अनुविभागीय कार्यालय पर

अनुविभागीय अधिकारी (एसडीएम) बड़नगर को सौंपा जावेगा। यदि एक माह में इन समस्याओं पर कोई ठोस निर्णय नहीं लिया जाता है तो आगामी खरीफ सीजन के पूर्व अनिश्चितकालीन हड़ताल की घोषणा भी की जा सकती है। बड़नगर कृषि आदान विक्रेता संघ ने नगर व ग्रामीण क्षेत्र के समस्त खाद, बीज एवं कीटनाशक व्यापारियों से अपील की है कि वह 27 अप्रैल को 1 दिन के बंद के आह्वान में पूर्ण रूप से सहयोग करें एवं अपने कृषि आदान व्यापार को भविष्य में जिंदा रखने के जो प्रयास आल इंडिया संगठन द्वारा किए जा रहे हैं उसमें सहयोग प्रदान करें। उक्त जानकारी बड़नगर कृषि आदान विक्रेता संघ सचिव अजय राठौड़ ने दी।

पंचायत एवं नगरीय निकायों की मतदाता सूची का वार्षिक पुनरीक्षण कार्यक्रम जारी

धार/दैनिक मालवा हेराल्ड। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा नगरीय निकाय एवं त्रिस्तरीय पंचायत की फोटोयुक्त मतदाता सूची का वार्षिक पुनरीक्षण कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। पुनरीक्षण की पूरी प्रक्रिया ERMS (Electoral Roll Management System) के माध्यम से ऑनलाइन की जाएगी। यह प्रक्रिया दो चरणों में पूरी होगी। प्रथम चरण के अंतर्गत कंट्रोल टेबल का सत्यापन, अपडेशन तथा प्रारूप मतदाता सूची तैयार की जाएगी। द्वितीय चरण के अंतर्गत दावे-आपत्तियों का प्राप्ति एवं निराकरण कर अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी।

जारी कार्यक्रम के अनुसार रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं प्राधिकृत कर्मचारियों का प्रशिक्षण 27 अप्रैल 2026, कंट्रोल टेबल चैकलिस्ट प्राप्ति एवं सत्यापन 02 मई 2026, प्रारूप मतदाता सूची जनरेट कर वेबसाइट पर अपलोड 08 मई 2026 ,फोटोयुक्त प्रारूप मतदाता सूची का सार्वजनिक प्रकाशन 15 मई 2026, दावे-आपत्ति प्राप्त करने की अवधि (ER-1, ER-2, ER-3 फॉर्म पर) 15 मई से 25 मई 2026 (अपराह्न 3ः00 बजे तक), दावे-आपत्तियों का निराकरण 30 मई 2026 , फोटोयुक्त अंतिम मतदाता सूची का सार्वजनिक प्रकाशन 18 जून 2026 को किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि डुप्लीकेट नाम वाले मतदाताओं की सूची भी तैयार की जाएगी और संबंधित प्रक्रिया के तहत उनका नाम केवल एक जगह रखा जाएगा।सभी पात्र मतदाताओं से अपील है कि अपने नाम की जांच 15 मई 2026 से प्रारूप मतदाता सूची में करें, नाम छूटा हो, गलत विवरण हो, या नाम हटाना हो तो ER-1 (परिवर्धन), ER-2 (विलोपन) अथवा ER-3 (संशोधन) फॉर्म पर संबंधित दावा-आपत्ति केंद्र पर आवेदन करें, प्राधिकृत कर्मचारी सभी दावा-आपत्ति केंद्रों पर उपलब्ध रहेंगे, मतदाता सूची की जाँच आयोग की वेबसाइट, नगरपालिका कार्यालय, वार्ड कार्यालय अथवा ऑनलाइन ERMS पोर्टल पर भी की जा सकती है।राजनीतिक दलों के लिए भी प्रारूप एवं अंतिम मतदाता सूची उपलब्ध कराई जाएगी तथा स्टैंडिंग कमेटी की बैठकें आयोजित की जाएंगी।

मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा सभी संबंधित अधिकारियों, कर्मचारियों तथा नागरिकों से अपील की गई कि इस कार्यक्रम को समय-सीमा के अंदर पूर्ण करने में पूर्ण सहयोग प्रदान करें ताकि स्वच्छ, पारदर्शी एवं त्रुटिरहित मतदाता सूची तैयार हो सके।

अधिक जानकारी के लिए कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी (स्था.निर्वा.) अथवा संबंधित रजिस्ट्रीकरण अधिकारी से संपर्क किया जा सकता है साथ ही आयोग का ई-मेल- mpsec@mp.gov.in पर भी लॉग इन किया जा सकता है।उप जिला निर्वाचन अधिकारी स्थानीय निर्वाचन श्री संदीप सिंह ने समस्त एसडीएम एवं रजिस्ट्रीकरण अधिकारी पंचायत एवं नगरीय निकाय तथा तहसीलदार तथा रजिस्ट्रीकरण अधिकारी को निर्देश दिए है कि आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम अनुसार समस्त कार्यवाहियां समयसीमा में पूर्ण करें।

केंद्रीय जेल में लगाद्वई विशेष लोक अदालत

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। माननीय मुख्य न्यायाधिपति, मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय एवं मुख्य संरक्षक, म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश /अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री महेंद्र कुमार जैन की अध्यक्षता में दिनांक 26.04.2026 केन्द्रीय जेल बड़वानी में विशेष जेल लोक अदालत का आयोजन किया गया। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के माननीय मुख्य न्यायाधीश और मध्यप्रदेश सालसा के संरक्षक द्वारा दिनांक 26.04.2026 को प्रातः 09.15 बजे ग्वालियर केन्द्रीय जेल से वर्चुअल माध्यम विशेष लोक अदालत से सम्पूर्ण केन्द्रीय जेल/जिला जेल से जुड़े। विशेष जेल लोक अदालत का उ?द्घाटन किया गया। केन्द्रीय जेल बड़वानी में विशेष जेल लोक अदालत का आयोजन किया गया जिसमें न्यायिक मजि. प्रथम श्रेणी बड़वानी श्री पुष्पेन्द्र भार्गव पीठासीन अधिकारी की गठित पीठ में जेल में बंदियों संबंधी उनके प्लीबारगेनिग, शमनीय एवं राजीनामा प्रकरणों को रेफर किया था जिन्हे उनके द्वारा लोक अदालत में सुना गया व 03 प्रकरण का त्वरित निराकरण किया गया। जेल लोक अदालत के आयोजन पर मुख्य न्यायिक मजि. श्री सुमित शर्मा, श्री अमूल मण्डलोई सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बड़वानी, श्री रॉबिन दयाल जिला विधिक सहायता अधिकारी, सहायक जेल अधीक्षक श्री वर्मा, सहायक जेल अधीक्षक श्री विनय काबरा, अधिवक्ता श्री अनुज कुमार जैन, श्री विनोद पाटीदार एवं प्राधिकरण, के कर्मचारी एवं जेल स्टॉफ एवं बंदीगण उपस्थित रहे।

जनगणना 2027- तृतीय दिवस प्रशिक्षण संपन्न

धार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारत की जनगणना 2027 के सफल क्रियान्वयन हेतु स्थानीय स्तर पर चल रहे तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का शनिवार को समापन हुआ। प्रशिक्षण के अंतिम दिन उपस्थित अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों द्वारा गणना कार्य में लगे पर्यवेक्षकों एवं प्रगणकों को कर्तव्यनिष्ठा और सेवा भाव की शपथ दिलाई गई।

इस अवसर पर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बदनावर श्रीमती प्रियंका मिमरोट ने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि जनगणना राष्ट्र के विकास की नींव है। सटीक डेटा से ही भविष्य की योजनाएं प्रभावी बनती हैं। कार्यक्रम में तहसीलदार श्री सुरेश नागर ने तकनीकी बारीकियों पर प्रकाश डाला, वहीं नगरीय क्षेत्र के चार्ज अधिकारी श्री लाल सिंह राठौर ने मैदानी स्तर पर आने वाली चुनौतियों और उनके समाधान के बारे में विस्तार से चर्चा की।

परिषद की अध्यक्ष श्रीमती मीना शेखर यादव एवं उपाध्यक्ष श्री राजेंद्र सिंह पंवार ने प्रगणकों का उत्साहवर्धन किया। इस दौरान पार्षद श्रीमती अनीता संतोष चौहान सहित अन्य स्थानीय प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। उपस्थित सभी पर्यवेक्षकों और प्रगणकों को भारत की जनगणना 2027 सेवा भाव प्रतिज्ञा की शपथ दिलाई गई। इस शपथ के माध्यम से सभी ने निष्पक्षता, गोपनीयता और पूर्ण समर्पण के साथ राष्ट्र के इस कार्य में अपना योगदान देने का संकल्प लिया। आगामी जनगणना पूर्णतः डिजिटल माध्यम से संपन्न होगी, जिसके लिए प्रगणकों को विशेष रूप से मोबाइल एप्लिकेशन और डेटा एंट्री के लिए प्रशिक्षित किया गया है।

मनावर में नारी शक्ति वंदन पखवाड़ा का आयोजन, महिलाओं को योजनाओं और अधिकारों के प्रति किया जागरूक

धार/दैनिक मालवा हेराल्ड। शासन के निर्देशानुसार खेल और युवा कल्याण विभाग के नेतृत्व में मनावर विकासखंड के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में नारी शक्ति वंदन पखवाड़ा कार्यक्रम अत्यंत उत्साह के साथ आयोजित किया गया। इस अभियान के अंतर्गत स्थानीय संदीपनी विद्यालय और सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में विशेष जागरूकता सत्र आयोजित किए गए, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाओं और छात्राओं ने सहभागिता की।

शासकीय योजनाओं की दी गई विस्तृत जानकारी- खेल और युवा कल्याण विभाग के ब्लॉक कोऑर्डिनेटर विशाल दामके ने उपस्थित महिलाओं एवं छात्राओं को महिला सशक्तिकरण की दिशा में चलाई जा रही शासन की कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने विशेष रूप से लाड़ली बहना योजना और लखपति दीदी जैसी योजनाओं के लाभ और उनकी पात्रता के बारे में बताया। साथ ही, महिलाओं को नई आरक्षण नीति और उनके कानूनी अधिकारों के प्रति सजग रहने का आह्वान किया।

सामाजिक सुरक्षा और आत्मनिर्भरता पर जोर- संदीपनी विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्राचार्य कानूनगो और विकासखंड शिक्षा अधिकारी मुन्नालाल ठाकुर ने संबोधित करते हुए कहा कि इस पखवाड़े का मुख्य लक्ष्य महिलाओं को सामाजिक और आर्थिक रूप से मुख्यधारा में लाना है। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं को आत्मनिर्भर बनने हेतु प्रेरित किया गया। वहीं सरस्वती शिशु मंदिर में आयोजित सत्र में विशाल दामके ने साइबर अपराधों से सुरक्षा, महिला सुरक्षा, करियर काउंसलिंग और नशा मुक्ति जैसे ज्वलंत विषयों पर महत्वपूर्ण टिप्स दिए।

ओंकारेश्वर क्षेत्र के सभी होटल व रिसॉर्ट्स में सीवेज ट्रीटमेंट व्यवस्था की जाँच के लिए दल गठित

खण्डवा / दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता ने बताया कि आगामी ÷सिंहस्थ महापर्व-2028÷ को ध्यान में रखते हुए तीर्थ नगरी ओंकारेश्वर एवं नर्मदा नदी के तटीय क्षेत्रों में पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। सिंहस्थ के दौरान अत्यधिक संख्या में श्रद्धालुओं के आगमन की संभावना और क्षेत्र के जल स्त्रोतों को प्रदूषण मुक्त और पवित्र बनाए रखने के उद्देश्य से एसडीएम पुनासा श्री पंकज वर्मा ने ग्राम मोरटक्का से ओंकारेश्वर के बीच मुख्य मार्ग के दोनों ओर स्थित होटलों, रिसॉर्ट्स एवं व्यवसायिक प्रतिष्ठानों के अपशिष्ट जल और सीवेज के प्रबंधन की जांच के लिए दल गठित करने के आदेश जारी किए हैं।

जारी आदेश के अनुसार यह जांच दल मोरटक्का से ओंकारेश्वर एवं कोठी से सनावद के बीच मुख्य मार्ग पर स्थित और ओंकारेश्वर नगर मे स्थित सभी होटलों व रिसॉर्ट्स में स्थापित सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट एवं अपशिष्ट निष्कासन की जाँच करेगा। इस संयुक्त जाँच दल में डिप्टी कलेक्टर सुश्री ममता चौहान, मुख्य नगर पालिका अधिकारी ओंकारेश्वर श्रीमति मोनिका भौपचे, श्री मनोज जायसवाल उप यंत्री एवं श्री दुर्गेश चौधरी, उपयंत्री को शामिल किया गया है। इस जांच दल में सहयोगी कर्मचारी के रूप मे राजस्व निरीक्षक श्री शैलेन्द्र सिंह सोलंकी, पटवारी श्री गौरव सोनी, श्री अमित भोरयाले, श्री रविन्द्र अंजाना, श्री कमलेश दामोदर एवं श्री हुकुमचंद यादव

तथा श्री शंभुलाल केवट आपरेटर ओंकारेश्वर के अलावा ग्राम पंचायत मोरटक्का, मोरघडी, बिल्लौरा बुजुर्ग, कोठी और भोगावा के पंचायत सचिव एवं सहायक सचिव को भी शामिल किया गया है।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

रात भर चली पुलिस की गस्त... 300 से ज्यादा वारंटी और इनामी बदमाश दबोचे

उज्जैन में आधी रात से सुबह तक कांबिंग गश्त, दरवाजे खटखटाकर दी गई दबिश — अपराधियों में मचा हड़कंप

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर और जिले में बीती रात पुलिस ने ऐसा शिकंजा कसा कि अपराधियों की नींद ही उड़ गई। रात 11 बजे से सुबह 5 बजे तक चली सघन कांबिंग गश्त के दौरान पुलिस टीमों ने एक साथ कई मोर्चों पर कार्रवाई करते हुए 300 से ज्यादा स्थायी वारंटी, इनामी बदमाशों और जिला बदर आरोपियों को धर दबोचा। इस कार्रवाई से पूरे जिले में हड़कंप की स्थिति बन गई।

पुलिस की यह विशेष मुहिम शहर के सभी थाना क्षेत्रों के साथ-साथ देहात इलाकों में भी एक साथ चलाई गई। अभियान में थाना प्रभारियों के साथ एएसपी और सीएसपी स्तर के अधिकारी खुद मैदान में उतरे। पुलिस टीमों ने रात के अंधेरे में अपराधियों के घरों पर दबिश दी, दरवाजे खटखटाए और उन्हें मौके से गिरफ्तार किया।

घर-घर पहुंची पुलिस, बचने का नहीं मिला मौका- कांबिंग गश्त के दौरान पुलिस ने पहले से चिन्हित स्थायी वारंटियों, इनामी बदमाशों और जिला बदर अपराधियों की सूची के आधार पर कार्रवाई की। कई अपराधी पुलिस की अचानक कार्रवाई से हतप्रभ रह गए और भागने का मौका भी नहीं मिला। पुलिस ने उन्हें घरों से ही हिरासत में ले लिया।

अफसरों ने खुद संभाली कमान - इस बड़े अभियान की खास बात यह रही कि वरिष्ठ अधिकारियों ने खुद मोर्चा संभाला। एएसपी और सीएसपी स्तर के अधिकारियों की मौजूदगी में पुलिस टीमों ने पूरी रात लगातार कार्रवाई जारी रखी, जिससे अभियान की गंभीरता और प्रभाव दोनों बढ़ गए।

अपराधियों में दहशत, आमजन में भरोसा- इस सख्त कार्रवाई के बाद अपराधियों में जहां दहशत का माहौल है, वहीं आम नागरिकों में सुरक्षा को लेकर भरोसा मजबूत हुआ है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि इस तरह की कांबिंग गश्त आगे भी जारी रहेगी और अपराधियों के खिलाफ लगातार सख्त कदम उठाए जाएंगे।

सिंहस्थ-2028 के कार्यों की चरणबद्ध और समयबद्ध मॉनिटरिंग करें : एमडी श्री तिवारी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डाक्टर मोहन यादव की मंशानुसार मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) के प्रबंध संचालक श्री सुनील तिवारी ने कंपनी की समीक्षा बैठक में सिंहस्थ-2028 से संबंधित विभिन्न कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने उज्जैन क्षेत्र के अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी कार्य पी.ई.आर.टी चार्ट के अनुसार चरणबद्ध एवं समयबद्ध ढंग से मॉनिटर किए जाएं।

उन्होंने कहा कि सिंहस्थ-2028 जैसा विशाल आयोजन प्रदेश सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है, इसलिए इसकी तैयारियों में समयबद्धता और विभागों के बीच बेहतर समन्वय अत्यंत आवश्यक है। प्रत्येक कार्य की चरणबद्ध प्रगति, निर्धारित समय-सीमा तथा उत्तरदायित्वों का स्पष्ट निर्धारण किया जाए, ताकि सभी कार्य आयोजन से एक वर्ष पूर्व पूर्ण किए जा सकें।

प्रबंध संचालक श्री तिवारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी परियोजनाओं की नियमित समीक्षा की जाए तथा संभावित बाधाओं की पूर्व पहचान कर समय रहते उनका समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कार्यों में गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों के कड़ाई से पालन पर भी विशेष जोर दिया।

बैठक में अधिकारियों द्वारा विभिन्न परियोजनाओं की प्रगति की जानकारी प्रस्तुत की गई, जिस पर प्रबंध संचालक ने निर्धारित लक्ष्यों से पूर्व कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

उज्जैन जिले में रबी उपार्जन 2026-27 के अंतर्गत समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी में उल्लेखनीय प्रगति

उज्जैन जिला गेहूं खरीदी में प्रदेश में दूसरे स्थान पर

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह के मार्गदर्शन में उज्जैन जिले में रबी उपार्जन वर्ष 2026-27 के अंतर्गत समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी का कार्य पूरे जोर-शोर से जारी है। गेहूं खरीदी में उज्जैन जिला प्रदेश में दूसरे स्थान पर है।

जिला आपूर्ति नियंत्रक श्रीमती शालु वर्मा ने बताया कि विगत 25 अप्रैल (शनिवार) को जिले के छोटे, मझोले एवं बड़े सभी कृषकों से गेहूं की खरीदी प्रारंभ की गई। इस दिन कुल 916 कृषकों से 5,680 मीट्रिक टन गेहूं की खरीदी उपार्जन केन्द्रों के माध्यम से की गई।

इसी दिन 10,182 किसानों ने अपनी उपज विक्रय हेतु नवीन स्लॉट बुक किए।

आज दिनांक तक कुल 68,623 किसानों द्वारा गेहूं विक्रय के लिए स्लॉट बुक किए जा चुके हैं, जिनमें से 41,862 किसानों से 1,76,798 टन गेहूं की खरीदी पूरी की जा चुकी है।

भीषण गर्मी को ध्यान में रखते हुए सभी उपार्जन केन्द्रों पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा कृषकों की सुविधा के लिए ग्लूकोज, ORS तथा अन्य आवश्यक औषधि किट उपलब्ध कराई जा रही है।

खाकचौक से मंगलनाथ तक सिंहस्थ से पहले बदलेगा पूरा ट्रैफिक सिस्टम

42.97 करोड़ की योजना, सड़क 24 से बढ़कर 30 मीटर होगी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंहस्थ 2028 की तैयारियों के बीच शहर के प्रमुख धार्मिक मार्गों को आधुनिक स्वरूप देने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। खाकचौक (अंकपात चौराहा) से मंगलनाथ मंदिर तक जाने वाले मार्ग का चौड़ीकरण अब तेजी से आगे बढ़ेगा। उज्जैन विकास प्राधिकरण (यूडीए) ने करीब 42.97 करोड़ रुपए की इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी है।

यह मार्ग न सिर्फ मंगलनाथ मंदिर बल्कि कालभैरव, सिद्धवट और अन्य प्रमुख धार्मिक स्थलों तक पहुंचने का मुख्य रास्ता है। वर्तमान में संकरी सड़क और बढ़ते यातायात दबाव के चलते यहां अक्सर जाम की स्थिति बनती है, जिससे श्रद्धालुओं को परेशानी उठानी पड़ती है।

चरणबद्ध तरीके से होगा निर्माण- परियोजना के तहत शुरुआती 190 मीटर तक सड़क को 24 मीटर चौड़ा रखा जाएगा, जबकि इसके बाद का पूरा हिस्सा 30 मीटर तक विस्तारित किया जाएगा। सड़क का डामरीकरण, आधुनिक ट्रैफिक डिजाइन, मजबूत बेस और बेहतर ड्रेनेज सिस्टम इस योजना का हिस्सा होंगे। सड़क के दोनों ओर फुटपाथ, स्ट्रीट लाइट और सुरक्षित यातायात के लिए जरूरी ढांचा तैयार किया जाएगा, जिससे यह मार्ग सिर्फ चौड़ा ही नहीं बल्कि व्यवस्थित और सुरक्षित भी बनेगा।

सिंहस्थ में लाखों श्रद्धालुओं को राहत- सिंहस्थ 2028 के दौरान इस मार्ग की अहमियत कई गुना बढ़ जाएगी। हर बार की तरह इस बार भी लाखों श्रद्धालुओं के उज्जैन पहुंचने की उम्मीद है। ऐसे में यह चौड़ी सड़क आवागमन को सुगम बनाएगी और जाम की समस्या को काफी हद तक खत्म करेगी।

ग्रीन फील्ड अलाइनमेंट से मिलेगा विकल्प- योजना में 830 मीटर लंबा ग्रीन फील्ड अलाइनमेंट भी शामिल है, जो वैकल्पिक मार्ग के रूप में काम करेगा। इससे मुख्य सड़क पर ट्रैफिक का दबाव कम होगा और शहर की यातायात व्यवस्था अधिक संतुलित बनेगी।

सांदीपनि आश्रम का भी होगा कायाकल्प- इस मार्ग पर स्थित महर्षि सांदीपनि आश्रम का भी विकास प्रस्तावित है। धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व को देखते हुए यहां भगवान श्रीकृष्ण की 108 फीट ऊंची भव्य प्रतिमा स्थापित किए जाने की योजना है, जो उज्जैन के धार्मिक पर्यटन को नया आयाम दे सकती है।

शहर को मिलेगा आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर- परियोजना में रिटेनिंग वॉल, बॉक्स कल्वर्ट, मजबूत ड्रेनेज और बेहतर लाइटिंग सिस्टम शामिल हैं। यह विकास कार्य उज्जैन को सिंहस्थ के लिए तैयार करने के साथ-साथ शहर के स्थायी इंफ्रास्ट्रक्चर को भी मजबूत करेगा।

विश्वकर्मा मेवाड़ा सुतार समाज के सामूहिक विवाह में नवदंपतियों ने लिए सात फेरे

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के ग्राम घट्टी में विश्वकर्मा मेवाड़ा सुतार समाज द्वारा भव्य सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन किया गया। आयोजन में सैकड़ों गरीब युवक-युवतियों का बिना किसी आर्थिक बोझ के विवाह संपन्न हुआ। समाज की संगठित समिति के इस प्रयास ने सामाजिक एकता और दहेज प्रथा जैसी कुरीतियों को समाप्त करने का बड़ा संदेश दिया।

समाज के प्रदेश अध्यक्ष पवन विश्वकर्मा ने बताया कि विवाह स्थल को पारंपरिक रूप से फूलों और रोशनी से आकर्षक ढंग से सजाया गया था। पूर्ण विधि-विधान और मंत्रोच्चार के बीच नवदंपतियों ने वैवाहिक जीवन में प्रवेश किया। सभी के लिए शुद्ध शाकाहारी भोजन की व्यवस्था की गई। आयोजकों ने बताया कि ऐसे आयोजन बढ़ती महंगाई और सामाजिक कुरीतियों से लड़ने का सशक्त माध्यम हैं, जिससे परिवारों को आर्थिक राहत मिलती है और नई पीढ़ी को नैतिक मूल्य सीखने को मिलते हैं। समाज ने भविष्य में 100 जोड़ों के सामूहिक विवाह का लक्ष्य भी निर्धारित किया है। कार्यक्रम की सफलता में प्रदेश और जिला स्तर की टीमों का विशेष योगदान रहा। सम्मेलन के अध्यक्ष अशोक शर्मा इंदौर और सचिव दिनेश विश्वकर्मा के साथ प्रेम शर्मा, हेमंत विश्वकर्मा, लक्ष्मी नारायण विश्वकर्मा, श्याम विश्वकर्मा, निर्मल विश्वकर्मा और मनोज विश्वकर्मा ने अहम भूमिका निभाई। कार्यक्रम के संरक्षक राजू विश्वकर्मा इंदौर, रमेश विश्वकर्मा इंदौर, पवन विश्वकर्मा नलखेड़ा और भेरुलाल विश्वकर्मा बरनावद रहे। आयोजन को प्रदेशाध्यक्ष पवन विश्वकर्मा, प्रदेश महामंत्री हेमंत विश्वकर्मा इंदौर, प्रदेश महासचिव पवन विश्वकर्मा नलखेड़ा आदी।

संभागायुक्त एवं कलेक्टर ने सिंहस्थ 2028 की तैयारियों के अंतर्गत काल भैरव, अंगारेश्वर मंदिर विस्तारीकरण एवं हरसिद्धि मंदिर-रामघाट मार्ग चौड़ीकरण कार्य का स्थल निरीक्षण किया

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। रविवार को संभागायुक्त श्री आशीष सिंह एवं कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने सिंहस्थ 2028 के अंतर्गत काल भैरव मंदिर, अंगारेश्वर मंदिर विस्तारीकरण कार्य और हरसिद्धि मंदिर से झालरिया मठ से होकर रामघाट तक चौड़ीकरण कार्य का स्थल निरीक्षण किया।

निरीक्षण सुबह में प्रारंभ हुआ और अधिकारियों ने प्रत्येक स्थान पर प्रगति, गुणवत्ता तथा समय-सीमा की समीक्षा की।

उल्लेखनीय है कि काल भैरव मंदिर विस्तारीकरण कार्य के अंतर्गत मंदिर परिसर के विस्तारीकरण, नया एप्रोच रोड, पार्किंग क्षेत्रों, धर्मशाला, सुविधा केंद्र का विकास किया जाना प्रस्तावित है।

संभागायुक्त श्री सिंह ने समय-सीमा में उक्त कार्यों में प्रगति लाने के निर्देश दिए ताकि श्रद्धालुओं को निर्बाध दर्शन और बेहतर सुविधाएं मिल सकें।अधिकारियों ने अंगारेश्वर मंदिर एवं आसपास के घाट क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों, पहुंच मार्गों, पार्किंग, शौचालय तथा भीड़ प्रबंधन व्यवस्था का निरीक्षण किया। इसके बाद हरसिद्धि मंदिर से रामघाट मार्ग चौड़ीकरण कार्य का स्थल निरीक्षण किया गया।

संभागायुक्त श्री सिंह ने निर्देश दिए कि सिंहस्थ में विश्व भर से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए उच्च स्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराना हैं। सभी विभाग पूर्ण समन्वय से 24म7 शिफ्ट वर्क और उच्च गुणवत्ता के साथ कार्य करें।

कलेक्टर श्री सिंह ने सभी संबंधित अधिकारियों को समय-समय पर प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने तथा किसी भी बाधा को तुरंत दूर करने के निर्देश दिए।

इस दौरान सीईओ यूडीए श्री संदीप सोनी, एसडीएम एवं संबंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित थे।

उज्जैन में पारा 43 डिग्री.. रात का तापमान भी 25 डिग्री पार

दोपहर में झुलसा देने वाली गर्मी के कारण सड़कों पर सन्नाटा-आठवीं तक के स्कूलों में अवकाश

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में गर्मी का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है। कल सीजन में पहली बार तापमान बढक़र 43 डिग्री पर जा पहुंचा। इसके साथ ही अप्रैल का पिछले कई वर्षों का सर्वाधिक गर्मी का रिकॉर्ड भी टूट गया। वेधशाला अधीक्षक के अनुसार अगले तीन दिनों तक तापमान में तेजी का दौर बना रहेगा। इस दौरान पारा बढ़ते हुए 45 डिग्री तक जा सकता है। तेज गर्मी को देखते हुए कक्षा पहली से आठवीं तक के स्कूलों में 30 अप्रैल तक अवकाश घोषित किया गया है।

वेधशाला अधीक्षक डॉ. आरपी गुप्त के मुताबिक कल दिन का अधिकतम तापमान 43 डिग्री रहा, जो सामान्य से 4 डिग्री और परसों की अपेक्षा 1.8 डिग्री ज्यादा था। यह पिछले 10 सालों में से 4 सालों 2020, 2021, 2023 और 2024 में अप्रैल में दर्ज सर्वाधिक तापमान की तुलना में ज्यादा था। वहीं रात से सुबह के बीच न्यूनतम तापमान में भी बढ़त देखी गई। एक दिन पहले शनिवार को न्यूनतम तापमान 22.5 डिग्री था, जो आज रविवार सुबह 3 डिग्री उछलकर 25.5 डिग्री पर आ गया। इस दौरान हवाओं की दिशा पश्चिमी और उत्तर-पश्चिमी रही। हवाओं की अधिकतम रफ्तार 12 किलोमीटर प्रतिघंटे तक पहुंची।

मंगलवार से गिरेगा तापमान- वेधशाला अधीक्षक ने बताया कि आज से अगले तीन दिनों तक तापमान में बढ़ोतरी जारी रहेगी। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार आज ही तापमान बढक़र 45 डिग्री के आगे जा सकता है और अगले एक-दो दिनों में 45 डिग्री के स्तर से भी आगे जा सकता है। अगर ऐसा होता है तो 10 सालों का रिकॉर्ड भी टूट सकता है। वहीं सोमवार से तापमान गिरने लगेगा और मंगलवार तक 40 डिग्री से भी नीचे जा सकता है। इसके बाद माह के अंत तक तापमान ऐसा ही रहेगा, जिससे लोगों को गर्मी से थोड़ी राहत मिलेगी।

दिन और रात के तापमान में 17.5 डिग्री का अंतर - दिन में गर्मी बढऩे के साथ ही रात को तापमान में भी इजाफा हुआ है। इससे दिन और रात के तापमान में 17.5 डिग्री तक का अंतर आ चुका है। कल ही दिन का तापमान 43 डिग्री तो रात का 25 डिग्री रहा। हालांकि आने वाले दिनों में रात के तापमान में भी तेजी देखने को मिल सकती है।

एक नजर पिछले 10 सालों में अप्रैल के तापमान पर

वर्ष	अधिकतम	तारीख
2016	41.5	16,30
2017	41.6	18
2018	42.1	29
2019	43.5	29
2020	39.7	16
2021	40.6	30
2022	42	29
2023	39.6	17
2024	40.2	18
2025	42.6	29
2026	43.0	25

(जानकारी वेधशाला के मुताबिक, तापमान डिग्री सेल्सियस में)

भीषण गर्मी का असर.... नर्सरी से 8वीं तक स्कूलों में अवकाश घोषित

30 अप्रैल तक बंद रहेंगे स्कूल, कलेक्टर का आदेश — 9वीं से 12वीं तक की कक्षाएं सुबह शिफ्ट में संचालित

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। गर्मी के तेवर दिन-ब-दिन तीखे होते जा रहे हैं और इसका सीधा असर आम जनजीवन पर दिखाई देने लगा है। खासकर छोटे बच्चों के स्वास्थ्य को देखते हुए प्रशासन ने बड़ा फैसला लिया है। उज्जैन कलेक्टर रोशन सिंह ने जिले के सभी शासकीय और अशासकीय विद्यालयों में नर्सरी से लेकर 8वीं तक के विद्यार्थियों के लिए तत्काल प्रभाव से अवकाश घोषित कर दिया है।

इस निर्णय के तहत अब इन कक्षाओं के बच्चों की छुट्टियां 30 अप्रैल तक जारी रहेंगी। प्रशासन का कहना है कि लगातार बढ़ते तापमान और उज्जैन में 43 डिग्री तापमान पहुंचने से दोपहर के समय चलने वाली गर्म हवाओं (लू) को ध्यान में रखते हुए यह कदम उठाया गया है, ताकि छोटे बच्चों को किसी भी प्रकार की स्वास्थ्य संबंधी परेशानी से बचाया जा सके।

स्वास्थ्य को प्राथमिकता, प्रशासन सख्त- जिला प्रशासन का स्पष्ट मानना है कि इस भीषण गर्मी में छोटे बच्चों का स्कूल जाना उनके स्वास्थ्य के लिए जोखिम भरा हो सकता है। इसी वजह से यह फैसला एहतियात के तौर पर लिया गया है। कलेक्टर द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार जिला शिक्षा अधिकारी को आदेश के पालन के लिए सख्त निर्देश दिए गए हैं।

बड़ी कक्षाओं के समय में बदलाव- वहीं कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों के लिए स्कूल पूरी तरह बंद नहीं किए गए हैं, लेकिन उनके समय में बदलाव किया गया है। अब इन कक्षाओं का संचालन सुबह 7ः30 बजे से दोपहर 12 बजे तक किया जाएगा, ताकि छात्र तेज धूप और लू से बच सकें।

अचानक बढ़े तापमान ने बढ़ाई चिंता- पिछले कुछ दिनों में तापमान में अचानक हुई बढ़ोतरी ने प्रशासन की चिंता बढ़ा दी है। उज्जैन शहर का तापमान 43 डिग्री तक चला गया है। दोपहर के समय गर्म हवाओं का असर तेज हो गया है, जिससे खासकर छोटे बच्चों और बुजुर्गों के लिए हालात मुश्किल होते जा रहे हैं।

अभिभावकों ने राहत की ली सांस- प्रशासन के इस फैसले के बाद अभिभावकों ने राहत महसूस की है। उनका कहना है कि बच्चों की सुरक्षा और स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए लिया गया यह निर्णय समय की मांग था।

जन अभियान परिषद, विकासखंड महिदपुर की ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति ढाबला वैणी द्वारा जल मंदिर का शुभारंभ किया गया

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद विकासखंड महिदपुर की ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति ढाबला वैणी ने जल गंगा संवर्धन अभियान तथा जल स्रोत सेवा समागम द्वितीय चरण के अंतर्गत ढाबली कम्मा चौराहा, घोसला-महिदपुर रोड पर शनिवार को जल मंदिर का शुभारंभ किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में संभाग समन्वयक, मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद श्री शिव प्रसाद मालवीय तथा जिला समन्वयक श्री जय दीक्षित उपस्थित रहे।

इस अवसर पर विकासखंड समन्वयक श्रीमती नम्रता तिवारी ने उपस्थित ग्रामीणों को जल के महत्व, जल संरक्षण तथा उसके समुचित उपयोग की शपथ दिलाई।

आभार ज्ञापन नवांकुर संस्था बागनी, ग्राम शिक्षा एवं जनकल्याण समिति के अध्यक्ष श्री कैलाश चंद्र मालवीय ने किया।

इस दौरान प्रस्फुटन समिति ढाबला वैणी अध्यक्ष श्री परमानंद मकवाना, श्री कमलेश व्यास, श्री हरिराम जाट, श्री तूफान जादव, श्री मदन लाल, राधा रानी मकवाना, परामर्शदाता श्री शिवदयाल शर्मा, श्री संजय व्यास, श्री दिलीप सिंह राजपूत, श्री सोनू व्यास तथा क्षेत्र के अनेक ग्रामीण जन उपस्थित थे ?। यह जल मंदिर जल संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

जल गंगा संवर्धन अभियान में दीवार लेखन कार्यक्रम किया गया

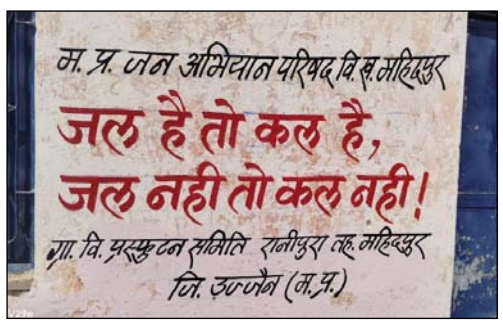

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के विकासखंड महिदपुर के सेक्टर क्रमांक-1 अंतर्गत ग्राम रानीपुरा में जल संरक्षण एवं पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया।

प्रस्फुटन समिति अध्यक्ष श्री राधेश्याम गोयल द्वारा विकासखंड समन्वयक श्रीमती नम्रता तिवारी के मार्गदर्शन में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत ग्रामवासियों को जागरूक करने के लिए दीवार लेखन कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस अभियान के माध्यम से ग्राम रानीपुरा की दीवारों पर पर्यावरण संरक्षण, जल संवर्धन, वर्षा जल संचयन, नदी-तालाब संरक्षण तथा स्वच्छता जैसे महत्वपूर्ण संदेशों को सुंदर एवं प्रभावशाली ढंग से लिखा गया।

ग्रामीण क्षेत्रों में जल संरक्षण की जन-जागरूकता बढ़ाना तथा स्थानीय स्तर पर जल गंगा संवर्धन अभियान को मजबूती प्रदान करना।

श्री राधेश्याम गोयल ने कहा कि दीवार लेखन के माध्यम से ग्रामवासियों तक संदेश आसानी से पहुंच रहा है और लोग सक्रिय रूप से इसमें भागीदारी कर रहे हैं। श्रीमती नम्रता तिवारी ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि जल संरक्षण हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है और ऐसे कार्यक्रमों से सकारात्मक बदलाव आएगा।

स्वच्छता सर्वे की तैयारी... हर वार्ड में तैनात नोडल अधिकारी

नगर निगम आयुक्त की सख्ती—स्वास्थ्य अमले के साथ रोजाना सुबह वार्ड भ्रमण, जागरूकता और साफ-सफाई पर विशेष फोकस

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में स्वच्छता सर्वेक्षण को लेकर नगर निगम ने कमर कस ली है। स्वच्छता अभियान की औपचारिक शुरुआत के साथ ही अब हर वार्ड में नोडल अधिकारियों की तैनाती कर दी गई है। ये अधिकारी प्रतिदिन सुबह तय समय पर अपने-अपने वार्ड में पहुंचकर साफ-सफाई व्यवस्थाओं का जायजा लेंगे और व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने में जुटेंगे।

नगर निगम द्वारा शहर के सभी 54 वार्डों में नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए हैं। इन अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे सुबह 6ः30 बजे से 9 बजे के बीच स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों के साथ वार्ड का निरीक्षण करें। इस दौरान सफाई व्यवस्था, कचरा संग्रहण और जन जागरूकता गतिविधियों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

कार्यशाला में दिए गए सख्त निर्देश

नगर निगम आयुक्त द्वारा हाल ही में आयोजित कार्यशाला में सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए। आयुक्त ने कहा कि स्वच्छता सर्वेक्षण में बेहतर प्रदर्शन के लिए हर स्तर पर गंभीरता जरूरी है। नोडल अधिकारी स्वास्थ्य अमले के साथ मिलकर न केवल निरीक्षण करेंगे, बल्कि लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक भी करेंगे।

डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन पर जोर

अभियान के तहत डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण को और अधिक प्रभावी बनाने पर जोर दिया जा रहा है।

निगम का लक्ष्य है कि शहर में कहीं भी कचरे का ढेर नजर न आए। इसके लिए नियमित मॉनिटरिंग और फीडबैक सिस्टम भी लागू किया गया है।

पिछले प्रदर्शन को बेहतर बनाने की तैयारी

नगर निगम पिछले वर्ष स्वच्छता सर्वेक्षण में बेहतर स्थान हासिल कर चुका है। इसी प्रदर्शन को और सुधारने के लिए इस बार अतिरिक्त प्रयास किए जा रहे हैं। आयुक्त स्वयं विभिन्न वार्डों का दौरा कर व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर रहे हैं और आवश्यक दिशा-निर्देश दे रहे हैं।

कभी भी हो सकता है सर्वेक्षण

केंद्र सरकार की टीम द्वारा स्वच्छता सर्वेक्षण के लिए कभी भी शहर का निरीक्षण किया जा सकता है।

इसे देखते हुए नगर निगम ने पूरी तैयारी कर ली है। अधिकारियों और कर्मचारियों को अलर्ट मोड पर रखा गया है, ताकि शहर की स्वच्छता व्यवस्था हर समय दुरुस्त बनी रहे।